सुविचार
गलत तरीके अपनाकर सफल होने से यही बेहतर है सही तरीके के साथ काम करके असफल होना।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

टी20 अंतराष्ट्रीय करियर पर समय...

Ranchi ● Wednesday, 27 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 336 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	71,336.80
निफ्टी	:	21,441.35

SARAFA

सोना	:	6,090
चांदी	:	80.70

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पांच डीएसपी का तबादला दीपक बने सीआईडी के डीएसपी

RANCHI : राज्य सरकार ने पांच डीएसपी का तबादला किया है। पलामू जिले के लेस्लीगंज में झारखंड सशस्त्र पुलिस बल (जैप-6) में पदस्थापित दीपक कुमार को रांची सीआईडी का डीएसपी बनाया गया है। इस संबंध में मंगलवार को गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार रेमंजियस टोप्पो को विशेष शाखा रांची का डीएसपी, बिरेन्द्र बाड़ा को विशेष शाखा रांची का डीएसपी, गन्दरु उरांव को विशेष शाखा रांची का डीएसपी और ओम प्रकाश को झारखंड सशस्त्र पुलिस बल (जैप-1) रांची का डीएसपी बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार : खड़गे

NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केन्द्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में अब विलंब नहीं करना चाहिए। खड़गे ने मंगलवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को मोदी सरकार ने धोखा दिया है। वहां आतंकी घटनाएं चरम पर हैं। कश्मीरी पंडितों पर आज भी हमले हो रहे हैं। वहां आए दिन आतंकी घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वहां के लोगों ने कांग्रेस के साथ एकजुटता दिखाई थी। खड़गे ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर व लद्दाख से आए पार्टी नेताओं के साथ उन्होंने बैठक की। इस दौरान राज्य के अनेक मुद्दों व लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

चलन से बाहर हो चुके 9413 नोट झारखंड से बरामद

RANCHI : चलन से बाहर हो चुके 9413 नोट राज्य से बरामद हुए हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक साल 2022 में झारखंड में चलन से बाहर हो चुके पांच सौ रुपये के 9413 नोट बरामद किए गए। इसका कुल मूल्य 47 लाख रुपये है। दूसरी ओर पुलिस ने झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 54.99 लाख रुपये बरामद की है, जिनमें दो हजार के नोट से लेकर दस रुपये तक के नोट शामिल हैं। इनमें सिक्का-2301, दस रुपये-402, 20 रुपये-435, 50 रुपये-1872, 100 रुपये-3152, 200 रुपये-695, 500 रुपये-9413, 2000 रुपये-115 हैं।

रांची में होने वाले महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी

एक सप्ताह बाद से रांची में इंटरनेशनल प्लेयर्स का जुटान होगा शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मोरहाबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में 13 जनवरी से महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफाइंग-2024 टूर्नामेंट प्रस्तावित है। इसके लिए टीमों का आगमन शेड्यूल भी तय हो चुका है। इसके मुताबिक अगले एक सप्ताह बाद से रांची में इंटरनेशनल प्लेयर्स का जुटान शुरू हो जायेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम तीन जनवरी को रांची में होगी और पार्क प्राइम होटल में रुकेगी। चार जनवरी को इटली की टीम रांची आएगी। उसे भी पार्क प्राइम होटल में ही ठहराया जाना है। यूएसए की टीम भी इसी दिन रांची में होगी जिसे होटल रेडिसन ब्लू में ठहराया जायेगा।

छह जनवरी को जर्मनी और क्रेच रिपब्लिक की टीमें रांची आएगी। यह दोनों टीम भी रेडिसन ब्लू में रुकेंगी। सात जनवरी को न्यूजीलैंड, चिली और जापान की टीमें रांची आएगी और स्टेशन रोड स्थित होटल चाणक्य बीएनआर में रुकेंगी। मैच ऑफिशियल 11 जनवरी को रांची आएंगे, जिनके ठहरने की व्यवस्था होटल ली लेक सरोवर में की गयी है।

गौरतलब है कि रांची में होने वाली महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफाइंग प्रतियोगिता में 8 देशों की टीम एक-दूसरे के खिलाफ जोर आजमाइश करेंगी। जापान, जर्मनी, भारत, चेक रिपब्लिक, अमेरिका, चिली, इटली और न्यूजीलैंड की टीम इनमें शामिल हैं। 13 से 19 जनवरी तक खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता के जरिये टॉप तीन देशों की टीम जुलाई 2024 में पेरिस में आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालिफाई करेंगी। इस प्रतियोगिता का प्रायोजक झारखंड सरकार है।

ईडी जांच में खुलासा : शराब कारोबार पर एकाधिकार के लिए योगेंद्र ने कई संस्थाओं में किया था निवेश

आपराधिक गतिविधियों से अब तक 14.79 करोड़ की थी अवैध कमाई

PHOTON NEWS RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में खुलासा हुआ है, कि झारखंड में शराब कारोबार पर एकाधिकार के लिए योगेंद्र तिवारी द्वारा नियंत्रित कई संस्थाओं में निवेश किया गया था। ईडी की जांच से पता चला कि योगेंद्र तिवारी बालू और शराब के व्यापार से संबंधित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है, जो उसके करीबी सहयोगियों के नाम पर थे। हालांकि इन सभी संस्थाओं पर योगेंद्र तिवारी का नियंत्रण था। इन आपराधिक गतिविधियों से अब तक 14.79 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई है। इस कमाई का एक बड़ा हिस्सा 2021-22 के दौरान पूरे झारखंड में फैले शराब कारोबार पर

एकाधिकार के लिए योगेंद्र तिवारी द्वारा नियंत्रित कई संस्थाओं में निवेश किया गया था।

झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज 19 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू

ईडी ने बालू की अवैध बिक्री, शराब की अवैध बिक्री, जमीन की अवैध बिक्री और खरीद समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित योगेंद्र तिवारी और अन्य के खिलाफ झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज 19 एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान इस साल 23 अगस्त को योगेंद्र तिवारी और उसके सहयोगियों से संबंधित 32 ठिकानों की झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में तलाशी ली गई थी। योगेंद्र तिवारी को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में है। इस मामले में ईडी की जांच आगे जारी है।

नई दिल्ली में इजराइल की एम्बेसी के पास धमाका पुलिस जांच में जुटी

NEW DELHI : राष्ट्रीय राजधानी में चाणक्यपुरी स्थित इजराइली एम्बेसी के करीब मंगलवार शाम को ब्लास्ट की सूचना मिली। यह सूचना दिल्ली फायर सर्विस को मिली थी। इसके बाद फायर सर्विस और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसने जांच की। स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि एम्बेसी के पीछे खाली प्लॉट पर धमाके की आवाज आई थी। इसे तीन-चार लोगों ने सुना भी। धमाका किस ऑब्जेक्ट से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। स्पेशल सेल और फायर डिपार्टमेंट की टीम फिलहाल मौके से जा चुकी है। मौके से इजराइली एम्बेसडर के नाम एक लेटर मिला है। इसमें क्या लिखा है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के हवाले मिली जानकारी के मुताबिक एम्बेसी से कुछ दूर खाली प्लॉट पर जहां से धमाके की आवाज आई, वहां से कुछ दूरी पर पुलिस को लेटर मिला है। लेटर इजराइली एम्बेसडर के नाम लिखा गया है। इसमें एक झंडा लिपटा हुआ है। लेटर पुलिस के कब्जे में है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने कहा है कि इलाके में कोई विस्फोटक नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस को मंगलवार शाम फोन पर सूचना मिली थी कि इजराइली एम्बेसी के पास धमाका हुआ है।

ओरमांझी में अनियंत्रित बस ने हाइवा को मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत

100 से अधिक स्पीड में थी बस, टक्कर से पलट गया हाईवा, चालक व खलासी फरार

- छह घायलों का रिम्स में चल रहा इलाज
- हाईवा के चालक और खलासी सुरक्षित
- बस चालक को समझाने के बावजूद रफ्तार नहीं कर रहा था कम

घटना के बाद क्षतिग्रस्त बस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित कर्क रेखा के समीप सोमवार की रात 12 बजे बस जेएच-22बी-4581 और हाईवा जेएच-10एआर-6945 में टक्कर होने से जमशेदपुर निवासी विश्वनाथ सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। ओरमांझी पुलिस का कहना है कि बस में सवार छह अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल यात्रियों को रिम्स में भर्ती कराया गया है। एक अन्य यात्री को क्यूरेस्टा ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूनिवर्स एक्सप्रेस रोयल स्लिपर सिंह बस जमशेदपुर से आरा जा रही थी। ओरमांझी में कर्क रेखा के पास बस पहुंची तो तेज गति से हाइवा जा रहा था। कर्क रेखा के पास चढ़ाई थी। इसके बाद भी बस 100 से अधिक स्पीड में थी। बस ने हाइवा को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। हाईवा पलट गया। हाईवा में पत्थर लोड था। हाईवा पलटने से हाईवा के चालक और खलासी को ज्यादा चोट नहीं लगी। वह गाड़ी को मौके पर छोड़कर भाग निकले। बस का कुछ हिस्सा हाइवा में फंस गया। इस वजह से बस का बाएं तरफ को हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर होने के बाद ज्यादातर यात्री बस के एक साइड हो गया थे। ऐसा नहीं होता तो जिस तरफ बस का हिस्सा फंसा था इससे और लोगों की जान चली जाती। घायलों ने पुलिस को बताया कि कई बार बस चालक को बोला जा रहा था कि बस की गति को धीरे करे। लेकिन बस का चालक किसी की बात नहीं सुन नहीं रहा था। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजने के बाद दूसरे यात्रियों को अलग अलग वाहनों से आगे भेजा गया।

टक्कर होते ही डर से यात्रियों की स्थिति हुई खराब : चतरा निवासी देवघारी रविदास को क्यूरेस्टा ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देवधारी रविदास ने पुलिस को बताया कि टक्कर होते ही सभी यात्रियों की स्थिति खराब हो गई थी। सभी यात्री काफी डर गए थे। पता नहीं चल रहा था कि कौन जिंदा है और किसी जान चली गई। सभी लोग चीख रहे थे। बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्री जमशेदपुर से चढ़े थे। बस में मृतक के साथ उसकी बेटी भी सवार थी। बेटी भी गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना पाकर मृतक का भतीजा मंटू सिंह मौके पर पहुंचा था।

बेटी के सामने पिता की चली गई जान

पुलिस का कहना है कि मंटू ने बताया कि विश्वनाथ सिंह अपनी बेटी को लेकर आरा जा रहा था। दोनों बस में एक साथ बैठे हुए थे। बेटी अंजुल ने पुलिस को बताया कि वह अपने पिता के साथ बैठी हुई थी। टक्कर होने के कुछ ही देर के बाद उसके पिता की जान चली गई। उसके पिता को गंभीर चोट लग गई थी। बेटी के सामने पिता की जान चली गई और वह कुछ नहीं कर सकी। अंजुल कुमारी का भी पैर टूट गया है। रिम्स में कुल छह घायलों को भर्ती कराया गया है, जिसमें से दो घायल गंभीर हालत में भर्ती कराए गए हैं। इनमें सुनील कुमार 24 वर्ष और प्रिंस कुमार 23 वर्ष शामिल हैं। इन दोनों का इलाज सर्जरी के सी2 वार्ड में चल रहा है। दूसरी ओर तीन अन्य घायलों को आर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया है, जबकि एक मरीज को न्यूरोसर्जरी में भर्ती कराया गया है।

पांच नवंबर को भी हुई थी भीषण बस दुर्घटना

रांची रामगढ़ सड़क पर चलने वाले बस की रफ्तार काफी तेज होती है। इस वजह से इस सड़क पर आए दिन सड़क दुर्घटना में लोगों की जान जाती है। पांच नवंबर को भी ओरमांझी चुटुपालू घाटी पर बस पलट जाने से एक की मौत व दर्जनों यात्री घायल हो गए थे। घायल सवारियों द्वारा भी बताया गया था कि बस काफी तेज रफ्तार में थी। जिसके कारण पलट गई थी।

क्रिसमस पर पहली बार बेथलहम में सन्नाटा इजराइल ने एक रात में मारे 100 फिलिस्तीनी

AGENCY YERUSALAM : युद्ध के चलते क्रिसमस पर ईसा मसीह की जन्मभूमि बेथलेहम में संभवतः पहली बार सन्नाटे के हालात रहे। वहां रहने वाले ईसाइयों ने गिरजाघर में एक मोमबत्ती जलाकर फिलिस्तीनी क्षेत्र में शांति के लिए प्रार्थना की। बेथलेहम इजराइल के कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र वेस्ट बैंक का शहर है। इजराइली वायुसेना के हवाई हमले मध्य रात्रि से कुछ पहले शुरू हुए और उसके बाद सुबह तक अनवरत जारी रहे। इस हमले में 100 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों के मारे जाने की आशंका है। गाजा में 11 हफ्ते से जारी लड़ाई में रविवार-सोमवार की रात सबसे ज्यादा खूनखराबे वाली रही।

ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक सवार दो छात्रों की मौत, एक की हालत गंभीर

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद में मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई जबकि एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। तीनों छात्र बाइक पर सवार होकर ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में उनकी बाइक ट्रक से टकरा गई। घटना बलियापुर से गोविंदपुर जाने वाले सड़क पर प्रधानखंता रेलवे ओवर ब्रिज के आगे हाईस्कूल के समीप की है।

मृतक छात्र गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जगदीश सहरदार टोला निवासी संदीप महतो और नितेश महतो हैं जबकि घायल छात्र कुलदीप महतो है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि संदीप महतो, नितेश महतो और कुलदीप महतो तीन एक बाइक पर सवार होकर ट्यूशन के लिए निकले थे। इसी दौरान गोविंदपुर से बलियापुर जाने वाली सड़क पर प्रधानखंता हाईस्कूल के समीप एक ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में उनकी बाइक ट्रक की चपेट में आ गई।

धू-धू कर जलने लगी पैसेंजर ट्रेन, खाक हो गया पूरा कोच

AGENCY MUMBAI : महाराष्ट्र के नदिड़ में रखरखाव यार्ड में खड़ी एक पैसेंजर ट्रेन में आग लगी। देखते ही देखते ट्रेन धू-धू कर जलने लगी। हालांकि हादसे के कुछ देर के बाद आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन इस बीच ट्रेन की एक कोच पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना को लेकर दक्षिण मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। हादसे में किसी अन्य कोच को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि आग से किस तरह पूरी कोच जलकर खाक हो गई।

नौसेना में शामिल किया गया सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से लैस आईएनएस इंफाल

हिंद महासागर में दहाड़ेगा बाहुबली आईएनएस इंफाल

AGENCY MUMBAI : सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल दागने की क्षमता से लैस स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस इंफाल को आज मंगलवार को मुंबई में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार युद्धपोत को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल करने के कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एमवी केम प्लूटो पर ड्रोन हमला करने वालों को समुद्र की गहराइयों से भी ढूंढ निकालेंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने वाणिज्यिक पोत एमवी केम प्लूटो और एमवी साईबाबा पर हाल में हुए हमलों का गंभीरता से संज्ञान लिया है

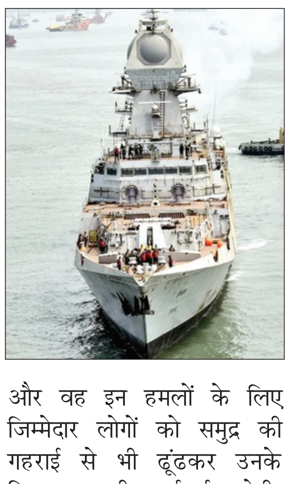

और वह इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को समुद्र की गहराई से भी ढूंढकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। स्वदेशी युद्धक जहाज आईएनएस इंफाल को नौसेना में शामिल किये जाने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में वाणिज्यिक पोतों पर हुए हमलों के बाद भारत ने समुद्र में गश्त बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एमवी केम प्लूटो पर ड्रोन हमले और लाल सागर में एमवी साईबाबा पर हमले को बहुत ही गंभीरता से लिया है। हाल ही में वाणिज्यिक पोतों पर हुए हमलों को अंजाम देने वालों को हम समुद्र की गहराइयों से भी ढूंढकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

ये गुप्त तरीके से लक्ष्य को भेदने वाली मिसाइलों से लैस है

बंदरगाह और समुद्र में व्यापक परीक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद आईएनएस इंफाल को 20 अक्टूबर को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया था। यह जंगी जहाज अब नौसेना में अपनी सेवा देगा। स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर क्लर इंफाल के भारतीय नौसेना में शामिल होने से इसके बेड़े की ताकत और बढ़ जायेगी। स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर से मतलब है कि ये गुप्त तरीके से लक्ष्य को भेदने वाली मिसाइलों से लैस है।

विशाखापत्तनम श्रेणी के चार विध्वंसक युद्धपोतों में से तीसरा युद्धपोत

आईएनएस इंफाल नौसेना द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किये गये विशाखापत्तनम श्रेणी के चार विध्वंसक युद्धपोतों में से तीसरा युद्धपोत है। इसे नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और यह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मझगांव डॉक लिमिटेड, मुंबई द्वारा निर्मित है। पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस इंफाल पहला युद्धपोत है जिसका नाम पूर्वोत्तर के किसी शहर के नाम पर रखा गया है। यह नाम देश के स्वतंत्रता संग्राम में मणिपुर के बलिदान और योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए दिया गया है।

7400 टन की डिसप्लेसमेंट क्षमता वाले आईएनएस इंफाल की लंबाई 163 मीटर

7400 टन की डिसप्लेसमेंट क्षमता वाले आईएनएस इंफाल की लंबाई 163 मीटर है। इसे भारत में बनाये गये बेहतरीन युद्धपोतों में शुमार किया जा रहा है। इंफाल गाइडेड मिसाइल विध्वंसक होने के नाते सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, एंटी शिप मिसाइलों और टॉरपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से सुसज्जित है। जानकारी के अनुसार आईएनएस इंफाल 30 समुद्री मील (56 किमी/घंटा) से अधिक की गति से समुद्र में तैर सकता है। इस जहाज की ऊंचाई 57 फीट और लंबाई 535 फीट है। यह 42 दिन तक आराम से समुद्र रह सकता है। इसमें 300 नौसैनिक रह सकते हैं।

चतरा पहुंचे मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

हक व अधिकार मांगने पर केंद्र सरकार भेजती है ईडी : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS CHATRA : सीएम हेमंत सोरेन मंगलवार को चतरा स्थित सिमरिया के कर्बला मैदान में आयोजित आपकी-योजना, आपकी-सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि नवजात झारखंड का पूर्ववर्ती सरकार ने विकास के नाम पर केवल शोषण किया है। इसके कारण झारखंड पिछड़ा राज्य बन गया है। यहां के खजाना को खाली कर दिया गया था। इस कारण गांव भुखमरी के कगार पर चला गया था। हक व अधिकार मांगने पर केंद्र सरकार ईडी भेजती है। प्रधानमंत्री आवास के लिए केंद्र सरकार के पास जाकर नाक रगड़ते रहे। बावजूद केंद्र सरकार ने चूं तक नहीं किया। तब मैंने राज्य के लोगों को राज्य सरकार द्वारा अबुआ आवास गरीबों को देने का कानून बनाया। गरीबों का दो कमरे की जगह अब तीन कमरे का आवास बनेगा। बहुत जल्द लाभुकों के बैंक खाते में राशि भेजी जाएगी। राज्य में आठ लाख गरीब लोगों को आवास देना है। इसकी संख्या प्राप्त आवेदन के आधार पर बढ़ाई भी जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 249 करोड़ 80 लाख 30 हजार 527 रुपये की 402 योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया। इसमें 137 करोड़ 01 लाख 5 हजार 282 रुपये की 141 योजनाओं की नींव रखी गई जबकि 112 करोड़ 79 लाख 85 हजार 245 रुपये की 241 योजनाओं का उद्घाटन संपन्न हुआ। साथ ही विभिन्न योजनाओं के 01 लाख 13 हजार 800 लाभुकों के बीच करीब 221 करोड़ 78 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी गईं।

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि दिल्ली व रांची के एयर कंडीशनर रूम में बैठकर नहीं, बल्कि अब गांव से चलेगी हेमंत सरकार। गांव सशक्त बनेगा, तभी देश विकास करेगा। जब हमारी सरकारी बनी थी, तब राज्य में समस्याओं का अंबार लगा हुआ था। मैंने विकास कार्यों की योजना बनायी। अब गांवों का विकास तेजी से किया जा रहा है। पुल, पुलिया, सड़क के विकास कार्य कराये जा रहे हैं। राज्य में गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी दूर की जा रही है। 2025 तक राज्य को मजबूत राज्य बनाएंगे। दूसरे से भीख नहीं मांगेंगे। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर को बिरसा मुंडा की पावन धरती से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 29 दिसंबर तक चलेगा।

जीवन में पहली नौकरी का उत्साह जहां मेहनत से मन लगा कर काम करने में मदद करता है, वहीं शुरू-शुरू में थोड़ा बहुत नर्वस होना भी स्वाभाविक है। इस दौरान जहां नियमों में बंध कर अपने कार्य को सुचारु रुप से करना जरूरी है, वहीं बॉस सहित अपने सहकर्मियों से सही तालमेल बिठाना भी अनिवार्य है। कुल मिला कर कार्यक्षेत्र में खुद को काम के अनुसार ढालना एक कला है।

फर्स्ट जॉब उम्मीदों और चुनौतियों की शुरुआत

नई जॉब, नए अनुभव

राघव देसाई 23 साल के हैं। उनकी पहली नौकरी कैम्पस प्लेसमेंट के जरिए लगी। बकौल राघव, 'ऑफिस का वर्क कल्चर काफी अच्छा है। सभी सीनियर काफी मददगार हैं। यहां तक कि उनके द्वारा दी गई सलाह ध्यान से सुनने लायक होती है। ऐसी पॉजटिव सोच न सिर्फ सीखते रहने के गुण को बनाए रखती है, बल्कि उसे अपना कर अनुभवी व कुशल कर्मी के रूप में आपकी पहचान बनती है।

उधर अपनी 6 माह पुरानी पहली नौकरी के बारे में रीमा झा कहती हैं, 'नए कल्चर व नए लोगों के साथ काम करना जितना रोचक है, उतना ही कठिन भी। शुरुआती दिनों में नए लोगों के साथ एडजस्ट करना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल हुआ, लेकिन अब सब ठीक है।' रीमा अपनी इस जॉब से खुश हैं, लेकिन कहती हैं कि जब तक मन लगेगा, तभी तक इसे करेंगी, नहीं तो बदल लेंगी। वहीं कुछ दिन पहले अपनी पहली नौकरी ज्वॉइन करने वाले रवि आर्या कहते हैं, 'मैं फिलहाल जल्दी जॉब नहीं बदलूंगा और कम से कम एक साल तक यहीं काम सीखना चाहूंगा।' पहली नौकरी पाना जहां आपका सपना सच होने जैसा होता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ब्रांड की जगह रुचि पर ध्यान दें

बड़े ब्रांड की बजाए अपनी रुचि पर ध्यान दें। ऐसा काम करें, जो आपकी रचनात्मकता को रूप दे, फिर चाहे कंपनी बड़ी हो या छोटी। ऐसा भी देखा जाता है कि युवा अपने अभिभावकों या वरिष्ठों की सलाह पर अधिक चलते हैं और विशेषज्ञों की कम, जबकि होना इसका उलटा चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आपको सीखने का मौका मिल रहा है तो ये काफी है। कुछ लोग पहली जॉब से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पाल लेते हैं, लेकिन ये गलत है। पहली जॉब में आपको कितनी सैलरी मिल रही है, ये बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता। कुछ समय अपने काम को समझने में लगाना चाहिए और अपनी स्किल्स को और मजबूत बनाना चाहिए। पहली जॉब एक मकान की बुनियाद की तरह होती है।

कंपनी को समझने का प्रयास करें

जरूरी है कि जिस कंपनी को आपने अपनी कार्य रुचि के हिसाब से चुना है, उसमें ही काम शुरू करें। एक बड़ी कंपनी में बतौर जनरल मैनेजर काम कर रहे एक शख्स ने बताया कि किस तरह उनके एक मित्र ने खुद को मिसफिट पाने पर पहली नौकरी छोड़ी थी। दरअसल उन्हें लगा था कि वह अपने कार्य के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए वह संस्थान के लायक नहीं हैं।

नौकरी बदलने की होड़ में शामिल न हों

अक्सर देखने में आता है कि पहली नौकरी ज्वॉइन करते ही उसे बदलने की होड़-सी लग जाती है। ये आपकी गलतफहमी है कि अगर आप जल्दी-जल्दी कंपनी बदलेंगे तो आपका प्रोफाइल मजबूत होगा। रितेश सिंह जब एक बड़े मीडिया हाउस में इंटरव्यू के लिए गए तो उनसे पूछा गया कि आखिर उन्होंने बीते 5 साल में 7 नौकरियां क्यों बदलीं? पर उनके पास उसका कोई उचित जवाब नहीं था। दरअसल जल्दी-जल्दी जॉब बदलना आपके नेगेटिव प्रोफाइल को बढ़ाता है, इसलिए इससे बचें। अगर आप जल्दी-जल्दी जॉब बदलेंगे तो किसी भी कंपनी में जाने पर सबसे पहले आपकी स्टेबिलिटी पर प्रश्नचिह्न लगेगा। दरअसल आपने किस कम्पनी में कितने समय काम किया और क्या सीखा, ये बहुत मायने रखता है। दरअसल हर कंपनी कर्मचारी की ट्रेनिंग पर अपने रिसोर्स खर्च करती है और अगर आप जल्दी ही कंपनी छोड़ देते हैं तो न तो उन स्किल्स का आप इस्तेमाल कर पाते हैं और न ही वह सब आपकी प्रोफाइल में जुड़ ही पाता है।

कैंपस सेलेक्शन के फायदे

कुछ लोग यह मानते हैं कि ग्रेजुएशन के बाद सीधे कैम्पस प्लेसमेंट से प्रगति रुक जाती है। करियर में अच्छी उन्नति नहीं मिल पाती। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके भी रास्ते हैं। अगर आपने ग्रेजुएशन के बाद जॉब ज्वॉइन की है तो आप पोस्ट ग्रेजुएशन करके अच्छी पदोन्नति पा सकते हैं, क्योंकि आजकल ऐसा करना आम बात हो चुकी है। कुछ कम्पनियां तो अपने कर्मचारियों के लिए कई तरह के शैक्षिक प्रोग्राम भी चलाती हैं, ताकि आप कमाई के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकें। एक सर्वे में देश भर के एक हजार से अधिक सीईओ के विचार जाने गए, जिससे पता चला कि 80 प्रतिशत सीईओ अपनी पहली नौकरी में करीब पांच वर्ष टिके रहे थे। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पहली नौकरी किस तरह आपके करियर की बुनियाद मजबूत करने के लिए जरूरी होती है। यदि आप पहली नौकरी में लंबा समय गुजारते हैं तो कहीं भी सफलतापूर्वक काम कर सकते हैं, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि एक सफल शुरुआत से आधा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हालांकि एक अच्छी शुरुआत के लिए कई बातों को दिमाग में रखना होता है।

अनुशासनहीनता न हो

कुछ वरिष्ठ मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का मानना है कि कंपनियां फ्रेशर्स को काम के जरूरी हुनर सीखने का पूरा मौका देती हैं। इसके बावजूद अगर वह जरूरी काम नहीं सीख पाते तो भी चिंता की बात नहीं होती। लेकिन याद रखना चाहिए कि अनुशासनहीनता, झूठ, गलत व्यवहार आदि को कहीं भी बर्दाश्त नहीं किया जाता।

सॉफ्टवेयर डेवलपर फिल्ड में करियर की नई संभावनाएं

जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी.

टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर, दोनों को मिलाकर तैयार सॉफ्टवेयर डेवलपर का फील्ड आने वाले समय में और विस्तृत होगा और करियर की नई संभावनाओं को सामने लाएगा. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी ने समाज में जबर्दस्त बदलाव लाने का काम किया है क्योंकि इसके जरिए कम्युनिकेशन सेक्टर, इंटरनेट एक्सेस प्वांइट, इंटरनेट सिस्टम को नई दिशा मिली है. जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी. मालूम हो, सॉफ्टवेयर डेवलपर वह शख्स होता है जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग या एप्लीकेशन डेवलप करता है.

शिक्षा– सॉफ्टवेयर डेवलपर बनने के लिए आपके पास कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सहित इसके समकक्ष विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. अभ्यर्थी के पास गणित की डिग्री काफी मायने रखती है क्योंकि सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग में गणित का इस्तेमाल काफी अहम है.

इंटीरियर डिजाइनर सजाते हैं घर और दफ्तर

घर हो या दफ्तर, हर जगह अगर मेरी छाप दिख सके तो बात बन जाए। शायद आज हर व्यक्ति कुछ इसी तर्ज पर सोचता है। इस सोच को पूरा करने और अपने घर और दफ्तर को मन-मुताबिक सजाने के लिए हमें एक प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। ये प्रोफेशनल कहलाते हैं इंटीरियर डिजाइनर, जो अपनी कला और हमारी पसंद को मिला कर जगह को एक नया रूप देते हैं। बतौर इंटीरियर डिजाइनर, आपको प्रबंधन की कला के अलावा एक्सक्लूसिव फर्नीचर, आर्ट पीसेज और फर्निशिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

इंटीरियर डिजाइनर का काम

एक इंटीरियर डिजाइनर का काम उपलब्ध जगह का अधिकाधिक इस्तेमाल करना है। साथ ही जगह को अपने क्लाइंट की पसंद और उसके बजट को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक व्यावहारिक बनाना भी है। वह नए-पुराने घर-दफ्तर, होटल-रेस्तरां, स्टूडियो आदि को लोगों की पसंद के मुताबिक तैयार करता है। आमतौर पर इंटीरियर डिजाइनर दीवारों और छतों के किसी भी ढांचे को सजाने का काम करता है, जिसमें वे फर्निशिंग यानी पर्दे, टेबल कवर, बेड कवर, सोफा कवर आदि के साथ फर्नीचर और घर में लाइट का प्रबंध करता है। यह प्रबंध सिर्फ देखने में ही नहीं, बल्कि रहने के लिहाज से भी व्यावहारिक होता है। आपकी किचन में कितने ड्रॉर होंगे, गैस के साथ चिमनी लगनी चाहिए या वेंटिलेशन का कोई और तरीका हो, इन सब मुद्दों पर भी वे मदद करता है। घर में हर कमरे के लिए अलग रंग, अलग फर्निशिंग्स व फर्नीचर को चुनने में वह सहायता करता है।

अगर आप क्रिएटिव हैं, मेहनत से मुंह नहीं मोड़ते और नए कॉन्सेप्ट के लिए हमेशा तैयार रहते हैं तो बतौर इंटीरियर डिजाइनर आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। अच्छे इंटीरियर डिजाइनर्स की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है।

कैसे करें शुरुआत

इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। इनमें प्रवेश के लिए कई संस्थान प्रवेश परीक्षा के साथ आपकी ड्राइंग की कला भी आंकते हैं। बेहतर रहेगा कि आप अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे आप संस्थान की ओर से आयोजित इंटरव्यू के दौरान दिखा सकते हैं। आप विभिन्न पॉलिटेक्निक या निजी संस्थानों से इस कोर्स के लिए अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कई नामी-गिरामी संस्थान व विश्वविद्यालय, खासकर डिजाइनिंग से जुड़े हुए, अपने यहां छात्रों को 4 वर्ष का डिग्री कोर्स भी मुहैया कराते हैं, जिसमें वे डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं के साथ क्राफ्टमैनशिप की भी कुछ जानकारी अपने छात्रों को देते हैं। इसके अलावा आप किसी अन्य विषय में ग्रेजुएशन करने के बाद भी इस प्रोफेशन को अपना सकते हैं। आमतौर पर कला या विज्ञान विषयों में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा के जरिये इंटीरियर डिजाइनिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे रेजिडेंशियल डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग या लैंडस्केप डिजाइनिंग में स्पेशलाइजेशन हासिल करते हैं।

क्या हों खूबियां

अगर आपमें रचनात्मकता है और अधिक से अधिक लोगों के साथ मिल कर नई-नई चुनौतियों का मुकाबला करना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग आपके लिए एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है।

आप किसी भी विषय की जानकारी के बाद यह पाठ्यक्रम पढ़ सकते हैं, लेकिन अगर आपको कला के अलावा डेकोरेटिव सामान, घर में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और आर्किटेक्चर की मूलभूत जानकारी है तो आपके लिए डिजाइनिंग की राह और आसान हो जाएगी। इसके साथ ही अपने करियर को सफल बनाने के लिए आपको बातचीत की कला के साथ ही सुनने की कला भी आनी चाहिए। अगर आप थोड़ी मेहनत और हर बार नए कॉन्सेप्ट के लिए तैयार हैं तो यहां आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही आप में फैशन, परंपरा और संस्कृतियों को समझने की क्षमता होनी चाहिए, ताकि आप क्लाइंट की पसंद को अपनी रचनात्मकता से साकार रूप दे सकें।

पाठ्यक्रम – एमबीए इंटीरियर डिजाइन, एम.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.ए. ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, बी.ए. इंटीरियर डिजाइन, पी.जी. डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन एंड स्टाइल, डिप्लोमा इन स्टाइलिंग फॉर इंटीरियर्स, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डेकोरेशन एंड डिजाइन

फीस – किसी भी अच्छे निजी संस्थान से इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स की सालाना फीस लगभग दो से तीन लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं पॉलिटेक्निक्स सरकार द्वारा तय नियम एवं शर्तों के मुताबिक फीस लेते हैं। फीस व स्कॉलरशिप संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित संस्थान से संपर्क करें।

वेतन – इंटीरियर डिजाइनिंग में दो वर्षीय डिप्लोमा करने के बाद कोई भी छात्र किसी बड़ी कंपनी या डिजाइनर के यहां बतौर इंटर्न 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक कमा सकता है। अनुभव के साथ आपकी आय की कोई सीमा नहीं है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

नफा-नुकसान

- मेहनत के साथ इस क्षेत्र में शोहरत व पैसा कमाना मुश्किल नहीं है
- यहां कई जान-मानी हस्तियों के लिए काम करने का मौका मिल सकता है
- कई बार काम पूरा करने के चलते रात को देर तक या सुबह-सुबह काम करना पड़ सकता है
- इंटीरियर डिजाइनिंग का काम काफी थका देने वाला है, जिसमें कई स्तर के अलग-अलग लोगों से मिलना व उनसे काम निकलवाना पड़ता है

BRIEF NEWS

भारत बंद की तैयारियों की समीक्षा की, 29 को निकलेगा मशाल जुलूस

RANCHI : केंद्रीय सरना समिति और अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की मंगलवार को आरआईटी बिल्डिंग कचहरी परिसर में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने किया। बैठक में 30 दिसम्बर को सरना कोड की मांग पर भारत बंद की तैयारी की समीक्षा की गई। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि सरना कोड लागू करने के लिए पूरे आदिवासी समाज में जागरुकता आई है। आदिवासी सेंगेल अभियान सालखन मुर्मू के आह्वान पर 30 दिसम्बर को झारखंड, बिहार,बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात एवं अन्य राज्यों के आदिवासी सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेंगे। बंद की पूर्व संध्या पर 29 दिसंबर को रांची, लोहरदगा, गुमला, हजारीबाग सहित अन्य जगहों के प्रमुख स्थलों पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के महासचिव संजय तिर्की, उपाध्यक्ष प्रमोद एक्का सचिव विनय उरांव, पंचम तिर्की सहित अन्य मौजूद थे।

निगम के दो शिविर में 77 आवेदनों का हुआ निपटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची नगर निगम की ओर से डोरंडा और नगर निगम में शिविर लगाया गया। इनमें कुल 77 आवेदनों का निपटारा ऑन स्पॉट किया गया। इसके अलावा शिविर में जरूरतमंदों के बीच कुल 103 कंबल का वितरण किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है।

पीडीएस डीलर्स का अल्टीमेटम, मांगें नहीं मानी तो एक जनवरी से हड़ताल

RANCHI : राज्यभर के पीडीएस डीलरों ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि अगर एसोसिएशन की मांगें नहीं मानी गई, तो एक जनवरी से 26 हजार पीडीएस डीलर हड़ताल पर चले जाएंगे। आंदोलन की रणनीति के लिए रांची में फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की बैठक हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानदेव झा ने बताया कि डीलर्स की दस सूत्री मांग है जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है। कहा कि यह हड़ताल देशव्यापी है। राज्य के सभी जिलों में पीडीएस सेंटर बंद रहेंगे। पिछले दो साल से पीडीएस डीलर्स की मांगों को अनदेखा किया जा रहा है।

शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति उम्र 60 से बढ़ाकर 62 पर जल्द निर्णय ले कमेटी : हाईकोर्ट

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य के यूनिवर्सिटी एवं अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अदालत ने मनोज कुमार एवं अन्य की ओर दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा गठित 10 सदस्यीय कमेटी को राज्य के यूनिवर्सिटी एवं अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने पर जल्द निर्णय लेने का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी कहा है कि चूंकि राज्य सरकार ने यूनिवर्सिटी एवं अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने को लेकर उच्चस्तरीय कमेटी बनाए जाने की जानकारी हाईकोर्ट को दे दी है। जिसके साथ ही याचिका को निष्पादित कर दिया गया।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

टेट पास पारा शिक्षकों का आंदोलन स्थगित

पांच जनवरी तक मांगों पर सहमति की उम्मीद

सीएम हाउस घेरने निकले शिक्षकों को पुलिस ने राजभवन के पास रोका

शिक्षकों को रोकती पुलिस। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राजभवन के पास लगभग दो महीने से आंदोलन कर रहे टेट पास पारा शिक्षक आज सीएम हाउस घेराव करने वाले थे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे घेराव को निकले ही थे कि उन्हें प्रशासन की ओर से राजभवन के पास जाकिर हुसैन पार्क धरना स्थल में ही घेराबंदी कर रोक दिया गया। इसके बाद सभी आंदोलन कर रहे पारा शिक्षक यहीं नारेबाजी शुरू कर दी। बैरिकैडिंग किए हुए स्थल पर ही सभी टेट पास पारा शिक्षक बैठ गए।

आंदोलनरत टेट पास पारा शिक्षकों के मुताबिक सरकार हमारे साथ वादाखिलाफी कर रही है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान सरकार में शामिल सभी तीनों दलों के मेनिफेस्टो में वेतनमान देने का वादा चुनाव के वक्त किया था। फिर भी सरकार की तरफ से पारा शिक्षकों के लिए कोई पहल नहीं की गई। संघ के मुताबिक सरकार के मुखिया और वर्तमान में शिक्षा मंत्री हेमंत सोरेन 2019 के विधानसभा चुनाव में कई मंचों से पारा शिक्षकों को वेतनमान देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा भी था कि उनकी सरकार यदि बनती है तो राज्य में तीन माह के अंदर पारा शिक्षकों को वेतनमान दिया जाएगा। मगर सत्ता में आने के बाद अपना वादा सरकार भूल गई।

घेराव कार्यक्रम में इनकी रही भूमिका : आज के मुख्यमंत्री आवास घेराव में मिथिलेश उपाध्याय, झरीलाल महतो, दशरथ ठाकुर, संजय मेहता, मनोज शर्मा, सीमांत घोषाल, महेश मेहता, नफीस अख्तर, मिथिलेश यादव, सज्जाद अंसारी, अभिमन्यु दुबे, रजनीकांत पांडेय सहित सभी 24 जिलों के जिला कमिटी के अरविंद पांडेय, कालीनाथ यदुवंशी, गौरव सुनीता कुमारी , कैलाश मेहता, केदारनाथ महतो, लखन मेहता, विजय कुमार, हरिहर मोदी, किशोर शर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा बिनोद साव बासुदेव यादव प्रखंड कमिटी संकुल कमिटी के साथी हजारों की संख्या में उपस्थित हुए।

पांच जनवरी तक का दिया समय

शिक्षकों के आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय के निर्देश पर जेएमएम महासचिव बिनोद पांडेय और राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त योगेंद्र महतो वार्ता के लिए आए। जहां उन्होंने कहा कि अभी छुट्टियों के कारण अधिकारी नहीं रह सकते हैं इसलिए पांच जनवरी के पहले वेतनमान पर सकारात्मक वार्ता होगी। वहीं पांच जनवरी तक धरना प्रदर्शन को स्थगित करने का अनुरोध किया। जिस पर सभी जिलों और प्रदेश कमिटी ने विचार के बाद धरना को स्थगित कर दिया। साथ ही सहमति बनी कि पांच जनवरी तक वेतनमान पर सकारात्मक वार्ता नहीं हुई तो छह जनवरी से फिर धरना प्रदर्शन शुरू करते हुए अनिश्चितकालीन मुख्यमंत्री आवास घेराव किया जाएगा।

राज्य के 14042 शिक्षक कर रहे आंदोलन

संघ का कहना है कि राज्य भर में 14042 टेट पास किए हुए पारा शिक्षक हैं। सभी शिक्षक नई शिक्षा नीति और एनसीटीई की सभी योग्यताओं को पूरा कर रहे हैं। वहीं ये सभी बीते 20 सालों से बतौर सहायक काम भी कर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि महाधिवक्ता ने भी टेट पास पारा शिक्षकों को वेतनमान देने की अनुशंसा भी की है। इसके बाद भी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। संघ का कहना है कि साल 2012 में बनी नियमावली के आधार पर जेटेट के प्राप्त अंक, शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर साल 2015 से 2019 तक 20 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। ऐसे में हम टेट पास पारा शिक्षकों को भी वेतनमान दिया जाए।

हमारी मांगों पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

राजभवन के समक्ष आंदोलनरत समन्वय समिति के प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने मौके पर कहा कि हम सभी राज्य सरकार से लगातार वेतनमान की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर टेट पास पारा शिक्षक राजभवन के समझ आंदोलन कर रहे हैं। इसके बाद भी सरकार आज तक हमारी ओर किसी तरह का ध्यान नहीं दे रही है। अब तक न तो सरकार ने और न ही विभाग ने किसी तरह की पहल की है। ऐसे में टेट पास पारा शिक्षकों का सब्र का बांध टूट रहा है। आज के सीएम हाउस घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व दशरथ ठाकुर सहित कई शिक्षक नेता कर रहे हैं। घेराव कार्यक्रम को लेकर प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने कहा है कि मुख्यमंत्री आवास घेराव में राज्यभर से टेट पास पारा शिक्षक शामिल हो रहे हैं।

धर्मांतरित जनजातियों को आरक्षण की सीमा से बाहर करने के लिए सौंपा मांग पत्र

RANCHI : उलगुलान डीलिस्टिंग महारैली के बाद जनजाति सुरक्षा मंच झारखंड की ओर से राज्यपाल झारखंड सीपी राधाकृष्णन के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एवं डीसी रांची के माध्यम से गृह मंत्री केंद्र सरकार को मांग पत्र सौंपा गया है, जिसमें कांग्रेस के नेता डा. कार्तिक उरांव के द्वारा 1970 के दशक में उठाए गए विषय और संयुक्त संसदीय कमेटी की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए वैसे जनजातियों जिन्होंने अन्य धर्म का दामन थाम लिया है, को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर करते हुए आरक्षण देना बंद करने का मांग पत्र सौंपा गया है। झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा एवं संदीप उरांव क्षेत्रीय संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच के अध्यक्ष मेघा उरांव ने कहा कि इसी तरह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की गई। कहा गया कि जिस तरह सरना धर्म कोड को विधानसभा में पारित कराकर केंद्र सरकार को भेजा गया है उसी तरह धर्म परिवर्तित हो चुके लोगों को आरक्षण की सुविधा न मिले, इसके लिए विशेष सत्र बुलाकर विधानसभा में पारित कराकर राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजने का निवेदन किया जाए।

प्रशासन ने जारी की कुख्यात अपराधियों व उग्रवादियों की सूची

PHOTON NEWS RANCHI : जिला एसएसपी कार्यालय ने वर्ष 2021, 22 व 23 तक की सीसीए से संबंधित विवरणी जारी कर दी है। जारी विवरणी में 177 अपराधियों की सूची जारी की गई है। जिसमें कई कुख्यात अपराधी व उग्रवादियों व जमीन कारोबारियों के नाम भी शामिल हैं। ये ऐसे अपराधी हैं जिन पर जिले को अशांत करने और अपराध फैलाने के आरोप हैं। इनमें 43 वैसे अपराधी हैं जिन पर सीसीए की धारा 12-2 दर्ज है। वहीं 23 वैसे अपराधियों की सूची है जिन्हें जिला बदर किया गया है। जबकि 111 अपराधियों को थाना हाजिरी की सूची में समाहित किया गया है। पुलिस विभाग द्वारा जारी विवरणी में कुंवर उरांव, मनोज मुंडा, मो फैयाज अंसारी, देवसिंह मुंडा, गेंदा सिंह उर्फ विजय सिंह, मोईन अंसारी, आकाश कुमार राय उर्फ मोनू राय, विनोद गोप उर्फ वीनू गोप, अली खान, राशिद अंसारी, अफसर आलम उर्फ छोटू उर्फ लंगड़ा, विशाल आनंद साहू, राज वर्मा उफ राजराम उर्फ बजरंगी, राहुल गंझू, करमा उरांव, वसीम उर्फ गोजा, नवाब चिश्ती, रोपना उरांव, अली खान, छोटू खान उर्फ तफजील खान, अफसर आलम उर्फ छोटू, जाहिर अंसारी, रंजीत साव उर्फ रंजन कुमार, अमित कुमार उर्फ अमित शर्मा, फरहान अंसारी उर्फ चरकू, शेख फिरोज अंसारी, राशिद अंसारी, गेंदा सिंह उर्फ विजय सिंह, मनोज मुंडा, नवाब चिश्ती, मो आजाद, एजाजुल अंसारी, विशाल आनंद साहू, मो कैफ उर्फ टेना, सैनाथ सिंह मुंडा, अरसलन अंजर उर्फ सानू, मो शहनवाज अंसारी उर्फ पप्पू, आबाद अंसारी, शेख बेलाल, विक्रम सिंह उर्फ सोनू सिंह, बिरजू नायक, निरेंद्र गोप, रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी मुंडा, अली खान, करिश अंसारी, मोईन अंसारी, शकील अंसारी, विकास उरांव उर्फ विक्की, अनिल कुमार सिंह, बिट्टू मिश्रा उर्फ राजीव कुमार मिश्रा समेत कुल 177 अपराधियों के नाम शामिल हैं।

ईडी के पास प्रेम प्रकाश के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य : हाईकोर्ट

RANCHI : पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज याचिका झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि ईडी के पास प्रेम प्रकाश के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं, जिससे यह साबित होता है कि वह साहिबगंज में अवैध खनन और उसके जरिए हुई अवैध कमाई की मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थे। अदालत ने कहा कि अपराध की कमाई में प्रेम प्रकाश की सांठगांठ का खुलासा हुआ है। उसके अकाउंट में लाखों रुपए कैसे आये, वह अब तक नहीं दिखा पाया है। दरअसल रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट ने प्रेम प्रकाश के खिलाफ आरोप गठित कर ट्रायल शुरू कर दिया है। आरोप गठित किये जाने के आदेश को प्रेम प्रकाश ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट ने सुनवाई की।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

मास्टर ट्रेनरों को प्रत्याशियों के व्यय मॉनिटरिंग, पेड न्यूज और आचार संहिता उल्लंघन का मिला प्रशिक्षण

एकदिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण देते ट्रेनर। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देशानुसार पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को विभागीय सभागार में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर के लिए लोकसभा चुनाव 2024 से संबंधित मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग, मीडिया कंप्लेंट, एमसीएमसी एवं पेड न्यूज आदि विषयों से जुड़े एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न जिलों से आये पदाधिकारियों को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में स्वच्छ एवं निष्पक्ष मतदान कराने के लिए प्रत्याशियों के व्यय की मॉनिटरिंग में किन-किन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना है। इसके लिए जानकारी दी गयी।

सी-विजिल ऐप्प के माध्यम से किस प्रकार त्वरित कार्रवाई करते हुए चुनावी आचार संहिता उल्लंघन के मामलों का निष्पादन करना है, इसकी जानकारी भी दी गयी। इसके साथ सोशल मीडिया में सम्भावित भ्रामक खबरों के प्रकाशन पर नियंत्रण अथवा किसी स्वरूप की पेड न्यूज संबंधित परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई जैसे मामलों पर बारीकियों के साथ प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा जिले से आये पदाधिकारियों को मतदाताओं को जागरूक करने के लिए किस प्रकार सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना है एवं स्वीप के तहत कैसे लोगों से जुड़कर उन्हें जागरूक बनाना है, इसकी भी जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी (मुख्यालय) संजय कुमार तथा अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील व अन्य भी मौजूद थे।

डिजिटल पंचायत योजना के तहत चयनित पंचायतों में तीन दर्जन सेवाएं होंगी उपलब्ध

RANCHI : राज्य में डिजिटल पंचायत योजना के तहत चयनित पंचायतों में करीब तीन दर्जन (34) सेवाएं उपलब्ध होंगी। पंचायत भवनों में स्थापित सीएससी के जरिये मिलनेवाली एक दर्जन सुविधाओं के लिए 30 रुपये चार्ज भी लिया जायेगा। ये रेट जैप आइटी द्वारा तय किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को पंचायती राज विभाग, झारखंड की ओर से सभी जिलों के डीसी को लेटर भेज कर सूचना जारी कर दी गई है। विभाग के मुताबिक जाति, आवासीय प्रमाण पत्रों, आय, आवासीय प्रमाण पत्र सहित पेंशन सुविधा के लाभ के लिए 30 रुपया तय किया गया है।

रिम्स में गंदा पानी पीने को मजबूर हैं मरीज और परिजन

RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में इलाज करवाने आनेवाले मरीज और उनके परिजनों को गंदा पानी पीना पड़ रहा है। रिम्स प्रबंधन सरकार के अच्छी व्यवस्था के दावे को खोखला साबित कर रहा है। रिम्स में मरीजों समेत सभी काम करने वाले लोगों को पीने के लिए बाहर से बोतल का पानी खरीदना पड़ रहा है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल में लापरवाही का यह आलम है कि यहां साफ पानी भी पीने के लिए मुहैया नहीं है। अस्पताल में कई जगह पर पीने के पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था की गई है, लेकिन उसमें से आधे से अधिक खराब और बंद पड़े हुए हैं। जो ठीक हैं उनसे इतना गंदा पानी आता है कि वह पीने लायक नहीं होता। गंदा पानी आने की बड़ी वजह हॉस्पिटल की छत पर लगी पानी टंकी की सफाई बरसों से नहीं होना बताई जा रही है।

किशोरी यादव चौक से जाकिर हुसैन पार्क की ओर नो इंट्री

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के रातू रोड में फ्लाईओवर का काम चल रहा है। जिससे ट्रैफिक काफी प्रभावित हो रही है। बुधवार को ट्रैफिक विभाग सुबह 8 बजे से ट्रैफिक का ट्रायल करेगी। जिसको लेकर इस क्षेत्र के रूट में परिवर्तन किया गया है। किशोरी यादव चौक से जाकिर हुसैन पार्क की ओर जाने वाले सभी तरह के वाहनों का परिचालन पूर्णतः बंद रहेगा। पिस्का मोड़ से आने वाले सभी ऑटो/ई-रिक्शा को दुर्गा मंदिर चौक से हॉटलिप्स चौक, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, जाकिर हुसैन पार्क एवं अन्य स्थानों की ओर परिचालन करेंगे। अन्य वाहनों का परिचालन यथावत होगी जो न्यू मार्केट चौक से बांये राजभवन मोड़

होते हुए हॉटलिप्स चौक की ओर परिचालन करेंगे। कांके रोड से रातू रोड आने वाले ऑटो / ई-रिक्शा राम मंदिर से सिदो-कान्हु पार्क, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, जाकिर हुसैन पार्क होते हुए अन्य स्थानों की ओर परिचालन करेंगे। अन्य वाहनों का परिचालन यथावत होगा। रेडियम चौक की ओर से आने वाले वाहनों का परिचालन जाकिर हुसैन पार्क से किशोरी यादव चौक होते हुए रातू रोड एवं हरमू रोड की ओर होगा।

राज्य के सरकारी स्कूलों में मना 'वीर बाल दिवस'

RANCHI : सिक्खों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के संतानों साहिबजादा जोरवार सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह की वीरता को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य के सरकारी स्कूलों में 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' मनाया गया। इस दौरान विद्यालयों में कविता, पेंटिंग, स्लोगन मेकिंग जैसे रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। बच्चों को साहिबजादा जोरवार सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह की वीरता की कहानियां भी सुनाई गयी। स्कूली बच्चों ने यूट्यूब पर राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 'वीर बाल दिवस' के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को भी ध्यान से सुना। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देशानुसार माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार विद्यालयों में कक्षा 10वीं से 12वीं तक की कक्षाओं का संचालन किया गया है।

उपायुक्त ने सीएम के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण करते उपायुक्त। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री के 29 दिसंबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का मंगलवार को उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जायजा लिया। साथ ही सम्बंधित सभी अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये।

उपायुक्त ने लोगों के बैठने की समुचित व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल में लोगों के लिए पीने का पानी, शौचालय और आसपास साफ-सफाई, कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट, एलईडी की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, वाहन पार्किंग, विभिन्न विभागों के जरिये झांकी प्रदर्शन आदि सारी व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने को कहा। साथ ही निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम भव्य तरीके से संपन्न हो। इसकी व्यवस्था ससमय हो जाए यह अधिकारी सुनिश्चित करें।

इस दौरान उप-विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक (शहर) राजकुमार मेहता, नजारत उप-समहर्ता केवल कृष्ण अग्रवाल, जिला कल्याण पदाधिकारी संगीता शरण एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रांची, डॉ. प्रभात शंकर और कार्यक्रम से जुड़े पदाधिकारी और सभी सम्बंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

भाकपा ने धूमधाम से मनाया पार्टी का 98वां स्थापना दिवस, सचिव महेंद्र पाठक ने कहा-

पार्टी किसानों और मजदूरों के हित में सक्रिय

PHOTON NEWS RANCHI : भाकपा ने मंगलवार को 98वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड बाबूलाल झा के जरिये झंडोतोलन कर समारोह की शुरूआत की।

मौके पर राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि किसानों और मजदूरों के हित में लगातार पार्टी सक्रिय है। आने वाले दिनों में इस देश को तानाशाह से बचाने लोकतंत्र, संविधान एवं आजादी को बचाने की बड़ी चुनौती है। 2024 में भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए

कार्यक्रम में उपस्थित महेंद्र पाठक व अन्य। • फोटोन न्यूज

आईएनडीआईए गठबंधन को मजबूत करते हुए आने वाले लोकसभा चुनाव में मिलजुल कर चुनाव लड़ने के लिए भाकपा संगठन को मजबूत बनाने और जन संघर्ष को तेज करने के लिए प्रयासरत है। पुराने साथियों के शहादत एवं बलिदान के बल पर आने वाले दिन में सारे चुनौतियों को स्वीकार करते हुए देश को तानाशाह से बचाने के लिए संकल्पित है ।

प्रोफेसर मिथलेश कुमार सिंह ने कहा की भाकपा ने बहुत सारी कुर्बानियों को देखकर इस देश को सीचा है । लंबे संघर्ष के अनुभव कम्युनिस्टों का है लेकिन आज की स्थिति में संप्रदायवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ना होगा।

मौके पर एटक के राज्य सचिव अशोक यादव ने कहा कि किसान मजदूर की एकता और उनके संघर्ष को जारी रखना किसान मजदूर के हक अधिकार को हिफाजत के लिए संयुक्त आंदोलन चलाने पर जोर दिया।

झाप्रसे के नौ अधिकारियों को विशेष सचिव रैंक में प्रमोशन

RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रेस) के नौ पदाधिकारी को अपर सचिव से विशेष सचिव रैंक में प्रमोशन दिया है। इन सभी पदाधिकारियों को विशेष सचिव रैंक में अपुनरीक्षित वेतनमान पीवी4, 37400 से 67000 ग्रेड पे 8900 पुनरीक्षित वेतनमान लेवल 13 ए में प्रमोशन दी गई है। प्रमोशन पाने वालों में अपर सचिव जल संसाधन विभाग संजय कुमार, अपर सचिव जय किशोर प्रसाद स्वास्थ्य विभाग, डीडीसी गढ़वा राजेश कुमार राय, अपर सचिव भवन निर्माण विभाग विधान चंद्र चौधरी, अपर सचिव पेयजल स्वच्छता विभाग राजीव रंजन कुमार, नगर आयुक्त हजारीबाग नगर निगम शैलेंद्र कुमार लाल, परियोजना निदेशक समेकित जनजाति विकास अभिकरण रांची सुधीर बाड़ा, अपर सचिव वन विभाग राजदीप संजय लाल जॉन, एडीएम कोडरमा अनिल कुमार तिर्की।

राज्य सरकार आदिवासी छात्रों को संथाली भाषा में कराएगी यूपीएससी की तैयारी

- यूपीएससी की प्रतियोगी परीक्षा के लिए विशेष कोचिंग
- 30 छात्र-छात्राओं का अब तक हो चुका है नामांकन

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने संथाली भाषा कोचिंग के जरिए यूपीएससी और उसके समकक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त में तैयारी कराने का फैसला लिया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राएं डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान की वेबसाइट से या दूरभाष से और ज्यादा जानकारी ले सकते हैं।

डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान की ओर से गैर आवासीय संताली भाषा कोचिंग का शुभारंभ होने जा रहा है। संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा से जुड़ा यह विशेष कोचिंग कार्यक्रम लगभग चार महीने का है। इसमें अब तक 30 छात्र-छात्राओं का नामांकन भी हो चुका है।

इस कार्यक्रम का मकसद है अनुसूचित जनजाति संवर्ग के छात्रों को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल संताली भाषा में यूपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलवाना। संताली भाषा के पाठ्यक्रम की खासियतों के कारण अन्य भाषा के पाठ्यक्रमों की प्रतियोगियों के लिए ज्यादा अंक हासिल होने की संभावना है।

ज्वेलरी शॉप से 1 करोड़ की लूट

ग्राहक बनकर पहुंचे 5 लोग, ज्वेलरी देखने लगे, थोड़ी देर बाद सभी ने निकाल ली पिस्टल

बेगूसराय । रत्न मंदिर ज्वेलर्स में 21 दिसंबर को 1 करोड़ की लूट हुई थी। इस लूट का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। 2 मिनट 42 सेकंड के वीडियो में लूट की पूरी वारदात कैद हुई है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि 5 लोग शॉप के अंदर ग्रहक बनकर घुसते हैं। 4 काउंटर पर बैठकर ज्वेलरी देखने लगते हैं। पांचवां गेट के पास बैठ जाता है। थोड़ी ही देर में एक अपराधी पिस्टल निकालता है। उसका सिग्नल मिलते ही बाकी अलर्ट हो जाते हैं और वो भी अपनी-अपनी पिस्टल निकाल लेते हैं। इसके बाद दुकान के अंदर सभी को गन पॉइंट पर लेकर लूट करते हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे शॉप खुलते ही दो लुटेरे कस्टमर बनकर आए। स्टाफ से ज्वेलरी दिखाने के लिए कहा। इसी दौरान दो लुटेरे और घुस गए। चारों ने मिलकर लूटपाट शुरू कर दी। इसी दौरान एक स्टाफ ने अलार्म बजा दिया। अलार्म बजाते ही लोगों की भीड़ जुटने लगी। बदमाश बैग लेकर भागने लगे तो पकड़ने की कोशिश करने पर दुकान के कर्मचारी उलाव निवासी मनीष कुमार को पेट में गोली मार दी। इस दौरान दो राउंड और फायरिंग की गई। फिर दो बाइक पर दो-दो बदमाश बैठकर भागने लगे। भीड़ को डराने के लिए पिस्टल भी तान दी और भाग निकले।मौके पर से लुटेरे का एक बैग भी छूट गया है। 21 दिसंबर को नगर थाना क्षेत्र के जीडी कॉलेज स्थित रत्न मंदिर ज्वेलर्स में अपराधियों ने हथियार के बल पर एक करोड़ के आभूषण लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान अपराधियों ने लूट का विरोध करने पर एक स्टाफ को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक पर पिस्टल लहराते हुए भाग निकले थे। दिनदहाड़े लूट की वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में एसपी योगेंद्र कुमार ने लूट में शामिल सभी अपराधियों की सोशल मीडिया पर तस्वीर जारी कर सूचना देने वाले को 50 हजार रुपए का इनाम देने की भी बात कही है।

बच्ची समेत महिला को घर से निकाला

पटना । पटना में एक महिला को बेटी को जन्म देना महंगा पड़ गया। बेटी होने के बाद ससुराल वाले नाराज हो गए। महिला को प्रताड़ित करने लगे। शादी के दो साल बाद दहेज में बाइक की मांग करने लगे। महिला ने जब गरीबी का हवाला दिया तो ससुराल वालों ने छह माह की बच्ची समेत महिला को मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला ने अपने घर वालों को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंच कर महिला के पिता ने डायल 112 पर जानकारी दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उस समय महिला को उसके पिता के साथ भेज दिया। जिसके बाद महिला ने अपने पति, सास, ससुर और देवर के उपर दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने और मारपीट कर जान लेने की कोशिश करने का मामला दर्ज कराया है। पटना के परसा बाजार की रहने वाली जुली देवी से ससुराल वालों शादी के 2 साल बाद अपने घर से दहेज में बाइक मंगाने की बात करने लगे। जुली को आए दिन इस तरह की प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी। जिससे तंग आ कर जुली ने महिला थाना में मामला दर्ज कराया है।जुली ने अपने आवेदन में लिखा है कि मेरे पिता नारायण साह ने 11 दिसंबर 2021 को मेरी शादी हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार शशि कुमार पिता राम बाबू साव के साथ प्रकास कमीटी हॉल कुरचौल में कराया। शादी के बाद मैं अपने ससुराल में पति, सास, ससुर और देवर के साथ रहने लगी। मेरे पति वीडियोग्राफी का काम करते हैं।इसी साल 23 मार्च को मेरी बेटी हुई। जिसका नाम मैने जूसी रखा। इसके बाद मेरी सास मुझे मानसिक रूप से परेशान करने लगी। बेटी होने के गम में मेरी सास रीमा देवी पति शशि कुमार ससुर रामबाबु साव और देवर सन्नी कुमार ने मुझे खुद भद्दी भद्दी गाली दी। मारपीट करने लगे। बेटी होने के बाद मेरे ससुराल वाले कहने लगे कुल नाशिनी है। बेटी पैदा कर दी। पति बात बात पर झगड़ा करने लगे।

ललन सिंह की इस्तीफे की चर्चा

पटना । जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के इस्तीफा की चर्चा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो ललन सिंह ने अपना इस्तीफा सीएम नीतीश कुमार को भेज दिया है। 29 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लग सकती है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जेडीयू के कोई भी नेता इस पर औपचारिक रूप से कुछ भी बोल रहा है। दैनिक भास्कर ने पार्टी के पदाधिकारी से लेकर मंत्री तक को संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फिलहाल इस्तीफे पर किसी ने कुछ नहीं कहा। 21 जुलाई 2021 में इन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गए थे। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है। ललन सिंह अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। 29 दिसंबर को कार्यकारिणी की बैठक में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुना जाना है।6 अगस्त 2022 जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने पार्टी छोड़ी थी। फिर जेडीयू के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश का साथ छोड़कर अलग पार्टी बना ली थी, जबकि आरसीपी सिंह बीजेपी में शामिल हो गए थे।दिल्ली में कठ.ऊकअ गठबंधन की बैठक 19 दिसंबर को थी। बैठक के बाद से ही ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने की चर्चा तेज हो गई थी। बैठक के अगले दिन नीतीश कुमार सिंह लौट आए थे, लेकिन ललन सिंह दूसरे दिन आए। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी दूसरे दिन ही आए थे। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार और ललन सिंह में सबकुछ ठीक नहीं होने की खबरें बाहर आने लगीं।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बीच शनिवार देर शाम को मुलाकात हुई थी। ललन सिंह खुद सीएम से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान वित्त मंत्री विजय चौधरी भी साथ मौजूद थे।

भकपा माले ने एक दिवसीय दिया धरना

कैमूर । कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के हाटा गांव में साग खोटने के लिए गई सुंदरी कुमारी की खेत मालिक द्वारा पीट कर और उसी के चुन्नी से गला घोटकर हत्या कर दिए जाने के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर माले कार्यकर्ता आज एक दिवसीय धरना पर जिला मुख्यालय भभुआ में बैठे हुए हैं। उनकी मांग है की घटना के बाद हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं। जिले के बैठे आला अधिकारी इस पर कोई काम नहीं कर रहे हैं। अगर इनके ऊपर कारवाई नहीं किया गया तो चरणबद्ध तरीके से हम लोग आंदोलन करेंगे। पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, खेती के लिए 5 एकड़ जमीन और रहने के लिए 10 डिसमिल जमीन मिलना चाहिए।सरकार कहने को तो महागठबंधन की है लेकिन सामंतवादी विचारधारा वाली है। मांग पूरी नहीं हुआ तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। वहीं आगे थाने का घेराव भी किया जाएगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला मंत्री रंगलाल पासवान ने जानकारी देते हुए बताया हाटा में सुंदरी कुमारी साग खोटने के लिए गई हुई थी। इसी को लेकर खेत मालिक द्वारा उसको डंडा से मारा गया फिर उसे उसी के चुन्नी से उसका गला घोट कर हत्या कर दी गई। घटना के बावजूद थाना प्रभारी कोई एक्शन नहीं ले रहा है, अभी हत्यारा खुलेआम घूम रहा है। दलितों के साथ अत्याचार हो रहा।

पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के संपर्क में था जमुई का युवक

जमुई । जमुई के एक युवक का पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के संपर्क में था। इन संगठनों से उसके खाते में ट्रांजेक्शन के सबूत भी मिले हैं। रविवार को पुलिस ने राजीव कुमार सिंह को सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। सोमवार को पुलिस ने इस पूरे मामले का खुलासा किया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में जमुई से ये चौथी गिरफ्तारी है। पकड़े गए युवक की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मंगरार गांव के राजीव कुमार सिंह के रूप मे हुई है। उसके खिलाफ लक्ष्मीपुर थाने में और जिले के कई थानों पहले से ही मामले दर्ज हैं। यहां तक की बेगूसराय में भी साइबर अपराध के मामले में केस दर्ज हैं। इसके साथ ही राजीव पश्चिम बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र और हरियाणा में भी साइबर फ्रॉड के मामले में जुड़ा है। इन राज्यों की पुलिस ने भी राजीव की संलिप्तता की जांच शुरू कर दी है।र
विवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजीव कुमार सिंह अपने घर आया है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी करते हुए राजीव को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी के मोबाइल से पुलिस को पाकिस्तान की बैंकों की चेक बूक, पाकिस्तान के बैंकों के खातों से रुपयों की लेन-देन का रिकॉर्ड और उसका स्क्रीन शॉर्ट मिला है। गिरफ्तार अपराधी ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से रुपए की लेन-देन किया था। इसके अलावा बिहार सहित पश्चिम बंगाल,महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा के सैकड़ों लोगों के साथ भी साइबर फ्रॉड कर चुका है।

धूल फांक रहे हैं शव वाहन

पटना। जिले के पाटलिपुत्र लोकसभा के लोगों के लिए खरीदे गए नए-नए शव वाहन बीते कई महीनों से सीएस दफ्तर में धूल फांक रहे हैं। अभी तक इन शव वाहनों का संबंधित क्षेत्र में आवंटन नहीं हो पाया है। जबकि कोविड-19 के समय में ही आज से 2 वर्ष पहले इन वाहनों की खरीदारी के बारे में क्षेत्र के लोगों को जानकारी दी गई थी।
पाटलिपुत्र के सांसद रामकृपाल यादव के सांसद निधि से खरीदे गए इन वाहनों को पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में आवंटित करना था।जो शव वाहन पटना सिविल सर्जन के दफ्तर में धूल फांक रहे हैं। उन्हें विक्रम, दानापुर, मनेर, मसौढ़ी, पालीगंज, फुलवारीशरीफ विधानसभा में आवंटित करना था। लेकिन 2 वर्ष के बाद भी ये सभी 6 शव वाहन आवंटन का बाट जोह रहे हैं।कोरोना काल में आमलोगों की मदद के लिए खरीदे गए इन शव वाहनों से उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पाई। सांसद के अनुशंसा के बावजूद भी प्रशासन सही समय पर इन वाहनों को नहीं चलवा पाया
। बिहार के अधिकतर अस्पतालों में एंबुलेंस की सुविधा तो है। लेकिन बहुत कम ही ऐसे अस्पताल हैं, जिनमें शव वाहन हैं। सांसद रामकृपाल यादव की ओर से लोगों की बेबसी को देखते हुए 2021 में शानदार पहल की गई थी।

संक्षिप्त डायरी

चालक की गोली मारकर हत्या

मधुबनी । मधुबनी के फुलपरास थाना क्षेत्र के लोहिया घोघरडीहा रोड के पास अपराधियों ने एक युवक के ऊपर फायरिंग कर दी। जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले जा रहे थे इसी क्रम में युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान पहचान सिसवा बरही गांव निवासी मोहम्मद शकील के रूप में हुई है। घटना सोमवार शाम की है। मृतक के परिजन ने बताया कि वह देर शाम को घर से दवा लेने के लिए बाजार गया था। तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उस ऊपर गोली चला दिया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। तभी लोगो ने देखा कि वह जमीन पर गिरा था। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा उसे फुलपरास लाया जा रहा था। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के परिजन ने बताया कि कई वर्षो से जमीनी विवाद चल रहा था। परिजनों ने जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या की आशंका जताई है। मृतक युवक मोहम्मद शकील फुलपरास एसडीओ के वाहन चालक था। वही इस घटना की जानकारी फुलपरास थाना को दिया गया। जिसके बाद सूचना पाते ही पुलिस दल बल के साथ अस्पताल पहुंचकर मृतक युवक के शव को अपने कब्जे में लिया । और कागजी प्रकिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल के लिए भेज दिया। वही पुलिस पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बेटे ने बाप को पहुंचाया जेल

पूर्णिया । पूर्णिया में बेटे ने अपने ही पिता को जेल पहुंचा दिया। पिता को शराब पीने की बुरी लत थी। इसी लेकर बेटे की पिता से अक्सर कहासुनी होती रहती थी। नशे की हालत में वो अक्सर घर वालों से गाली गलौज और मारपीट किया करता था। जिससे तंग आकर बेटे को पिता की शिकायत की।जिसके बाद बेटे की गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शराब की बोतलों के साथ मो. कमरुद्दीन को अरेस्ट कर लिया।मामला पूर्णिया के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के लाइन बाजार शिव मंदिर के समीप की है।सहायक खजांची थाना अध्यक्ष शशि कुमार भगत ने बताया कि बेटे की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। छापेमारी में मो. कमरुद्दीन को शराब की बोतल के साथ अरेस्ट किया गया है।

वन विभाग ने अवैध लकड़ी लदे ट्रक को पकड़ा

लखीसराय । लखीसराय के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों में इन दोनों कीमती लकड़ियों को काटकर बेचने का काम धड़ले से किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में रोजाना रात के अंधेरे में दर्जनों टीपर पर अवैध लकड़ी की ढुलाई की जाती है। जिसे लेकर जिला पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार वन विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिया। जिसके बाद वन विभाग के द्वारा कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान सुबह कछुआ के पास पहाड़ी इलाके में छापेमारी की गई। इस छापेमारी में एक टीपर को अवैध रूप से लदे लकड़ी के साथ जब्त किया है। वही कई लकड़ी लदे वाहन मौके से फरार हो गए।स्थानीय लोगों ने बताया कि जिला पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार के द्वारा नक्सली प्रभावित इलाके मे विकास को लेकर काफी काफी कार्य किया जा रहे हैं। उनके रीजन में बालू खनन से लेकर वन क्षेत्र में हो रहे अवैध कटाई पर अंकुश लगाया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि बीते कुछ दिनों से कछुआ बरारे और लक्ष्मीनिया के जंगलों में पेड़ की अवैध कटाई की जा रही है। जिसकी सूचना जिला पदाधिकारी को दी गयी थी। जिला पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर वन के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए कहा गया था। जिसके बाद वन अधिकारियों ने यह कार्रवाई करते हुए एक लकड़ी लदा ट्रक जब्त किया है।

रेल पुलिस ने एक बदमाश को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर जंक्शन पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने एक शातिर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शख्स के पास से चोरी का एक मोबाइल और ब्लेड बरामद किया गया है।मुजफ्फरपुर जंक्शन पर 15231 अप बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफार्म संख्या 2 पर रुकी पुलिस जांच अभियान चला रही थी। पुलिस को एक युवक पर संदेह हुआ। पुलिस को देखकर उक्त युवक भागने लगा। जिसे पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा। युवक को थाना लाया गया। उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में उसके पास से तीन चोरी का मोबाइल बरामद हुआ। साथ ही उसके पास से एक ब्लेड भी बरामद किया गया। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान सीतामढ़ी जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के रामू मंडल के 22 वर्षीय पुत्र रघुनाथ कुमार के रूप में हुई है। रघुनाथ नंबर माह में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है।

इंडियन बैंक और कन्हैया साड़ी सेंटर में लगी आग

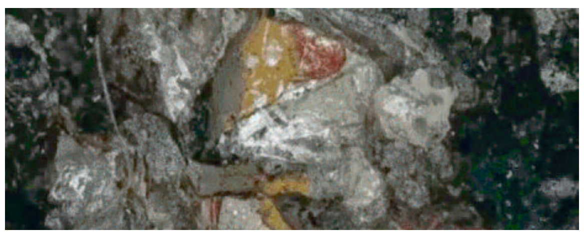

औरंगाबाद । औरंगाबाद में आग इंडियन बैंक और कन्हैया साड़ी सेंटर में अचानक आग लग गई। अगलगी की घटना सोमवार रात की है। अगलगी की सूचना पाकर इंडियन बैंक के अधिकारी और कन्हैया साड़ी सेंटर के मालिक अनील कुमार गुप्ता सहित मार्केट के अधिकांश व्यवसायी रात्रि में पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। सूचना के बाद रात्रि में दमकल की गाड़ियां आईं और काफी मशक्कत के बाद मंगलवार को सुबह तक आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के बाद कन्हैया साड़ी सेंटर में रखा पूरा सामान जल गया। कन्हैया साड़ी सेंटर के मालिक अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की सोमवार की रात दुकान में आग लगने की सूचना मिली। मौके पहुंचा तो देखा कि आग विकराल रूप ले चुका था। दुकान में रखे कपड़े धू धू कर जल रहा थे। इसके बाद अग्निशामक वाहन को सूचना दी। सूचना उपरांत अग्निशामक वाहन पहुंची। स्थानीय लोगों और अग्निशामक वाहन से सहयोग से मंगलवार को सुबह आग काबू पाया गया।

बीजेपी सांसद की बहन के घर बमबाजी

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर से बीजेपी के सांसद अजय निषाद की बहन के घर बमबाजी की गई है। मौके से सुतली बरामद की गई है। पुलिस मौके पर मामले की जांच में जुट गई है। मामला जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र का है।
सोमवार की देर शाम काजी मोहम्मदपुर थाना के पंखा टोली के एकलव्य पथ निवासी सियालाल सहनी के घर पर बमबाजी की गई है। घटना के वक्त उनकी पत्नी मंजू सहनी घर पर अकेली थीं। सोमवार की रात 9 बजे जब सियालाल सहनी घर पहुंचे, तब उनकी पत्नी ने मामले के संबंध में उनको जानकारी दी। इसके बाद वो आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी इकट्ठा की। इसके बाद सियालाल सहनी ने मंगलवार की सुबह पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना के बाद काजी मोहम्मदपुर थाना अध्यक्ष मनोज साह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके से सुतली बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।मंजू सहनी ने बताया कि सोमवार की शाम 7 बजे जोरदार धमाका हुआ। हम अंदर थे। आवाज सुनकर हम बाहर निकले। आसपास के लोग भी आवाज सुनकर बाहर निकले हुए थे। घर के दीवार पर बमबाजी निशान हैं। रात में मेरे पति आए, तब उनको घटना के संबंध में जानकारी दी। रात होने के कारण हम लोग सो गए। सुबह पुलिस को जानकारी दी है। इसके बाद पुलिस आकर जांच कर रही है। मैं हाजीपुर जिले के एसएनएस कॉलेज में शिक्षक हूं। सांसद अजय निषाद मेरे छोटे भाई हैं। पूरे मामले पर काजी मोहम्मदपुर थाना के दरोगा रामदीप कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि बमबाजी हुई है। सूचना के आलोक पर हम लोग मौके पर आए हैं। यह से सुतली मिली है। आस पास के सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

गुरूद्वारा श्री दशमेश पातशाह दरबार साहिब जी के "सालाना दीवान" के मौके पर भाजपा नेता द्वारा कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

अमरोहा। अमरोहा के ग्राम महमदी (अफजलपुर लूट) में गुरूद्वारा श्री दशमेश पातशाह दरबार साहिब जी के *"सालाना दीवान"*के मौके पर भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी जी के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया है।जिसमे गुरु का अटूट लंगर बरसा। इस अवसर पर निशान साहिब जी की सेवा, अखंड पाठ भोग, कीर्तन, आंनद साहिब जी का पाठ किया गया । अमरोहा लोकसभा क्षेत्र से आएं सम्मानित लोगों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। इस मौके पर डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी ने कहा कि सिख गुरुओं का एक गौरवशाली इतिहास है। गुरु नानक देव जी से लेकर के गुरु गोविंद सिंह जी महराज तक भक्ति व शक्ति का एक अद्भुत समन्वय जो प्रत्येक भारतीय के मन में न केवल धर्म और संस्कृति के संरक्षण के प्रति बल्कि प्रत्येक भारतीय को अपने मातृभूमि के प्रति भी उतना ही आग्रही बनाता है। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस काल खंड में जब ये देश औरंगजेब के अत्याचार से कराह रहा था, जबरन धर्मांतरण हो रहे थे, जबरन सनातन धर्म को नष्ट करने के लिए उसके क्रूर अत्याचार चरम पर थे। केवल कश्मीर ही नहीं पूरा हिंदुस्तान कांप रहा था। तब भी

औरंगजेब की बर्बरता के खिलाफ सिक्खों ने मजबूती के साथ आवाज उठाई थी । सिख गुरु जहां भी गए, शक्ति और विश्वास का प्रकाश फैलाया। उनका जीवन और शिक्षाएं पीढ़ियों को राष्ट्र, धर्म और मानवता के लिए निस्वार्थ रूप से समर्पित रहने के लिए प्रेरित करती हैं। मध्यकाल में जब विधर्मियों के आतंक से देश, धर्म और मानवता के साथ हमारी बहन बेटियों की इज्जत खतरे में थी। स्वयं के अस्तित्व के लिए मानवता गुहार लगा रही थी, उस कालखंड में मानवता के कल्याण के लिए जो प्रकाश पुंज प्रकट हुआ, जिन्होंने मानवता कल्याण के लिए अपने उपदेशों और जनजागरण के माध्यम से एक बड़े अभियान को अपने हाथों में लिया, उन प्रकाश पुंज को हम गुरु नानक देव के नाम से जानते हैं।इस मौके पर मुख्य रूप से विशेष गुप्ता जी (राज्यमंत्री,उ.प्र.सरकार), स. सेवा सिंह,गुरेन्द्र सिंह(ब्लॉक प्रमुख, अमरोहा), अतुल चौधरी, राजीव चौहान,कृष्ण जाटव,अनुज औलख, धीरज खुराना, गौरव अग्रवाल, प्रत्यक्ष शर्मा, कुसुम अग्रवाल, दिवेश तंवर,डॉ धीरेंद्र सिंह, काविन्दर सिंह,सुबोध सिंघल, जसवंत सिंह,अमन सिंह,सोनू चाहल, गुरुवचन सिंह,हेम सिंह आर्य, राजाराम पाल,महेंद्र प्रजापति, गुरुवचन सिद्ध,मनमोहन सेन,डॉ समरपाल सिंह,अंकुश पाल,तेजवीर अलूना,राजेंद्र सिंह खालसा,खचेड़ू सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

नगर के सभी वार्डो का कराया जा रहा विकासः राकेश कुमार जायसवाल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका कुशीनगर के सभी वार्डों में पेयजल, जलनिकास, नाली, सड़क, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का विकास कराए जाने के साथ शिक्षा व रोजगार परक योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उक्त बातें नगर के वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैधनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) में मंगलवार की सुबह वार्डों के नियमित भ्रमण के क्रम में पहुंचे नापप अध्यक्ष प्रतिनिधि व समाजसेवी राकेश कुमार जायसवाल ने वार्ड वासियों से वार्ता करते हुए कही। श्री जायसवाल ने वार्ड वासियों से वार्ड की समस्याओं को जाना और उनके समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने श्री राधा कृष्ण मठ परिसर में रामलीला मैदान में हो रहे नव निर्माण कार्य को देखा तथा सिसवा - महन्थ में बनने वाले ऑडिटोरियम व सर्किट हाउस पर चर्चा की। वार्ड वासियों ने यहां की खाली पड़ी सरकारी भूमि पर दुकानों के निर्माण की मांग की ताकि छोटे छोटे व्यवसाय शुरू होने से लोगों को रोजगार मिलेगा। श्री जायसवाल ने लोगों को हर तरह के विकास का भरोशा दिया। इस अवसर पर व्यवसायी पवन अग्रवाल, किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड, महेश सिंह, त्रिलोकीनाथ सिंह, अमित सिंह, अजय सिंह, संतोष सिंह, छोटे सिंह, लारा सिंह, गुड्डू जयराम सिंह, अनिल सिंह, शाकिर अंसारी, दिलीप गोंड, बलिकरन यादव आदि मौजूद रहे।

संजीव द्विवेदी, डॉ0 त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व डॉ0 सत्यप्रकाश बने निक्षय मित्र

संवाददाता

कुशीनगर। टीबी मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रही सामाजिक संस्था नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान से जुड़कर टीबी उन्मूलन हेतु मरीजों को पोषण सामग्री भेंट कर सोना एसोसिएट कसया के संजीव द्विवेदी, बीपीजी इतिहास विभाग के डॉ0 त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ0 सत्यप्रकाश निक्षय मित्र बने। संस्था संस्था अध्यक्ष प्रो0 सीमा त्रिपाठी, उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र, संयुक्त सचिव सीए अंजनी नंदन सिंह, सीएमओ डा0 सुरेश पटारिया, जिला क्षयरोग अधिकारी डा0 एसएन त्रिपाठी, सीएचसी कसया के अधीक्षक डा0 मार्कण्डेय चतुर्वेदी, वरिष्ठ क्षय रोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक आशुतोष मिश्र, एसटीएस शाहिद अंसारी, राकेश पांडेय, प्रकाम्य चतुर्वेदी, डॉ0 पवनेश मणि, संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने सहयोग की सराहना करते हुए विशिष्ट जनों से क्षय रोगियों को गोद लेने की अपील की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य बंचितो को लाभ दिलानाःमनीष जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि देश में कोई भी व्यक्ति गरीब ना रहे और सबको बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए। उक्त बातें सदर विधायक मनीष जायसवाल ने पडरौना विकास खण्ड के सेमरा हर्दो में विकसित भारत संकल्प यात्रा के चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि कही। कहा कि मोदी की गारंटी रथयात्रा का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और योजनाओं से वंचितों को योजनाओं से आच्छादित करना है। विशिष्ट अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक लक्ष्य हाथ में लिया है। जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, बीडीयो सुशील अग्रहरि, किसान मोर्चा जिलामंत्री मोहन प्रसाद खरवार, मण्डल अध्यक्ष बिपिन बिहारी मिश्र ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, नोडल बीडीयो सुरेन्द्र बहादुर सिंह, रमेश मिश्र, प्रदीप पाण्डेय, विजय कुमार सोनी, मुन्नी सिंह, जावेद अहमद, भगवन्त प्रसाद, अनवर हुसैन, विशाल शर्मा, संजय श्रीवास्तवउपस्थित थे।

स्व. श्रीनिवास राय तृतीय पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किए गए

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विकासखंड फाजिलनगर के धनहां निवासी स्वर्गीय श्रीनिवास राय के तृतीय पुण्यतिथि पर उनके परिजनों व समाज के सुधिजनों ने उन्हें शिद्दत से याद किया और उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय ऊर्फ इंदु बाबा ने कहा कि स्वर्गीय राय इस अंचल के एक सामाजिक प्रतिष्ठित व्यक्ति तो थे ही, साथ ही बड़े ही मिलनसार थे। स्व. राय सदैव लोगों की मदद में तत्पर रहते थे। उनके परिवारिजन उनके पदचिन्हों पर चलकर उनकी स्मृतियों को जीवंत कर रहे हैं। इस दौरान स्वर्गीय राय के पुत्र व धनहा ग्राम सभा के पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रमेश राय जवाहर राय, आनंद राजराय, अरुण राय ग्राम प्रधान बबलू राय, प्रेम राय समाजसेवी रविंद्र राय, हरिशंकर राय, नित्यानंद मिश्र, बीरेंद्र राय, जितेंद्र राय, देवेंद्र राय, सांभा गुप्त, लक्ष्मी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

क्रिसमस पर रोटरी क्लब ने मलिन बस्ती में बांटा ठंड से बचाव की सामग्री

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। क्रिसमस पर अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मलिन बस्ती में ठंड से बचाव संबंधित सामग्री को वितरित किया गया। नेशनल हाईवे 28, कसया स्थित मलिन बस्ती में बुजुर्गों, बच्चों एवं महिलाओं के मध्य कंबल, स्वेटर, ऊलेन टोपी, कॉपी, पेन, चिप्स, चॉकलेट इत्यादि का वितरण किया गया। मौके पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि रोटरी द्वारा प्रत्येक धार्मिक और राष्ट्रीय पर्व पर समाज के जरूरतमन्दों के बीच पहुँचकर उनके सहयोग का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष संदीप रौनियार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक अमित श्रीवास्तव, निदेशक अंकुर तुलस्यान, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, अरूण कुमार वर्मा, राजीव तिवारी, आदिल खान उपस्थित रहे।

थाई चिकित्सकों ने जरूरतमंदों में वितरित किये कम्बल

संवाददाता

कुशीनगर। थाईलैंड से आये थाई चिकित्सकों के दल ने कसया तहसील क्षेत्र के कुण्डवा उर्फ दिलीपनगर के विभिन्न टोलों पर जाकर ठण्ड से बचाव को लेकर 100 असहाय व कमजोर, बीमार महिला, वृद्ध, बच्चों में कम्बल बितरित किया। दो दिन पूर्व बुद्ध स्थली कुशीनगर पहुंचे थाई चिकित्सकों के दल ने मंगलवार की सुबह मुख्य महापरिनिर्वाण मन्दिर में भगवान बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढाया तथा रामा भार स्तूप पहुंच कर पूजन कर स्तूप की परिक्रमा की। इसके बाद थाई मोनेस्ट्री के मुख्य भन्ते अचान सोम पोंग, भन्ते पी सों क्रांन, भन्ते पी पविन, भन्ते किती फान, फ्रा अनुवत की देखरेख में थाई चिकित्सकों की टीम ने कुण्डवा उर्फ दिलीपनगर के माफी टोला, धनी पट्टी सहित कई टोलों पर जाकर लोगों में कम्बल बितरित किया। यह दल 14 जनवरी तक कुशीनगर में प्रवास करेगा और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेगा। इस दौरान ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक गोंड, सूरज यादव, गौतम शर्मा सहयोग में रहे।

क्रिसमस पर बाल उमंग का पहला अंक हुआ ऑनलाइन उपलब्ध

संवाददाता

बाल उमंग के सभी पाठकों के लिए खुशखबरी , अब वे बाल उमंग के पुराने अंक को स्त्राि रूप में ऑनलाइन भी पढ़ सकेंगे और पत्रिका से जुड़ कर उसका आनंद ले सकेंगे । ज्ञात हो कि बाल उमंग पत्रिका बच्चों की अर्द्धवार्षिक पत्रिका है । जिसका प्रथम अंक जून 2023 में प्रकाशित हुआ था । द्वितीय अंक दिसंबर 2023 के आगमन के साथ ही इसके प्रथम अंक को पाठकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है । जिससे हमारे वो सभी पाठक / लेखक जिन्हें इसका प्रथम अंक नहीं मिल पाया वो ऑनलाइन इसको पढ़ सकें । ज्ञात हो बेसिक शिक्षा विभाग के 35 शिक्षक साथियों ने अपने साझा प्रयास और समर्पण से बच्चों के लिए एक अर्द्धवार्षिक बाल पत्रिका "बाल उमंग" का प्रकाशन आरंभ किया है। जिसका शीर्षक "बाल उमंग" द्वारा अनुमोदित है। "बाल उमंग" का एक भाग बच्चों की अभिव्यक्तियों के लिए सुरक्षित है जहां उन्होंने विभिन्न स्तंभों के अंतर्गत अपनी अभिव्यक्तियाँ दी हैं । इसके अतिरिक्त बाल साहित्यकारों और शिक्षकों की बालोपयोगी अभिव्यक्तियाँ , विभिन्न प्रतियोगिताएं , रोचक जानकारी , मनोरंजक और ज्ञानवर्धक खेल और अन्य सामग्रियों को स्थान दिया गया है। यह पत्रिका बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए समर्पित है । जिसका उद्देश्य बच्चों में अभिव्यक्ति एवं रचनात्मक कौशल , हिन्दी भाषा के प्रति अनुराग और पढ़ने लिखने की संस्कृति का विकास करना है । हमे पूरा विश्वास है कि "बाल उमंग" हमारे नौनिहालों को लिखने , पढ़ने , गढ़ने की सच्ची दिशा, साहित्य के प्रति रुचि और निपुण भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगी । हम आशा करते हैं कि बच्चों को अपनी पत्रिका "बाल उमंग" ऑनलाइन पाकर बहुत प्रसन्नता हुई होगी ।

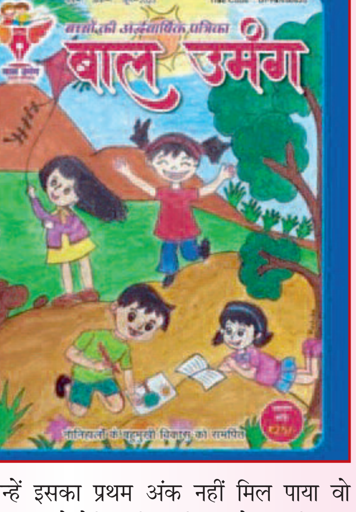

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण महाकुंभ में राष्ट्रीय रत्न सम्मान से सम्मानित हुई डॉ. जयश्री सिन्हा

संवाददाता

अयोध्या। पद्मश्री विजयराज शाह ने गाजियाबाद इंदिरापुरम निवासी डॉ जयश्री सिन्हा को सम्मानित किया। निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन बेतियां बिहार की ओर से अयोध्या में सोमवार 25 दिसंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण महाकुंभ में समाजसेविका एवम पर्यावरण संरक्षण को आमन्त्रित किया गया और अपने अभियान में निरंतर लगे रहने पर प्रयास एक आशा की प्रमुख समाजसेविका को पद्मश्री विजयराज शाह और निरोजा इंडिया परिवार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अंग वस्त्र सम्मानपत्र और राष्ट्रीय रत्न सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया। डॉ जयश्री सिन्हा ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पेड़ लगाना तो जरूरी है पर हर कोई सिर्फ पेड़ लगाए यही जरूरी नही है। लोग लगाए हुए पेड़ की देखभाल करें। पालीथीन के बढ़ते इस्तेमाल पर रोक लगाएं। हम सब जागरूक हों। जल संकट की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। जल व्यर्थ न जाने दें। लोग कम से कम वाहन का प्रयोग करें। डॉ सिन्हा ने कहा कि वो जरूरतमंद की सेवा और सहायता आजीवन करती रहेंगी। उन्होंने निःशुल्क शिक्षा अभियान निरंतर जारी रखा है जिससे बहुत बच्चे लाभांवित हो रहे हैं। इस अवसर पर देश विदेश के समाज सेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अयोध्या के तुलसी उद्यान में पौधारोपण भी किया गया।

विम्स में नये साल से एन्टी-रेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) एवं एडवांस डॉयलेसिस सुविधाऐं हो जायेंगी शुरू : डॉ. राजीव त्यागी

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा समूह के विम्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल में विगत एक माह में हुई एक दर्जन से अधिक सफल ह्यह्यएडवांस स्पोर्ट्स सर्जरीह्यह्य को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने पूरी ऑर्थोपेडिक्स टीम को अपने यहाँ सफल एडवांस स्पोर्ट्स सर्जरी शुरू करने पर बधाई देते हुए विम्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय सेवाओं के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की बात कही। श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आर्थो विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विख्यात आर्थोपेडिक्स सर्जन डॉ. नजमुल हुदा एवं उनके सहयोगी डॉ. शाहिद मीर ने बताया कि घुटनों एवं कूल्हों के सफल प्रत्यारोपण के बाद पिछले नवम्बर माह से विम्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल में अब ह्यह्यएडवांस स्पोर्ट्स सर्जरीह्यह्य शुरू हो गई है। हमारे यहाँ पिछले एक माह में ही एक दर्जन से अधिक सफल एडवांस सर्जरी की गयी है।

अब ह्यह्यस्पोर्ट्स इंजरीह्यह्य के मरीजों को महंगे इलाज के लिए दिल्ली, गुरूग्राम एवं मुम्बई जाने की आवश्यकता नहीं है। विम्स के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आई.बी. राजू ने बताया कि विम्स हॉस्पीटल में सभी प्रकार के ऑपरेशन, एडवांस सर्जरी एवं केन्सर उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए बिल्कुल मुफ्त है। जनवरी माह से एन्टी-रेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) एवं एडवांस डायलिसिस सुविधाऐं भी शुरू हो जायेगी। इस अवसर पर प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, कुलपति डॉ. राकेश कुमार यादव, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, हॉस्पीटल सी.ई.ओ. डॉ. एस.पी. सिंह, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डॉ. शाहिद मीर, डॉ. अल्ताफ, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित थे।

सीएम योगी ने मनाया वीर बाल दिवस

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सीएम आवास पर विशेष संकीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया। योगी ने गुरु ग्रंथ साहिब को सिर-माथे पर धारण कर उन्हे मुख्यमंत्री आवास में आसीन कराया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिख गुरुओं के बलिदान को याद दिलाता है। गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते-हंसते प्राणों की आहुति दे दी। यह इतिहास युवा पीढ़ी तक पहुंचानी होगी, ताकि वे अपने बलिदानियों की गौरवगाथा के बारे में जानें। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल और जनपद स्तर पर वीर बालकों का सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही, प्रदेश में सिख गुरुओं से संबंधित सभी स्थलों को चिह्नित करते हुए उनके विकास के लिए कार्य किये जाएंगे। सीएम योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने चार-चार बेटे देश और धर्म की रक्षा करते हुए बलिदान कर दिए। जब गुरु गोविंद सिंह जी से पूछा गया कि आपके चार पुत्र शहीद हुए, उस समय उनके मुख से यही निकला था कि चार हुए तो क्या हुआ, जीवित हुए हजार। ऐसे कार्यक्रम उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर हैं। उसी क्रम में मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सिख गुरुओं को नमन करने का आज अवसर है। सीएम योगी ने कहा कि मां गुजरी के सानिध्य में जो संस्कार साहिबजादों को मिले उसी का परिणाम है कि वे अधर्म के सामने नहीं झुके। धर्म और देश के लिए लड़ते-लड़ते अपने प्राणों की आहूति दी। हर युवा और बच्चे को आज का दिन नई प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के सिखों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी ने 2020 से लगातार इस बात को उठाया कि भारत के इतिहास में सर्वोच्च बलिदान देने वाले साहिबजादों को आखिर क्यों विस्मृत कर दिया गया। जिन साहिबजादों के बलिदान दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाना चाहिए, उसकी जगह किसी और घटना को बाल दिवस से जोड़ दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का बलिदान व्यक्तिगत या परिवार के लिए नहीं था, बल्कि उनका बलिदान देश और धर्म के लिए था। गुरु नानक भक्ति में रमे हुए एक संत थे। भक्ति का जागरण करते थे, निर्भीकता उनका गुण था। बाबर को चुनौती देने का कार्य उन्होंने उस कालखंड में किया था। सिख गुरुओं ने कभी चैन से बैठकर अपने स्वयं के लिए नहीं सोचा। देश के अलग अलग क्षेत्रों में गुरुओं द्वारा कई परंपराएं शुरू की गईं।

12 लाख के जेवर के लिए बड़े भाई की हत्याः छोटे भाई ने खून से सने हाथ धोए

कानपुर । एक युवक ने अपने बड़े भाई की हत्या कर दी। फिर 12 लाख रुपए के जेवरात लेकर भाग गया। 20 दिन पहले मां का देहांत होने के बाद दोनों भाइयों के बीच जेवरात के बंटवारे का झगड़ा चल रहा था। सोमवार देर शाम छोटे भाई ने अलमारी से जेवर निकाले और बैग में भरकर भागने लगा। इस दौरान पहले भाभी और पिता से धक्का-मुक्की हुई। जब बड़े भाई ने रास्ता रोका, तो पहले कहासुनी हुई। इसके बाद छोटे भाई ने बड़े भाई पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने घर के अंदर ही खून से सने हाथ और चाकू को धोया। फिर लाश के पास फैले खून को भी धोया। बॉडी पर लगे खून को भी कपड़े से साफ किया। इसके बाद वह घर से बाहर निकला और चिल्ला-चिल्लाकर कहने लगा कि मैंने अपने भाई की हत्या कर दी है। फिर वहां से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच कराई। वहीं, आरोपी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है।घटना कानपुर के रावतपुर में हुई है। मसवानपुर के मथुरानर स्थित जयहिंद स्कूल के करीब रहने वाले सुरेश वर्मा फील्ड गन फैक्ट्री के सामने पंचर की दुकान चलाते थे। उनका बड़ा बेटा केतन वर्मा (29) लाटूश रोड स्थित एक्सिस बैंक में गार्ड था, जबकि छोटा बेटा चेतन वर्मा फील्ड गन फैक्ट्री में संविदा कर्मी है। सुरेश ने बताया कि 6 दिसंबर को उनकी पत्नी मीना देवी की बीमारी के चलते मौत हो गई। मरने से पहले मीना ने उनकी जानकारी में बड़े बेटे केतन की पत्नी निशा वर्मा को अपने करीब 12 लाख के जेवर सौंप दिए थे। छोटा बेटा चेतन शराब पीने का लती था। सुरेश ने बताया कि पत्नी की तेरहवीं के दिन से ही चेतन ने जेवरों को लेकर घर में विवाद शुरू कर दिया था। सोमवार को चेतन ने केतन की पत्नी निशा से जेवर मांगे। जेवर न देने पर शाम 7 बजे मौका पाकर उसने अलमारी से जेवर निकाले और बैग में भरकर भागने लगा। जब मैंने और बहू निशा ने उसे रोका तो उसने हम दोनों लोगों के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। इस बीच केतन आ गया। उसने चेतन को डांट कर रोक दिया, तो वह आग बबूला हो गया। सुरेश ने बताया कि चेतन ने केतन को पहले धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसका सिर घर में लगे सबमर्सिबल के पाइप से टकरा गया। इसके बाद चेतन किचन से चाकू ले आया और केतन पर हमला कर दिया। हम लोग जब तक उसे रोकते, तब तक उसने केतन के सीने और हाथ में ताबड़तोड़ वार किए। इसके बाद केतन को निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया।

फिर हिंदी पर निशाना

भारतीय संविधान सभी से यह सविनय आशा करता है कि कोई भी किसी व्यक्ति या समुदाय को अनावश्यक ठेस नहीं पहुंचाएगा। इसके बावजूद यह संवेदनाओं का अकाल ही है कि तमिलनाडु के दिग्गज नेता व सांसद दयानिधि मारन ने बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को एकमुश्त नीचा दिखाने की कोशिश की है। ठेस पहुंचाने की यह राजनीति बहुत निंदनीय और शर्मनाक है। क्या यह कहना किसी अपशब्द से कम है कि हिंदी बोलने वाले तमिलनाडु में शौचालय साफ करते हैं? यह बिहार, उत्तर प्रदेश का ही नहीं, हिंदी बोलने वाले तमाम लोगों का अपमान है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने द्रमुक नेता मारन की तत्काल आलोचना करके बिल्कुल सही किया है। यह एक तरह से दोहरा अपमान है। यह हिंदी ही नहीं, उत्तर भारत का भी अपमान है। खुद तमिलनाडु में मारन जैसे नेताओं को न तो हिंदी की ताकत का अंदाजा है और न उत्तर भारतीयों की ताकत का। दक्षिण के इन चंद संकीर्ण व नासमझ नेताओं को तो उत्तर भारतीयों का शुक्रगुजार होना चाहिए और सोचना चाहिए कि क्या उनका काम उत्तर भारतीयों के बिना चल सकता है?

तमिलनाडु में लगभग डेढ़ करोड़ उत्तर भारतीय रहते हैं, इनमें से ज्यादातर व्यवसाय क्षेत्र में सक्रिय हैं। यही नहीं, वहां की सरकार में भी उच्च व मंझोले स्तर के अधिकारियों की संख्या में काफी उत्तर भारतीय हैं, इसके बावजूद केंद्रीय मंत्री तक रह चुके मारन की टिप्पणी अगर उत्तर भारत में नाराजगी का कारण बन रही है, तो गलत नहीं है। तमिलनाडु में अकेले बिहार से ही 25 से ज्यादा आईएएस और आईपीएस अधिकारी सेवाएं दे रहे हैं। द्रमुक के ही एक अन्य सांसद ने संसद में उत्तर भारतीयों का निशाना बनाया था। उसके पहले द्रमुक नेता उदयनिधि ने भी उत्तर भारतीयों के बारे में गलत टिप्पणी की थी। ठेस पहुंचाने की इस कुत्सित राजनीति में क्षेत्रवाद, भाषा द्वेष के साथ ही संप्रदाय आधारित घृणा भी काम कर रही है। मारन की टिप्पणी अगर पुरानी है, तब भी उन्हें अपने बयान से पीछे हटना चाहिए। विवाद व विरोध उठने के बाद भी मारन की खामोशी चिंता में डाल देती है। तमिलनाडु के नेताओं को अपने सामाजिक-आर्थिक विकास और समझदारी का परिचय देते हुए उत्तर प्रदेश व बिहार की अर्थव्यवस्था को समझना चाहिए। इन दोनों राज्यों का सम्मिलित सकल घरेलू उत्पाद 33 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है, जबकि तमिलनाडु का 28 लाख करोड़ रुपये के करीब है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी तमिलनाडु की गति से ही विकास हो रहा है। बेशक, अक्सर निशाना बनने वाले उत्तर के दोनों राज्यों के नेताओं को सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रदेश के लोगों को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े। आज यह बड़ा सवाल है कि तमिलनाडु के कुछ नेता उत्तर भारतीयों को क्यों निशाना बना रहे हैं? पहली बात, दक्षिण की कोई पार्टी उत्तर भारत में सक्रिय नहीं है, अतः उत्तर भारतीयों को ठेस पहुंचाने से उनकी क्षेत्रवादी राजनीति मजबूत होती है। दूसरी बात, विपक्षी गठबंधन की भी द्रमुक को ज्यादा चिंता नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि अंततः लोकसभा में मिली सीटों के आधार पर उसे पर्याप्त केंद्रीय मंत्रालय मिल ही जाएंगे।

व्यापार के लिए चुनौती

लाल सागर में एक कमर्शल जहाज पर ड्रोन अटैक हुआ। ये जहाज भारत आ रहा था। जहाज पर अफ्रीकी देश का झंडा लगा हुआ था, लेकिन उसके सभी क्रू भारतीय थे। इससे पहले भी एक जहाज पर अटैक हुआ था। भारत आ रहे एक कमर्शल ऑयल टैंकर पर दक्षिण लाल सागर में रविवार को हुआ ड्रोन हमला हर तरह से खतरनाक है। जहाज पर झंडा भले एक अफ्रीकी देश का था, उसके सारे 25 क्रू मेंबर भारतीय थे। एक दिन पहले शनिवार को अरब सागर में गुजरात तट से महज 200 समुद्री मील दूर एक और जहाज पर हमला हुआ था। अभी तक किसी ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन अमेरिकी सेंट्रल कमान के मुताबिक रविवार को हुए हमले के पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ था, जबकि शनिवार को ऑयल टैंकर फेरी पर ईरान से छोड़े गए ड्रोन ने हमला किया था। वैसे शनिवार को अब सागर में हुए हमले की भारतीय नौसेना ने अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। देखना होगा कि यह जांच किस नतीजे तक पहुंचती है। लाल सागर में रविवार को हुए हमलों को लेकर ज्यादा संदेह इसलिए नहीं है क्योंकि हूती विद्रोही इस इलाके से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करते रहे हैं। खासकर, अक्टूबर में हमास-इस्राइल जंग शुरू होने के बाद से यह उनका घोषित स्टैंड रहा है कि वे इस्राइल जाने वाले जहाजों को निशाना बनाएंगे। इस लिहाज से देखा जाए तो हाल के दोनों हमलों का भारत से सीधे तौर पर रिश्ता नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से यह बाकी पूरी दुनिया की तरह भारत के लिए भी गंभीर चिंता की बात है। चिंता की सबसे बड़ी वजह यह है कि इस्राइल-हमास जंग के कारण हूती विद्रोहियों के निशाने पर आया लाल सागर और स्वेज कैनाल का रूट दुनिया का सबसे बिजी रूट है। सालाना 17000 जहाज इधर से होकर गुजरते हैं। दूसरे शब्दों में हर साल होने वाले कुल वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी हिस्सा लाल सागर के जरिए होता है। जाहिर है स्थिति गंभीर है। लेकिन हूती विद्रोही खुले तौर पर हमास के साथ खड़े हैं। माना जाता है कि उन्हें ईरान का समर्थन हासिल है। व्यवहार में इसका असर यह हुआ है कि इस रूट को अब सुरक्षित नहीं माना जा रहा। इसलिए बड़ी शिपिंग कंपनियां यह रूट लेने में हिचकने लगी हैं। एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले इस रूट को छोड़ने का मतलब है केप ऑफ गुड होप वाला वैकल्पिक रूट लेना। लेकिन लाल सागर के मुकाबले वह रूट करीब 3500 समुद्री मील (लगभग 6500 किलोमीटर) ज्यादा लंबा पड़ता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

जब भारत का युवा फिट होगा, तो अपने जीवन और करियर में भी सुपरहिट होगा। मैं देशभर के अपने युवा साथियों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे MY Bharat पोर्टल पर जाकर खुद को जरूर रजिस्टर करें।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कोलकाता में 51 शक्तिपीठों में से एक पवित्र कालीघाट मंदिर में आज माँ काली के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सभी के कल्याण की कामना की। हर बार यहां आकर सकारात्मक ऊर्जा और विचारों का संचार होता है।

(गृह मंत्री अमीत शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

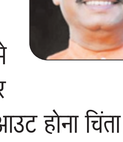

शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता हैं। गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। आज बरगड़ जिले के लेबिदी सरकारी उच्च विद्यालय में आज छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से मुलाकात की। अभिभावकों से बच्चों को स्कूल जरूर भेजने की अपील की। राज्य में बड़ी संख्या में ड्रॉप आउट होना चिंता का विषय है। इसे हम सब को मिलकर सुधार करना होगा।

(पूर्व सीएम रघुवर दास का 'एक्स' पर पोस्ट)

कांग्रेस में कमजोर होगी गहलोत-पायलट की पकड़

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे। दोनों नेताओं की खींचतान के चलते स्थिति यहां तक खराब हो गई थी कि 2020 में सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर अपने समर्थक विधायकों को लेकर गुड़गांव चले गए थे। उस समय सरकार बचाने के लिए अशोक गहलोत को विधायकों की होटलों में बाड़ेबंदी करनी पड़ी थी। करीबन दो महीने तक चली आपसी खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान के प्रयासों से कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच शांति स्थापित हो पायी थी। मगर सचिन पायलट को बगावत के चलते उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद गंवाना पड़ा था। वही उनके समर्थक कई मंत्रियों को भी पदों से हटा दिया गया था। उस समय पायलट के पास विधायकों की संख्या कम रह गई थी। क्योंकि पायलट द्वारा की जा रही बगावत की जानकारी उनके ही कुछ विधायकों नेअशोक गहलोत को दे दी थी। गहलोत ने समय रहते पायलट गुट के कई विधायकों को अपने पाले में लाकर पायलट को राजनीतिक दृष्टि से कमजोर बना दिया था।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दोनों ही नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान की राजनीति से बाहर भेज दिया है। अब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में नए लोगों को आगे लाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। पिछले लंबे समय से राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही घूम रही थी। दोनों नेताओं में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान में कांग्रेस को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। दोनों की अदावत के चलते ही राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से भी बाहर हो चुकी हैं। 2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे। दोनों नेताओं की खींचतान के चलते स्थिति यहां तक खराब हो गई थी कि 2020 में सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर अपने समर्थक विधायकों को लेकर गुड़गांव चले गए थे। उस समय सरकार बचाने के लिए अशोक गहलोत को विधायकों की होटलों में बाड़ेबंदी करनी पड़ी थी। करीबन दो महीने तक चली आपसी खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान के प्रयासों से कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच शांति स्थापित हो पायी थी। मगर सचिन पायलट को बगावत के चलते उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद गंवाना पड़ा था। वही उनके समर्थक कई मंत्रियों को भी पदों से हटा दिया गया था। उस समय पायलट के पास विधायकों की संख्या कम रह गई थी। क्योंकि पायलट द्वारा की जा रही बगावत की जानकारी उनके ही कुछ

विधायकों नेअशोक गहलोत को दे दी थी। गहलोत ने समय रहते पायलट गुट के कई विधायकों को अपने पाले में लाकर पायलट को राजनीतिक दृष्टि से कमजोर बना दिया था। आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद पायलट समर्थक कुछ विधायकों को गहलोत सरकार में फिर से मंत्री बनाया गया था। मगर पायलट को कोई भी पद नहीं दिया गया था। पायलट की बगावत से लेकर विधानसभा चुनाव तक गहलोत व पायलट द्वारा लगातार एक दूसरे के खिलाफ बयान बाजी की जाती रही थी। 2022 को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के लिए 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाया था। जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था। मगर अशोक गहलोत गुट के शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेंद्र राठौड़ ने विधायक दल की बैठक ही नहीं होने दी। धारीवाल ने अपने आवास पर विधायकों की समानान्तर बैठक आयोजित कर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आहूत विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवा दिया था। जिस कारण से सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने से रह गए थे। उसी दौरान सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी नामित किया था। मगर गहलोत ने मुख्यमंत्री पद जाने के डर से अध्यक्ष बनने से भी इंकार कर दिया था। गहलोत व पायलट की आपसी लड़ाई में राजस्थान कांग्रेस को जितना नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई होना मुश्किल लगता है। दोनों ही नेताओं को प्रदेश की राजनीति से बाहर भेज दिया गया है। अशोक गहलोत को नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जो लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न दलों से गठबंधन पर चर्चा करेगी। इस पांच सदस्यों वाली समिति का संयोजक पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक को बनाया गया है। जबकि समिति में अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद व मोहन प्रकाश को सदस्य बनाया गया है। नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनने के कारण अशोक गहलोत राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्त हो जाएंगे और उनके पास प्रदेश की राजनीति के लिए समय नहीं बचेगा। इसी तरह सचिन पायलट को कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव बनाकर छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अब तक की सबसे करारी हार झेलनी पड़ी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद गंवाना पड़ा है। वैसे भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास लोकसभा के मात्र दो ही सदस्य है। ऐसे में प्रदेश प्रभारी के नाते सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ में कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ के प्रभारी बनने के बाद सचिन पायलट का भी राजस्थान की राजनीति से जुड़ाव काम हो जाएगा। उनका ज्यादा समय राजस्थान के बाहर ही बीतेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरड़े ने पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी को पदमुक्त कर दिया है। बायतु क्षेत्र से मात्र 910 वोटो से जीते हरीश चौधरी गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व सांसद भी रह चुके हैं। ऐसे में चर्चा है कि हरीश चौधरी को प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

अभी जाट समाज से गोविंद सिंह डोटासरा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष है। जिनका हटना तय माना जा रहा है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित 69 विधायकों में सबसे अधिक संख्या जाट, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विधायकों की है। इसको देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद पर हरीश चौधरी व विधायक दल के नेता के पद पर आदिवासी समुदाय के महेंद्रजीत सिंह मालवीय की नियुक्ति हो सकती है। महेंद्रजीत मालवीय अभी कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य है तथा लगातार विधायक का चुनाव जीत रहे हैं। गहलोत सरकार में भी वह कैबिनेट मंत्री थे। उनकी आदिवासी क्षेत्र में अच्छी पकड़ मानी जाती है। राजस्थान में अलवर से सांसद रहे भंवर जितेंद्र सिंह को भी कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव पद पर बरकरार रखा गया है। अगले 6 महीने बाद लोकसभा के चुनाव होने हैं। इस बार भी भाजपा के नेता प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से उनके कार्यकताओं का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कितनी सफलता प्राप्त कर पाती है इसका पता तो आने वाले चुनाव के बाद ही चल पाएगा। मगर कांग्रेस का जो भी नया प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल का नेता बनेगा उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस को फिर से एकजुट कर पार्टी कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाने की रहेगी। जिसमें वो कितने सफल होंगे इसका पता तो बाद में ही लगेगा। फिलहाल तो यह देखना है कि कांग्रेस आलाकमान राजस्थान में चल रहे गहलोत-पायलट गुट को कमजोर कर निर्विवाद छवि वाले नेताओं को कितना आगे बढ़ा पाता है, इसका सभी को इंतजार हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

गालिब ने 1857 के गदर पर क्यों कलम नहीं उठाई?

मिर्जा मोहम्मद असादुल्लाह बेग खान यानी मिर्जा गालिब एक से बढ़कर एक कालजयी शेर कहते हैं। कौन सा हिन्दुस्तानी होगा जिन्हें गालिब साहब के कहे ह्लहजारों ख्वाहिशें ऐसीं, कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले...ह्व और ह्लहमको मालूम है जन्नत की हकीकत, लेकिन, दिल के खुश रखने को 'गालिब' ये खयाल अच्छा है...ह्व जैसे शेरों को सुन-सुनकर आनंद न मिलता हो। गालिब अपनी शायरी में वे सारे दुख, तकलीफ और त्रासदियों का जिक्र करते हैं जिससे वे महान शायर बनते हैं। लगता है कि गालिब में भी एक आम आदमी की कई कमजोरियां थीं। गालिब ने अपने जीवन में भी कई दुःख देखे। उनके सात बच्चे थे लेकिन सातों की मृत्यु हो गई थी। उनकी माली हालत तो कभी बहुत बेहतर नहीं रही। वे जीवनभर किराये के घर में ही रहे। दिल्ली-6 में जहां गालिब की यादगार बनी है, वे वहां पर ही वे एक किराये के घर में रहते थे। वे मशहूर तो अपने जीवनकाल में हो गए थे, पर पर्याप्त पैसा उनके पास नहीं था। खैर, मिर्जा गालिब वर्ष 1827 में दिल्ली से कोलकाता गए थे। वे दिल्ली से कोलकाता जाते वक्त कानपुर, लखनऊ, बांदा, इलाहाबाद होते हुए बनारस पहुंचे। वे बनारस में छह महीने ठहरे। वहां गालिब ने दिल्ली और दिल्ली के अपने दोस्तों को भी बड़ी शिद्दत के साथ याद किया। गालिब लिखते हैं कि जब से किस्मत ने उन्हें दिल्ली से बाहर निकाल दिया है, उनके जीवन में एक तूफान उठ खड़ा हुआ है। अब न कोई उनका हमदर्द है न ही उनका कोई वतन है। अपने उसी बनारस प्रवास के दौरान गालिब ने बनारस के बारे में फारसी में एक प्रसिद्ध मसनवी की रचना की, जिसे ह्यचिराग-ए-दैरह्ण के नाम से जाना जाता है। मसनवी उर्दू कविता का ही एक है रूप जिसमें कहानी किस्से रचे जाते हैं। गालिब ने अपनी इस मसनवी में बनारस के तमाम रंगों और विविध छटाओं को बखूबी उकेरा है। गालिब 29 नंवबर 1829 को वापस अपने शहर दिल्ली आ गए। उसके बाद उनके बल्लीमरान के घर में फिर से दोस्तों आना-जाना चालू हो गया। उनका शेष जीवन दिल्ली की गलियों में ही गुजरा। उर्दू शायरी गालिब के बिना अधूरी है ह्लउनके देखे से जो आ जाती है मुंह पर रौनक, वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है...ह्व अब भी गालिब की शायरी के शैदाई इस शेर को बार-बार पढ़ते हैं। उनका एक और शेर पढ़ें। ह्लरोने से और इश्क में बे-बाक हो गए...धोए गए हम इतने कि बस पाक हो गए...ह्व। गालिब के कुल 11 हजार से अधिक शेर जमा किये जा सके हैं। उनके खतों की तादाद 800 के करीब थी। वे फक्कड़ शायर थे। गालिब के हर शेर और शायरी में कुछ अपना सा दर्द उभरता है। पर गालिब तब लगभग चुप क्यों थे जब दिल्ली में पहली जंगे आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी। 11 मई, 1857 को मेरठ में अंग्रेजों को रौंदने के बाद बागी सिपाही पहले हिंडन और फिर यमुना नदी को नावों से पार करके सलीमगढ़ के रास्ते भोर में ही दिल्ली में दाखिल हो गए थे। इनके निशाने पर यहां पर काम कर रहे गोरे और ईसाई बन गए हिन्दुस्तानी थे। ये सब उस दौर में दिल्ली के दिल दरियागंज में काफी संख्या में रहते थे। बागियों ने जामा मस्जिद के उर्दू बाजार में स्थित दिल्ली बैंक को लूटा। कश्मीरी गेट की सेंट जेम्स चर्च को भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किया। उस समय हर ओर दिल्ली में अव्यवस्था का आलम था। बागियों ने बहादुरशाह जफर को हिन्दुस्तान का बादशाह घोषित कर दिया और इसके साथ ही दिल्ली उनके कब्जे में थी। गालिब खुद मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के पास ही काम करते थे। यानी गालिब ने1857 में भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध अपनी आंखों के सामने से देखा था। गालिब जहां निर्विकार भाव से उस गदर को देख रहे थे, तब दिल्ली के एक पत्रकार-संपादक मौलाना मोहम्मद बकर को 1857 में गोरी सरकार ने गदर को कुचलने के बाद फांसी पर लटका दिया था। वे शिया मुसलमान थे। बकर साहब का जुर्म इतना भर था कि वे गोरी सरकार के खिलाफ निर्भीकता से लिखते थे। वे ह्लदेहली उर्दूह्व अखबार के संपादक थे। आजादी की जंग के खत्म होते ही बकर साहब को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें 14 दिसंबर, 1857 को फांसी पर लटका दिया गया। देहली उर्दू अखबार 1836 में चालू हुआ था। वह न केवल दिल्ली बल्कि सारे उत्तर भारत से छपने वाला पहला उर्दू का अखबार माना जाता है। वह हर हफ्ते छपता था। तो जब 1857 का गदर हुआ उस दौर में मिर्जा गालिब सारी स्थितियों को करीब से देख रहे थे। उन्होंने कभी देहली उर्दू अखबार के लिए कुछ लिखा हो, इसकी जानकारी नहीं मिलती है। यह अखबार चार पन्नों का छपता था। हरेक पन्ने में दो कॉलम और 32 लाइनें रहती थीं। इसमें ही मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर सार्वजनिक सूचनाएं छपवाते थे। ये लगभग 21 सालों तक छपा। ये शिक्षा के महत्व पर लगातार लिखता था। इसमें दिल्ली के सामाजिक और सियासी हालातों को सही से कवर किया जाता था। जहां पर गोरों को शिकस्त मिलती थी, उसे ह्यदिल्ली उर्दू अखबारह्ण प्रमुखता से छापता था। इसमें क्रांतिकारी कविताएं भी छपती थीं। इससे पहले दिल्ली में कुछ फारसी के अखबार भी छपते थे। देहली उर्दू अखबार का कॉलम ह्यहजूर ए वालाह्ण को पाठक बहुत पसंद किया करते थे। मुमकिन है कि गालिब कत्लेआम को देखकर अंदर से बहुत डरे हुए हों। कहने वाले यह भी कहते हैं कि वे इनाम, वजीफे, पेंशन और उपाधियों के लिए अंग्रेजों के पीछे भागते थे। क्या यही वजह रही कि उन्होंने कभी अंग्रेजों के बारे में कुछ भी कठोर नहीं लिखा, ताकि उन्हें अंग्रेजों से पेंशन जैसे फायदे मिल सके?

सद्भाव का सनातन संदेश

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद लखनऊ और अयोध्या की यात्रा पर आए। सनातन चिंतन से संबंधित कार्यक्रमों में सहभागी हुए। सनातन ग्रंथों के संबंध में उनका ज्ञान विलक्षण है। श्लोकों का धाराप्रवाह उल्लेख करते हैं। उनकी व्याख्या करते हैं। वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता प्रमाणित करते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि सनातन चिंतन पर अमल से भारत एक बार फिर विश्वगुरु बन सकता है। इसके आधार पर सामाजिक समरसता और सौहार्द की स्थापना हो सकती है। इतना ही नहीं विश्व की समस्याओं का समाधान भी सनातन चिंतन से हो सकता हैं। क्योंकि इसमें मानव कल्याण की कामना है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान 'हिन्दुस्थान समाचार' के तत्वावधान में अयोध्या में आयोजित उत्सव में सहभागी हुए। यहां श्रीराम कथा पर चर्चा की। लखनऊ में उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक गीता पर आधारित है। यहां गीता पर आरिफ मोहम्मद का ज्ञान परिलक्षित हुआ। वह महामना मदन मोहन मालवीय के जयन्ती समारोह में भी शामिल हुए। महामना के व्यक्तित्व और कृतित्व को सनातन विचार से जोड़ते हुए रेखांकित किया। लखनऊ में महामना मालवीय मिशन द्वारा मालवीय जयंती का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान थे। महामना मालवीय मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभु नारायण श्रीवास्तव ने आरिफ मोहम्मद का स्वागत किया। उन्होंने अपना संस्मरण सुनाया। एक बार वह आरिफ मोहम्मद के आवास पर गए थे। उनकी लाइब्रेरी देख कर अचंभित रह गए। उसमें वेद पुराण उपनिषद सहित संस्कृत के सभी प्रमुख ग्रंथ थे। इसके साथ ही अरबी इंग्लिश का भी वांग्मय था। आरिफ मोहम्मद बोलने खड़े हुए तो प्रभु नारायण श्रीवास्तव का कथन सत्य प्रमाणित होने लगा। आरिफ मोहम्मद ने वेद, पुराण और उपनिषदों का उद्धरण देते हुए भारतीय संस्कृति की महत्ता का प्रतिपादन किया। कहा-यह भारत है जिसने ज्ञान और उसके प्रसार का मानवीय चिंतन दुनिया को दिया। सूर्य सिद्धांत यूरोपीय पुनर्जागरण का आधार है। नौवीं शताब्दी में भारतीय सूर्य सिद्धांत ग्रंथ को लेकर भारतीय मनीषी अरब गए थे। बगदाद के सुल्तान ने उसका अनुवाद कराया। इसके बाद यह ग्रंथ स्पेन के राजा ने मंगवाया। उसका अनुवाद वहां हुआ। यूरोपीय पुनर्जागरण इसी भारतीय सिद्धांत पर आधारित है। उपनिषद कहते हैं ज्ञान प्राप्त करो फिर उसको साझा करो। कपिल मुनि ने ज्ञान प्राप्त किया। फिर उसे अपनी मां को सुनाया। यह प्रसार की ही ललक थी। भारतीय चिंतन में सेवा सहायता पूजा की भांति है। इसमें भेदभाव नहीं है। इस भारतीय विरासत पर अमल तय हो जाए तो सभी कार्य अपने आप होते चलेंगे। भारतीय ज्ञान का सारांश गीता में हैं। भारत में ज्ञान की पूजा हुई। इस मार्ग से भटके तभी भारत परतंत्र हुआ। ज्ञान का प्रसार बंद कर दिया। इसलिए गुलाम हुए। जो ज्ञान को साझा नहीं करता वह सरस्वती का उपासक नहीं खलनायक होता है। महामना मालवीय ने इसी चेतना का जागरण किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इसका एक निमित्त या पड़ाव मात्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भारतीय संस्कृति का जागरण कर रहे हैं। ज्ञान की तरह पवित्र करने वाला कुछ नहीं है। ब्रह्मचारी वह है जो विद्यार्थी है। जिसमें जिज्ञासा है। विज्ञान का महत्व है। विज्ञान प्रकृति पर नियन्त्रण का प्रयास करता है। ज्ञान ब्रह्म की ओर ले जाता है।भारत आगे बढ़ रहा है। लेकिन कोई यह नहीं कहता कि भारत से खतरा है। क्योंकि भारत की यह संस्कृति नहीं है। एकता का आधार आत्मा है। मनुष्य ही नहीं जीव जन्तु सभी में आत्मा है। इसलिए भेदभाव नहीं होना चहिये। लखनऊ में ही आरिफ मोहम्मद खान ने हृदय नारायण दीक्षित की पुस्तक गीता अंतर संगीत का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि कर्मयोग का संदेश देने वाली गीता भारतीय संस्कृति के सभी ग्रंथों का सार है। आरिफ मोहम्मद खान ने अपने उद्बोधन में गीता के विभिन्न श्लोकों का उद्धरण देते हुए कर्मयोग की विस्तृत व्याख्या की।

कुश्ती संघ का निलंबन

हाल ही में चुने गई हत्रक्क कार्यकारिणी को खेल मंत्रालय ने सस्पेंड कर दिया है। मंत्रालय ने हत्रक्क की सभी गतिविधियों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। खेल मंत्रालय ने अपने आदेश में कई बड़ी बातें कही हैं। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने रविवार को भारतीय कुश्ती संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष समेत इसकी पूरी कार्यकारिणी को निलंबित कर दिया। इसकी गतिविधियों पर भी अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी गई है। खेल मंत्रालय के मुताबिक, व-15 और व-20 नैशनल्स प्रतियोगिताएं आयोजित करने की हालिया घोषणाएं करते समय नियम-कानून का बिल्कुल ख्याल नहीं रखा गया। दूसरी बात यह भी कही गई कि फेडरेशन का कामकाज उस परिसर से चलाया जा रहा है, जो पिछले पदाधिकारियों के नियंत्रण में है। समस्या के मूल में यही बात है कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के सहायक रहे हैं और उनके बेहद करीबी माने जाते हैं। ध्यान रहे, बृजभूषण शरण सिंह पर उनके कार्यकाल के दौरान यौन शोषण और छेड़छाड़ के आरोप लगे। इन आरोपों की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है और उन्हें अभी उस मामले में क्लीन चिट नहीं मिली है। यौन शोषण के आरोपों को लेकर महीनों धरने पर बैठ चुके पहलवानों ने शनिवार को चुनाव नतीजे आने के बाद गहरी निराशा जताई। बजरंग पूनिया ने जहां पद्मश्री लौटाने का एलान किया, वहीं देश की इकलौती महिला पहलवान ओलिंपिक मेडल विनर साक्षी मलिक ने कुश्ती छोड़ने की घोषणा कर दी। चुनावों से हालांकि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (वहह) की यह शिकायत दूर हो गई कि भारतीय कुश्ती संघ (हत्रक्क) समय पर चुनाव नहीं करवा रहा। इसी वजह से वहह ने हत्रक्क को सस्पेंड भी कर दिया था। लेकिन इस कानूनी औपचारिकता के पूरे होने के बाद भी ये चुनाव नतीजे विश्वास के उस संकट को दूर नहीं कर सके, जिससे भारतीय कुश्ती संघ लंबे समय से जूझ रहा है। भारतीय कुश्ती जगत इस दुष्चक्र से जल्दी निकलता नहीं दिख रहा। एक तरफ मेडल जीत कर दुनिया में भारत का नाम ऊंचा करने वाले पहलवान यौन शोषण के अपने आरोपों पर कायम हैं तो दूसरी ओर देश के कुश्ती जगत की संरचना पर बृजभूषण समर्थकों का कब्जा बरकरार है, जो चुनाव के ठीक बाद सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए उनके इस कॉमेंट से भी जाहिर है कि दबदबा तो है, दबदबा तो रहेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पाकिस्तान से ज्यादा महंगाई छह देशों में, पहले नंबर पर वेनेजुएला

- गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर

नई दिल्ली । पाकिस्तान में महंगाई की खबरें अक्सर सुनने को मिलती हैं लेकिन दुनिया के छह देशों में पाकिस्तान से ज्यादा महंगाई है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला का नाम है। इस देश में महंगाई 283 फीसदी है। इस देश की गणना कभी देश के अमीर देशों में होती थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी हालत खराब हो गई है। वेनेजुएला का पास दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व है। साल 2012 में वेनेजुएला में गरीबों की आबादी मात्र दो फीसदी थी लेकिन आज देश की 90 फीसदी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। वेनेजुएला में खाने-पीने की चीजें इतनी महंगी हैं कि अमीर लोगों के लिए भी दो जून की रोटी जुटाना भारी पड़ रहा है। कई गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर हैं। इस लिस्ट में वेनेजुएला के बाद दूसरे नंबर पर लेबनॉन है। इस देश में महंगाई की दर 212 फीसदी है। इसके बाद अर्जेंटीना का नंबर है। साल 2012 में यहां महज चार फीसदी लोग करीब थे लेकिन आज यह आबादी 36 परसेंट पहुंच चुकी है। सबसे ज्यादा महंगाई वाले देशों में अगला नंबर सीरिया का है। युद्ध से जूझ रहे इस देश में महंगाई की दर 79.1 फीसदी है। इसके बाद तुर्की 61.98 फीसदी, मिस्र 34.6 फीसदी और फिर पाकिस्तान 29.23 फीसदी का नंबर है। वहीं भारत में महंगाई की दर 5.55 फीसदी है। नाइजीरिया, कजाकस्तान, बांग्लादेश, हंगरी, रूस, चेक गणराज्य, केन्या, नाइजर, पोलैंड और स्वीडन में भारत से ज्यादा महंगाई है। लेकिन दुनिया के कई देशों में भारत से कम महंगाई है। इनमें साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूक्रे, ब्राजील, मेक्सिको, फिलीपीं, यूके, फ्रांस, इजरायल, साउथ कोरिया, जर्मनी, स्पेन, कनाडा, अमेरिका, इंडोनेशिया और जापान शामिल हैं। दुनिया के कई देशों में तो महंगाई निगेटिव में है। इनमें थाईलैंड, आर्मेनिया, चीन, सेशेल्स और अफगानिस्तान शामिल हैं।

पेट्रोल और डीजल कुछ राज्यों में हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

देशभर में मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि कुछ राज्यों में मामूली बदलाव देखने को मिला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.62 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है, जबकि ब्रेंट क्रूड 79.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। राज्यों में हुआ उतार-चढ़ाव देखें तो हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 33 पैसे और डीजल 31 पैसे महंगा हुआ है, जबकि महाराष्ट्र में दोनों पर 22 पैसे बढ़े हैं। इसके अलावा, पंजाब, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी पट्रोल-डीजल के दामों में इजाफा हुआ है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 46 पैसे सस्ता हुआ है। गुजरात में 78 पैसे की कटौती हुई है। साथ ही हरियाणा, तमिलनाडु, त्रिपुरा और केरल में भी दाम गिरे हैं। देश के प्रमुख महानगरों में आज की कीमत पहले के समान बनी हुई है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये में खरीदा जा सकता है। इसी प्रकार कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर में मिलेगा, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है।

अमरीकी सेल्फ मेड अल्पायु अमीर महिलाओं में शामिल 75 हजार करोड़ आय वाली नेहा नरखेड़े

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे कम उम्र की सेल्फ मेड वुमेन एंटरप्रेन्योर नेहा नरखेड़े के परिश्रम से कोन्फ़्लुएंट कंपनी की वैल्यू 75 हजार करोड़ रुपये हो चुकी हैं। महाराष्ट्र की पुणे` निवासी नेहा नरखेड़े ने मुश्किलों को हराना सीखा है। कहते हैं मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। एक समय पढ़ाई करने गई नेहा ने अमेरिका में कोन्फ़्लुएंट कंपनी की स्थापना की। आज उनकी मेहनत के दम पर उस कंपनी की वैल्यू 75 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। बीते दिनों फोर्ब्स ने उन्हें अमेरिका की सेल्फ मेड अमीर महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया था।पुणे में पली-बढ़ीं नेहा ने अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की। उन्होंने लिंक्डइन और ओरेकल में नौकरी की, जिसके बाद उन्होंने अमेरिका में अपनी कंपनी कोन्फ़्लुएंट की शुरुआत की। साल 2021 में उनकी कंपनी का आईपीओ आया था। नेहा को भारत की 8वीं सबसे अमीर महिला का खिताब मिला था। नेहा की गिनती अमेरिका की सबसे सफ़ल महिला उद्यमियों में की जाती है। नेहा अपनी सफलता में अपने पिता को श्रेय देती है, उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनके पिता उनके लिए बड़े-बड़े लोगों जैसे इंदिरा गांधी, किरण बेदी, इंद्रा नूयी की किताबें लेकर आते थे। पुणे की नेहा नारखेड़े ने हार को हराकर जीत हासिल की है। साल 2021 में जब नेहा की कंपनी का आईपीओ आया था तब उनकी नेटवर्थ 13,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। लेकिन साल 2022 में उनकी संपत्ति में भारी गिरावट आई। साल 2022 में उनकी संपत्ति गिरकर मात्र 4,700 करोड़ रुपये रह गई थी। उन्होंने एक साल में करीब 8,600 करोड़ रुपये गंवा दिए थे। लेकिन नेहा ने हार नहीं मानी और करोड़ों रुपये गंवाने के बाद वो फिर से उठ खड़ी हुई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में 600 से अधिक फ्लैट बेचे

नई दिल्ली ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हरियाणा के गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवासीय परियोजना के 600 से अधिक फ्लैट बेच दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने गुरुग्राम के सेक्टर-49 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित अपनी परियोजना गोदरेज एरिस्टोक्रेट में 2,600 करोड़ रुपये से अधिक के फ्लैट बेचे दिए हैं। कंपनी 9.5 एकड़ में फैली इस आवासीय परियोजना में करीब 750 अपार्टमेंट बनाएगी। प्रति इकाई इनकी शुरुआती कीमत करीब चार करोड़ रुपये है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। हमें 2024 में गुरुग्राम में चार नई परियोजनाएं शुरू करने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछल वै श्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भी लिवाली से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 230 अंक ऊपर आकर आज 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 71,336.60 और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 92 अंक उछलकर 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 21.441.35 पर बंद हुआ है। बाजार में आज

खरीदारी हावी रही और घरेलू इक्विटी बेचमार्क इंडेक्स बढ़त पर रहे। वहीं आज बाजार में शुरुआती कारोबार में उतार चढ़ाव रहा पर बाजार ने एक बार जो गति पकड़ी तो ऊपर आता गया। बाजार की तेजी से आज निवेशकों को भी 2.15 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। आज निफ्टी के आईटी, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़ सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें भी गिरावट एक फीसदी से कम ही रही। निफ्टी बैंक आज 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज बाजाजर तेजी के साथ बाजार पूंजीकरण 358.94 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे साफ है कि आज 2.15 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। वहीं इससे पहले बाजार पूंजीकर 350.20 लाख करोड़ रुपये था। सेंसेक्स के 30 में से 23 आज लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। इसमें सबसे अधिक तेजी आज एनटीपीसी, एमएंडएम और विप्रो में रही। वहीं दूसरी तरफ आज बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और इंफोसिस में सबसे अधिक गिरावट रही। 4030 शेयरों की आज ट्रेडिंग हुई जिसमें से 2331 में तेजी रही, 1557 में गिरावट और 142 में कोई बदलाव ही नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच

बाजार की सपाट शुरुआत हुई है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हल्की कमजोरी के साथ कारोबार करते दिख रहे हैं।

एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 71,100 और निफ्टी50 21,361 के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक फीसदी 0.42 फीसदी और 0.38 फीसदी बढ़े। सेक्टर्स में निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी को छोड़कर सभी हरे निशान में थे, जिसका नेतृत्व निफ्टी मीडिया इंडेक्स और निफ्टी मेटल इंडेक्स कर रहे थे। जापान का निक्केई में 0.03 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.02 फीसदी नीचे था।

भारत में महंगाई के बेकाबू होने का खतरा बढ़ा

- 4,000 किमी दूर हो रही लड़ाई ने भारत की चिंता बढ़ाई

नई दिल्ली ।

यमन के ईरान से समर्थन वाले हूती विद्रोही लाल सागर में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाने से दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग पर अपना संचालन रोक दिया है। इसके बजाए वे अब ब्लैक सी रूट का उपयोग कर रहे हैं। इससे भारत में फ्रेट चार्ज बढ़ने से महंगाई के बेकाबू होने का खतरा बढ़ गया है। इस संकट का असर भारत पर पड़ना शुरू हो गया है। हाल में हूती विद्रोहियों ने भारत के क्रूड कैरियर एमवी साई बाबा पर दक्षिणी लाल सागर में ड्रोन से हमला किया। साथ ही भारत के लिए कच्चा तेल ला रहे लाइबेरिया के एक जहाज को अरब सागर में भारत के एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन के बाहर निशाना बनाया गया। भारत का 65 फीसदी कच्चा तेल स्वेज नहर के रास्ते आता है जबकि 50 फीसदी` निर्यात भी इसी रास्ते होता है। स्वेज नहर लाल सागर और भूमध्यसागर को कनेक्ट करती है। लाल सागर यूरोप और एशिया के बीच व्यापार का मुख्य समुद्री रास्ता है। इससे स्वेज नहर के रास्ते होने वाले कारोबार पर भी खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोही कई जहाजों पर ड्रोन और एंटी-शिप मिसाइलों से

हमला कर चुके हैं। इससे दुनिया की चार बड़ी शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर के रास्ते अपने ऑपरेशन रोक दिए हैं। ग्लोबल मेरिटाइम ट्रेड में इन चार कंपनियों की ग्लोबल मेरिटाइम ट्रेड मे 53 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कारोबार एनजी आयात के लिए इस रूट पर निर्भर है। उसके लिए लागत और सुरक्षा का जोखिम बढ़ गया है। भारत को ट्रेड रूट डाइवर्सिफाई करने और रीजनल मेरिटाइम सिक्योरिटी कोऑपरेशन बढ़ाने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अपने एनर्जी आयात को डाइवर्सिफाई करने की जरूरत है ताकि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट पर निर्भरता कम की जा सके। यानी भारत को फारस की खाड़ी, अफ्रीका और मध्य एशिया से तेल का आयात बढ़ाना चाहिए।

चुनाव से पहले सरकार ने अपने निजीकरण की कार्यवाही पर लगाई रोक

– चालू वित्त वर्ष 2023–24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनावों के लिए कुछ महिने ही शेष बचे हैं। आम चुनाव नजदीक आने के साथ ही सरकार ने अपनी निजीकरण की कार्रवाई लगभग रोक दी है और अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है। कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है।

हालांकि, इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और कॉनकॉर जैसी बड़ी निजीकरण योजनाएं पहले से ही ठंडे बस्ते में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सार्थक निजीकरण अप्रैल, मई के आम चुनाव के बाद ही हो सकता है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 51,000 करोड़ रुपये की बजट राशि में से करीब 10,049 करोड़ रुपये आईपीओ और ओएफएस के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए एकत्र किए गए। एससीआई, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, बीईएमएल, एचएलएल लाइफकेयर और आईडीबीआई बैंक सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की रणनीतिक बिक्री चालू वित्त वर्ष में पूरी होने वाली है। हालांकि, अधिकांश सीपीएसई के संबंध में मुख्य एवं गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की विभाजन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है और वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने में देरी हुई है। कुल मिलाकर करीब 11 ट्रांजैक्शन अभी दीपम में लंबित हैं। वहीं राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) और एआई एसेट होल्डिंग लिमिटेड के निजीकरण के लिए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की सैद्धांतिक मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। लेकिन दीपम विभाग ने अब तक इनके लिए ईओआई आमंत्रित नहीं किए हैं।

एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि रणनीतिक विनिवेश निर्णय राजनीतिक आवश्यकताओं से संचालित हो रहे हैं। चुनाव नजदीक होने के कारण हमें रणनीतिक बिक्री के मामले में कोई हलचल की उम्मीद नहीं है।

आईनॉक्स विंड को 279 मेगावाट की परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली ।

आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एक बड़ी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक कंपनी से 279 मेगावाट की परियोजना का ठेका हो लिस हुआ है। कंपनी के अनुसार इसमें 180 मेगावाट के लिए सीमित दायरे वाले ईपीसी (इंजीनियरिंग निर्माण खरीद) और 99 मेगावाट के लिए एंड-टू-एंड टर्नकी निष्पादन के साथ उपकरण की आपूर्ति शामिल है। यह ठेका आईडब्ल्यूएल के नए तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यटीजी) की आपूर्ति से जुड़ा है। आईनॉक्स विंड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह और अन्य ठेके सतत वृद्धि और वित्त वर्ष 2024-25 में लाभप्रदता हासिल करने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

नए साल में 14 दिन बंद रहेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली ।

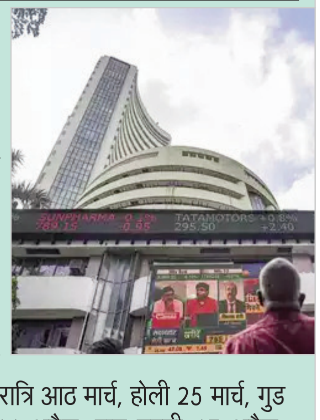

बीएसई और एनएसई के मुताबिक नए साल 2024 में घरेलू शेयर बाजार 14 दिन बंद रहेंगे। साल 2024 में दिवाली एक नवंबर को है और इस दिन स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। अगर छुट्टियों में कई बदलाव होगा तो एक्सचेंज इसके लिए अलग से एडवांस में सर्कुलर जारी करेंगे। अगले साल गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, महाशिवरात्रि आठ मार्च, होली 25 मार्च, गुड फाइडे 29 मार्च, रमजान 11 अप्रैल, राम नवमी 17 अप्रैल, महाराष्ट्र दिवस एक मई, बकरीद 17 जून, मुहर्रम 17 जुलाई, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, महात्मा गांधी जयंती दो अक्टूबर, दिवाली एक नवंबर, गुरुनानक जयंती 15 नवंबर और क्रिसमस 25 दिसंबर के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि मीडियम से लांग टर्म में शेयरों में तेजी बनी रहेगी।

भारत ने पहली बार तेल खरीद के बदले यूएई को किया रुपये में भुगतान

- भारतीय अधिकारियों को अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ इसी तरह के सौदे की तलाश

नई दिल्ली ।

भारत ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए और भारतीय मुद्रा को मजबूत बनाने की कोशिश में लंबी छलांग लगाते हुए संयुक्त अरब अमीरात को कच्चे तेल की खरीद के बदले पहली बार रुपये में भुगतान किया है। यह कदम मुख्य रूप से द्विपक्षीय व्यापार में भारतीय राष्ट्रीय मुद्रा रुपये के उपयोग को बढ़ावा देने के रूप में बड़ी पहल है। अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत आयात पर निर्भर है। इसके लिए उसे बड़े पैमाने पर डॉलर में भुगतान करना होता है। इंडियन आयल कारपोरेशन ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी से 10 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद का भुगतान भारतीय रुपये में किया है। इसके अलावा रूस से आयात किए गए क्रूड ऑयल के कुछ हिस्से का भी भुगतान रुपये में किया गया है। बता दें कि जुलाई में भारत ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी से कच्चे तेल की खरीद के बदले में भारतीय रुपये में भुगतान करने का संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि वह अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ इसी तरह के सौदे की तलाश में है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत जैसे कई देश व्यापार के लिए अमेरिकी डॉलर का उपयोग करने से दूर जा रहे हैं और इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन करने को राजी हो रहे हैं। इसी कड़ी में व्यापार समझौते के तहत नई दिल्ली अब रुपये में भुगतान करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के तेल निर्यातकों के साथ बातचीत कर रही है। हाल की मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत रूसी तेल खरीद का भी भुगतान भारतीय रुपये में करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। अपनी राष्ट्रीय मुद्रा में भुगतान करने का भारत का निर्णय भू-राजनीतिक और आर्थिक तनाव के बीच आया है, क्योंकि अमेरिका ने रूस और ईरान के साथ डॉलर में व्यापार को एकतरफा प्रतिबंधित कर दिया है। बता दें कि इससे पहले दिसंबर में ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केन्याई राष्ट्रपति विलियम रूटो ने अपने देशों में संबंधित एजेंसियों को भारतीय रुपये का उपयोग करने और दोनों देशों के बीच विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण को लागू करने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया था।

मुथूट माइक्रोफिन के पांच फीसदी गिरावट पर सूचीबद्ध

मुंबई । मुथूट समूह की सूक्ष्म-वित्त इकाई मुथूट माइक्रोफिन के शेयर मंगलवार को निर्गम मूल्य 291 रुपये से पांच प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 4.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 278 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 8.83 प्रतिशत गिरकर 265.30 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 275.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 4,670.63 करोड़ रुपये रहा। मुथूट माइक्रोफिन के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के आखिरी दिन बुधवार को 11.52 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए 277-291 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयर छह फीसदी गिरावट पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयर निर्गम मूल्य 360 रुपये से करीब छह प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने 4.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 343.80 रुपये पर शुरुआत की। बाद में शेयर 10 प्रतिशत गिरकर 323.95 रुपये पर आ गए। एनएसई पर शेयर 5.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 340 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। सूरज एस्टेट डेवलपर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 15.65 गुना अभिदान मिल गया था। आईपीओ का मूल्य दायरा 340-360 रुपये प्रति शेयर था।

एसआईपी की हिस्सेदारी 19.1 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंड योजनाओं में खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के बीच सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान वाले खाते धीरे-धीरे म्युचुअल फंड उद्योग पर अपनी पकड़ मजबूत बनाते जा रहे हैं। एक साल के भीतर म्युचुअल फंड की कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में एसआईपी की हिस्सेदारी साल 2023 की शुरुआत के 16.1 फीसदी के मुकाबले नवंबर में बढ़कर 19.1 फीसदी पर पहुंच गई। साल 2019 के आखिर में यह हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी थी। उद्योग निकाय एम्फी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। खुदरा निवेशक सामान्य तौर पर एसआईपी का मार्ग चुनते हैं और उनकी संख्या बढ़ रही है और मौजूदा निवेशक अपने निवेश में बढ़ोतरी भी कर रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश लगातार बढ़ रहा है और यह जनवरी 2021 के 8,023 करोड़ रुपये के मुकाबले नवंबर 2023 में 17,073 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवंबर में एसआईपी खाते का कुल एयूएम 9.3 लाख करोड़ रुपये था, जो वित्तीय वर्ष की शुरुआत के मुकाबले 38 फीसदी ज्यादा है। साल 2018 से एसआईपी एयूएम हर साल 19 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है और साल 2021 में इसमें सबसे ज्यादा 42 फीसदी की उछाल दर्ज हुई थी। साल 2023 में एसआईपी एयूएम में बढ़ोतरी इक्विटी बाजार में तीव्र उछाल के कारण भी हुई। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों निफ्टी-50 और सेंसेक्स में साल 2023 में अब तक 16 फीसदी से ज्यादा की उछाल आई है। इसके साथ ही संस्थागत निवेशकों से निवेश हासिल करने वाला डेट फंड अपनी रफ्तार बनाए रखने में नाकाम रहा है।

पिंपल्स, फटी एड़ियां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ- साथ आपकी त्वचा को स्वस्थ एवं सुंदर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। जी हां शायद त्वचा पर अनानास का इस्तेमाल करना कोई जानता हो, लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर अनानास को सिर्फ खाया या जूस बनाकर पिया ही नहीं जा सकता, बल्कि अपनी त्वचा एवं बालों पर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए यहां हम आपको त्वचा पर अनानास के इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं, जो कील-मुंहासों से लेकर आपकी फटी एड़ियों को सही करने का भी बेहतर विकल्प हो सकता है। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

पिंपल्स के लिए

पिंपल्स की समस्या से लगभग हर कोई परेशान रहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के चेहरे पर कील-मुंहासे ज्यादा होते हैं और कुछ के कभी-कभार। चेहरे पर पिंपल्स न केवल आपकी सुंदरता पर दाग के समान होते हैं, बल्कि कई बार यह काफी तकलीफदायक भी होते हैं। ऐसे में पिंपल्स की समस्या में अनानास फायदेमंद साबित हो सकता है। अनानास में मौजूद विटामिन-सी मुहांसों से निजात पाने में असरदायक है। इसके अलावा इसमें मौजूद ब्रोमेलिन विटामिन-सी के असर को बढ़ाता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक पका अनानास लें और उसका रस निकाल लें। अब आप इस रस को रूई की मदद से रात को सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। पिंपल्स होने पर आप रोजाना ऐसा करें आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आएगा और आप बाकी लोगों को भी यह नुक्शा जरूर बताएंगे।

त्वचा को रखे हाइड्रेट

अनानास कील-मुहासों को दूर करने के साथ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट एवं चमकदार बनाए रखता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं लगती। इसके लिए आप अनानास को अच्छे से छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें। इसके बाद आप इसमें अंडे की जर्दी और 2 चम्मच दूध मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। अब इस तैयार पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से चेहरा धो लें। यह आपकी त्वचा को तरोताजा एवं हाइड्रेट रखेगा।

जवां त्वचा पाएं

अनानास आपकी त्वचा में निखार लाने एवं त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। अनानास शरीर में कोलेजन सिंथेसिस को बढ़ावा देता है। कोलेजन की सही मात्रा होने से त्वचा में लचीलापन आता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन-सी और अमीनो एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। जवां त्वचा पाने के लिए आप अनानास का खाने के साथ इसका जूस पी सकते हैं। इसके अलावा आप इसका फेस मास्क भी बना सकते हैं। इसके लिए आप अनानास को छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें और इसका पेस्ट बना लें। अब इसमें आप 1 चम्मच शहद और चाहें, तो एलोवेरा जेल डाल लें और इससे बना पेस्ट अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

फटे होंठ करें मुलायम

फटे होंठों को मुलायम बनाने में अनानास मददगार है। यह आपके होंठों को मॉश्चराइज रखता है, जिससे होंठ रूखे नहीं रहते। इसके लिए आप अनानास के रस में थोड़ा-सा नारियल का तेल मिलाएं और रोजाना रात को साने से पहले अपने होंठों पर लगाएं। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, इससे आपके फटे होंटों की समस्या दूर होगी।

फटी एड़ियों के लिए अनानास और शहद

फटी एड़ियों की समस्या से काफी लोग परेशान रहते हैं, जिसके लिए लोग दर्द में राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन दर्द ही नहीं, बल्कि फटी एड़ियों के कारण आपको अपने पैरों को छुपाना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसी सैंडल का चयन करते हैं, जिनमें आपकी एड़ियां न दिखें, लेकिन अब आपको इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको इसके लिए उपाय बता रहे हैं। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो अनानास बेहतर विकल्प हो सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए अनानास के एक टुकड़े पर शहद एवं चीनी मिलाकर लगाएं और इसे एड़ियों पर रगड़ते हुए स्क्रब करें। इसके अलावा, आप इन तीनों चीजों का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए ऐसा करते हैं, तो आपकी एड़ियां साफ हो जाएंगी।

बिना चोट के रक्तस्राव को कतई न करें नजरअंदाज

यदि बिना कोई चोट लगे नाक और मसूड़ा समेत शरीर के बाहर और भीतर के किसी अंग से खून निकल रहा है और इलाज के बाद भी यदि खून का निकलना बंद नहीं हो रहा है, तो इसको लेकर संजीदा हो जाएं। तुरंत ही बिना लापरवाही किए परामर्स के लिए डॉक्टर के पास पहुंचे और तुरंत कुछ जरूरी जांच कराएं। इसके साथ ही इससे संबंधित दवाईयां भी शुरू करें, चूंकि यह हीमोफिलिया के लक्षण हैं।

हीमोफिलिया ज्यादातर आनुवांशिक बीमारी है। यह कभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं होती है और इससे पीड़ित लोगों को जीवनभर इलाज की जरूरत होती है। इसलिए हीमोफिलिया के इलाज में विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। इसके इलाज में मरीज को भावात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। मरीज के साथ मित्रवत व्यवहार जरूर करना चाहिए। यह जानकारी हिमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सोनिया नित्यानंद और डॉ. रुचि गुप्ता ने दी।

विशेषज्ञों ने जांच करने के तरीके के बारे में बताया

विशेषज्ञों ने एक वर्कशाप में गोरखपुर, मेरठ, दिल्ली, कश्मीर, उदयपुर और देहरादून मेडिकल कॉलेज से आए पैथालॉजिस्ट और लैब टेक्निशियनों को हीमोफिलिया की जांच के बारे में जानकारी दी। पीजीआई के हिमेटोलॉजी विभाग के डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. रुचि गुप्ता और डॉ. दिनेश चंद्रा ने इन्हें बेसिक और स्पेशल जांच के सैंपल लेने से लेकर इनकी जांच की विधि बताई। इनमें प्रोथ्रोम्बिन टाइम (पीटी), एक्टीवेटेट पार्शियल थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम , कम्पलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), फिब्रिनोजेन, फैक्टर एएसएसएवाई, मिक्सिंग स्टडी समेत अन्य कई जांचों के बारे में बताया। इन्हें लैब में सैम्पल के जरिए जांच कर दिखाई भी गईं। डॉ. रुचि गुप्ता ने बताया कि जांच में जितनी जल्दी पुष्टि हो जाती है, उतनी जल्द मरीज का इलाज शुरू हो जाता है।

रेसिपी

आलू कचौड़ी

सामग्री

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

हॉट एंड सॉर सूप

सामग्री

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरुम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3046

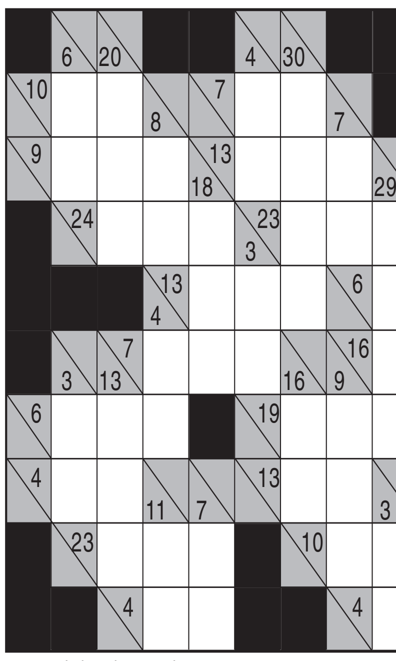

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

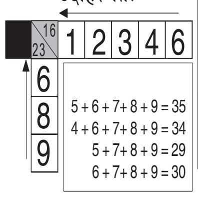

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3045 का हल

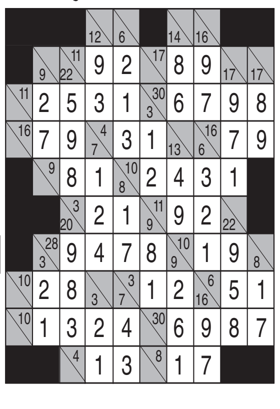

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 3046

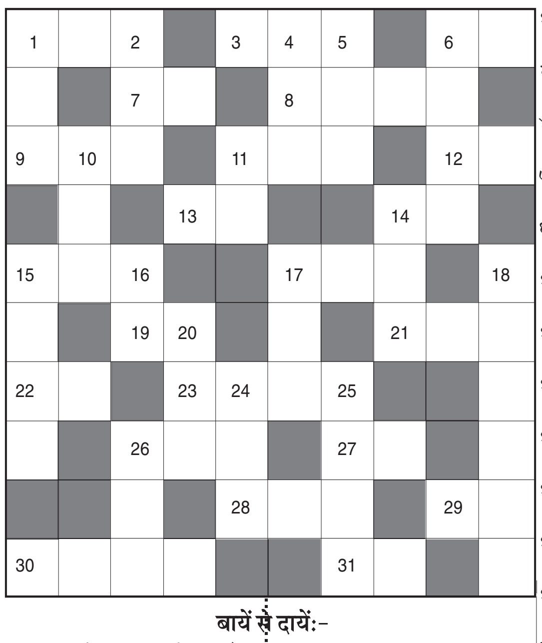

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3045

सूडोकु -3046

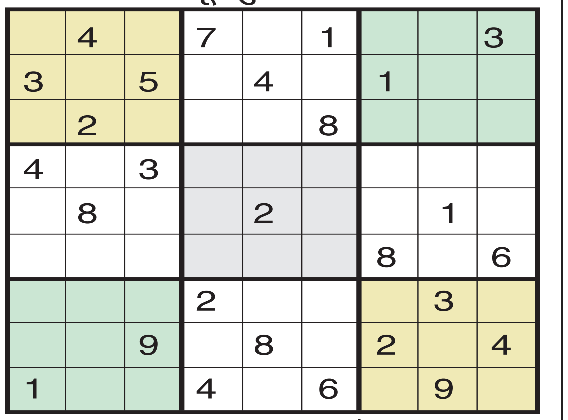

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3045 का हल

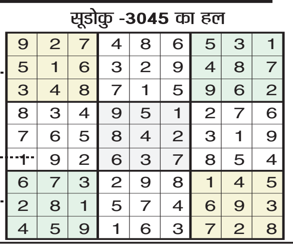

शब्द पहेली - 3046

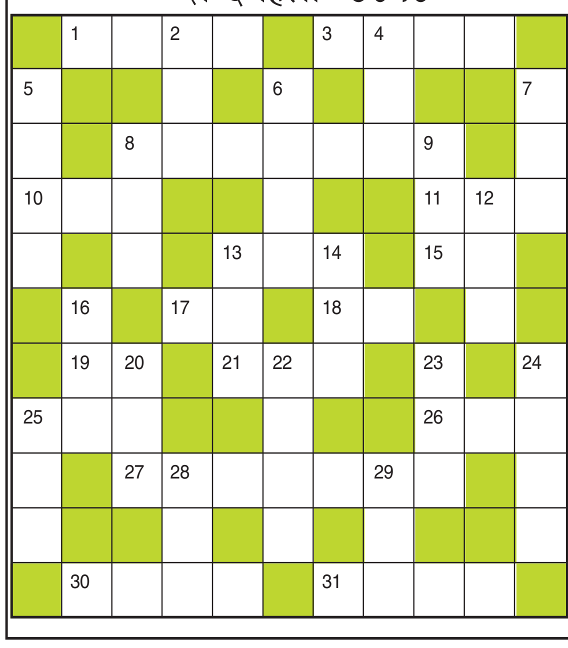

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3045 का हल

THE PHOTON NEWS

09 www.thephotonnews.com

Wednesday, 27 December 2023

भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट के दौरान जमकर हो सकती है बारिश

सेंचुरियन । भारतीय टीम और साउथ अफ्रीका के बीच आज 26 दिसंबर से टेस्ट मैचों की शुरुआत होने जा रही है। ले किन मौसम की अपडेट यह है कि कि मैच के दौरान बारिश हो सकती है। आज से दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच सेंचुरियन में भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 से शुरू होगा। मगर इस शहर का मौसम ठीक नजर नहीं आ रहा है। सेंचुरियन में मौसम का मिजाज देखते हुए ऐसा लग रहा है, जैसे इंद्रदेव इस टेस्ट मैच से नाराज हैं। दरअसल, 5 दिवसीय इस टेस्ट मैच के दौरान बारिश की आशंका है। शुरुआती दो दिनों का खेल तो पूरी तरह बारिश से धुलता दिखाई दे रहा है। हालांकि आखिर में मौसम जरुर साथ दे सकता है। आईएमडी के अनुसार सेंचुरियन में आज 26 दिसंबर को मौसम काफी खराब नजर आ रहा है। मौसम केन्द्र के मुताबिक, इस दिन बारिश की आशंका 96 प्रतिशत बताई जा रही है। पहले दिन हवाओं की गति भी 52 किमी/ घंटे की रहेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मोहन बागान और केरला ब्लास्टर्स में विपरीत फॉर्म वाली टीमों का मुकाबला होगा

कोलकाता,

मोहन बागान सुपर जायंट बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में इन-फॉर्म केरला ब्लास्टर्स एफसी से भिड़ने के लिए तैयार होंगे. मैरिनर्स नौ मैचों के बाद मुसीबत भरे हालात में फंसे हुए हैं, क्योंकि उन्हें पिछले दो मैचों में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों के हाथों हार मिली. जीत की पटरी से उतरने का यह सिलसिला मुम्बई में आइलैंडर्स के हाथों 2-1 की उनकी करारी हार के साथ शुरू हुआ और फिर एफसी गोवा ने मजबूत प्रदर्शन करके मैरिनर्स को उनके ही घर में 4-1 से मात दी. जुआन फेरान्डो को तमाम समस्याओं के जवाब ढूंढने के लिए ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाने की आवश्यकता होगी क्योंकि लगातार चोटों और प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण उनके पास एक कम क्षमतावान टीम रह गई है. दूसरी ओर, केरला ब्लास्टर्स एफसी एक ऐसी इकाई है जो इस सीजन में फॉर्म दिखा रही है और मैरिनर्स की लड़खड़ाहट के रूप में इस अवसर को लेकर उत्सुक नजर आ रही है. हेड कोच इवान वुकोमानोविच की देखरेख में खेलने वाली टीम ने कप्तान एड्रियन लुना की चोट की चिंताओं को दूर कर दिया है, क्योंकि अन्य वरिष्ठ और अनुभवी स्टार खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी संभाली है और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है. ब्लास्टर्स ने पिछले मैच में मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 के अंतर से हराया था, लेकिन क्या वे आगामी मुकाबले में भी उस तरह का दमदार प्रदर्शन को दोहरा पाएंगे? मैरिनर्स के पास इस हार के अनचाहे सिलसिले को तोड़ने और उन शीर्ष टीमों के करीब पहुंचने का मौका है जो इस समय अंक तालिका में उनसे सिर्फ एक स्थान ऊपर हैं. हालांकि, वे अगले मैच में ब्लास्टर्स से बेहतर प्रतिद्वंद्वी की उम्मीद नहीं कर सकते हैं, क्योंकि उनका केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ शानदार अपराजित रिकॉर्ड है जिसे फेरांडो आगामी मैच में जारी रखना चाहेंगे. आईएसएल में मैरिनर्स अपने छह मैचों में केरला ब्लास्टर्स एफसी को पांच बार हार चुके है और एक मुकाबला ड्रा रहा है. कप्तान एड्रियन लुना की अनुपस्थिति के बावजूद केरला ब्लास्टर्स एफसी पिछले मुकाबले में मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 से हराकर उत्साहित हैं. उन्होंने अपनी आक्रामकता में कमी का कोई संकेत नहीं दिखाया क्योंकि फॉरवर्डों ने दम दिखाया है और शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के अलावा दिमित्रियोस डायमंटाकोस और क्वामे पेप्राह की स्ट्राइकर जोड़ी ने एक-एक गोल करके अपनी सटीक क्षमता का प्रदर्शन किया. वुकोमानोविच के लिए अगले मैच में क्लीन शीट रखना राहत की बात होगी, क्योंकि उनकी टीम ने अपने पिछले दो मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है और आखिरी बार उनका यह सिलसिला दिसम्बर 2014 में तीन मैचों तक चला था.

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने भाग्य का साथ भी जरुरी : द्रविड़

सेंचुरियन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने के लिए टीम को बेहतर प्रदर्शन के साथ ही किस्मत का साथ भी चाहिये। भारतीय टीम पिछले 31 साल से यहां कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। भारतीय टीम ने साल 1992 में पहली बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। उसके बाद से ही टीम को यहां सीरीज जीत का इंतजार है। पिछले 31 साल में उस देश में आठ टेस्ट श्रृंखला में से एक को भी जीतने में सफल नहीं रही है। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में 23 टेस्ट में केवल चार जीते हैं। द्रविड़ ने कहा, 'हम कई बार जीत के करीब पहुंचे पर सफल नहीं हुए हालांकि हमने यहां कुछ अच्छी क्रिकेट खेली है। हम कुछ अहम पलों में हावी होने में सफल नहीं हुए। हमें कई बार ऐसा लगा कि अगर टीम ने यहां 40-50 रन और बनाए होते तो हम बेहतर हालत में रहते। कोच के अनुसार पहले पिछले दौरे पर जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन किया था उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम पिछले दौरे पर 1-0 की बढ़त बनाने के बाद भी अंत में लय बरकरार नहीं रखने के कारण् 1-2 से सीरीज हार गयी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने पिछले दौरे पर काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। इससे हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। अब हमारे गेंदबाजी आक्रमण के पास इन हालातों में 20 विकेट लेने की क्षमताएं हैं। द्रविड़ ने कहा, 'ऐसे में आपको थोड़े से भाग्य की भी जरूरत होती है, बहुत सारे अवसर होते हैं जो आपके हाथ से निकल जाते हैं। कई बार ऐसा होता है जब गेंद बल्ले के बेहद करीब से निकल जाती है।

आप चाहते हैं कि आपको किस्मत का साथ मिले और गेंद प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों के बल्ले का किनारा लेकर निकले। द्रविड़ ने साथ ही कहा, 'भाग्य का साथ भी तभी मिल सकता है जब आप अपने कौशल का अच्छा इस्तेमाल कर यह तय करें कि आप गेंद सही जगह पर फेंक रहे हैं। जब आवश्यक हो तो आप अपना अनुशासन और धैर्य बनाए रखें।

टेस्ट सीरीज में जीत पर भी विश्वकप की हार नहीं भूल सकेंगें : रोहित

सेचुरियन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले विश्वकप में मिली हार पर भी बात की। रोहित ने कहा यहां अगर टी टेस्ट सीरीज में जीत भी दर्ज करती है तो भी 2023 विश्व कप में मिली हार को उनकी टीम नहीं भूल सकती। रोहित से जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में हार के बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी उस हार से उबरने का प्रयास करेंगे पर ये आसान नहीं होगा। रोहित ने कहा, हमने दक्षिण अफ्रीका में कभी कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और अगर हम यहां ऐसा कर पाएंगे तो यह बहुत बड़ी बात होगी। मुझे नहीं पता कि क्या यह विश्व कप हार का दर्द कम कर सकेगा। अगर हम इसे हासिल कर लेते हैं तो यह एक अच्छी बात होगी। इतनी मेहनत की है तो कुछ तो मिलना ही चाहिए हमें। गौरतलब है कि भारतीय टीम आज तक दक्षिण अफ्रीका में कभी भी नहीं जीत पायी है। ऐसे में रोहित इस बार सीरीज जीतकर ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय कप्तान बनना चाहेंगे। रोहित ने यह भी माना कि इन दिनों इतना क्रिकेट हो रहा है कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ना ही पड़ता है। उन्होंने कहा, जिस तरह से हम खेले, आप एक कदम आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं। बदकिस्मती से, हम ऐसा नहीं कर सके। वह सबसे कठिन हिस्सा था। आपने देखा कि हम 10 मैच कैसे खेल पाए। उन्होंने कहा, फाइनल में हमने कुछ चीजें ठीक से नहीं की और इसलिए हम हार गए। यह कठिन है पर जीवन में, आगे बढ़ना ही होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चार नये खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गयी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरने वाली भारतीय टीम में चार नये खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है। भारतीय टीम इस दौरे में तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। हरमनप्रीत कौर दोनों ही प्रारुपों में कप्तान रहेंगी। वहीं अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना उप कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारतीय टीम में पहली बार श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक और टिटास साधु जैसी युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। स्पिनर कश्यप को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में लिया गया था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था अब देखना है कि उन्हें अंतिम ग्यारह में अवसर मिलता है या नहीं।

वहीं श्रेयंका ने इस महीने की शुरूआत में ही इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था जबकि सैका इशाक ने पहले महिला प्रीमियर लीग में मुंबई की टीम की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। एकदिवसीय सीरीज के सभी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय मैच 28 दिसंबर को जबकि दूसरा मैच 30 दिसंबर और तीसरा व अंतिम मैच दो जनवरी को खेला जाएगा। इसके बाद नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 5, 7 और 9 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी।

एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम इस प्रकार है :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देयोल।

टी20 टीम के लिए टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी महासंघ पर निलंबन का खतरा मंडराया

हटाये गये अध्यक्ष ने दी एफआईएच के पास जाने की धमकी

कराची । पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है। इसका कारण ये है कि पीएचएफ से हटाये गये खालिद सज्जाद खोकर ने कहा है कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर के इस फैसले के खिलाफ अदालत जाएंगे। इसके अलावा वह अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से भी इस मामले की शिकायत करेंगे। इससे पहले कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने पीएचएफ में बदलाव करते हुए नये अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी थी। खोकर साल 2015 से ही पीएचएफ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी और मीर तारिक हुसैन बुगाटी को नया अध्यक्ष बनाये जाने के फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। खोकर ने कहा, 'मैं अदालत की में जाऊंगा। साथ ही कहा कि जब तक यह असंवैधानिक और गैर कानूनी फैसला नहीं बदला जाता, तब तक मैं हार नहीं मानूंगा। उन्होंने कहा, 'मैं टकराव से बचना चाहता था पर अब मेरे पास अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और एफआईएच के पास जाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। खोकर जानते हैं कि एफआईएच नई नियुक्ति को सरकारी हस्तक्षेप मानकर पीएचएफ को निलंबित भी कर सकता है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुजीब , नवीन और फजलहक पर लगाया प्रतिबंध विदेशी लीग नहीं खेल पायेंगे

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने देश की जगह पर व्यक्तिगत हितों को अधिक महत्व देने के लिए तीन खिलाड़ियों मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी और नवीन उल हक पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब ये तीनों खिलाड़ी किसी भी विदेशी लीग में नहीं खेल पायेंगे। एसीबी ने इन तीनों खिलाड़ियों के साल 2024 के वार्षिक केंद्रीय अनुबंध को भी रोक दिया है। इसके अलावा अगले दो वर्षों के लिए तीनों खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं मिलेगा। इसके अलावा अगर पहले किसी लीग में खेलने के लिए उनके पास कोई एनओसी है तो उसे भी रद्द माना जाएगा। । एसीबी के अनुसार तीनों खिलाड़ियों ने हाल ही में बोर्ड को एक जनवरी 2024 से शुरू होने वाले वार्षिक केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने को कहा था। साथ ही फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति भी मांगी थी। बोर्ड के बयान में कहा, 'इन खिलाड़ियों ने टी20 लीगों और अन्य वाणिज्यिक लीगों में हिस्सा लेने के लिए केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किया थे। वे अफगानिस्तान के लिए खेलने की बजाय उनके व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दे रहे थे। इसी कारण ने इन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया गया है। इससे पहले मुजीब को हाल ही में आईपीएल नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो करोड़ में खरीदा था। वह इस समय मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम के साथ बीबीएल में हैं। नवीन आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हैं, और फजल हक फारूकी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में हैं। अब अब ये तीनों इन लीग मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे।

सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए अभ्यास शिविर आज से

34 खिलाड़ी भाग लेंगी

नई दिल्ली । ओलंपिक क्वालीफायर और हॉकी फाइव्स विश्व कप को देखते हुए हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए एक अभ्यास शिविर लगाया है। इस शिविर के लिए 34 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। ये सभी खिलाड़ी बुधवार से शुरु हो रहे इस कोचिंग शिविर में शामिल होंगी। इससे पहले भारतीय टीम ने स्पेन में पांच देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में 13 से 19 जनवरी तक होने हैं जिसमें भारतीय टीम पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ एक ग्रुप में है। वहीं पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीमें रहेंगी। इससे पहले भारतीय टीम ने रांची में महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था और अब उसे बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। वहीं भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने कहा, ''पांच देशों के टूर्नामेंट में खेलने से भारतीय टीम को अपनी कमजोरियों के बारे में पता चला है। जिन्हें अब इस अभ्यास शिविर में ठीक किया जाएगा। साथ ही कहा कि हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां सुधार हो सकता है। शिविर के दौरान इन पर काम करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद टीम रांची में दोबारा खेलने को लेकर उत्साहित है। इस दौरानहम अपने खेल को बेहतर करने पर ध्यान देंगे जिससे हम पेरिस ओलंपिक 2024 में क्वालीफाई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर सकें।'' अभ्यास शिविर के बाद भारतीय टीम मस्कट जाएगी जहां उसे 24 से 27 जनवरी तक हॉकी फाइव्स विश्व कप में खेलना है।

अभ्यास शिविर में भाग लेने वाली संभावित खिलाड़ी हैं:

गोलकीपर: सविता, रजनी एटिमार्पु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी

डिफेंडर: दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर

फॉरवर्ड: लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग।

खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने खुशी जतायी

नई दिल्ली । देश की शीर्ष महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने आजकल खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर खुशी जतायी है। अंजू ने इसके लिए मोदी सरकार की प्रशंसा की है। इसके साथ ही अंजू ने कहा कि मुझे ये देखकर लगता है कि मैंने गलत दौर में प्रतिस्पर्धा की थी। क्रिसमस के अवसर पर एक कार्यक्रम में विश्व चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में मैंने तकरीबन 25 वर्षों तक प्रतिस्पर्धा की और मैं बहुत सारे बदलाव देख रही हूं। जब मैंने 20 साल पहले भारत को पहला पदक दिलाया था तब मेरा विभाग भी मुझे पदोन्नति देने के लिए तैयार नहीं था।आज आज बदलाव साफ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन नीरज (चोपड़ा) के ओलंपिक पदक जीतने के बाद मैंने बदलाव देखे हैं। जिस तरह से हम जश्न मना रहे हैं उससे कभी-कभी मैं उनसे ईर्ष्या करने लगती हूं क्योंकि हमें ये सब नहीं मिला था। गौरतलब है कि पेरिस में 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता रही अंजू ने महिला सशक्तिकरण के बारे में कहा कि कैसे देश अब एथलीटों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाता है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर पर समय आने पर फैसला लेंगे : रोहित

जोहानिसबर्ग । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर सही समय पर फैसला लेंगे। वहीं जब रोहित से पूछा गया कि वह बल्लेबाज के तौर पर आने वाले दो साल में अपने को कहां देखते हैं। तो इसपर उन्होंने कहा, 'जो भी क्रिकेट मेरे लिए है, मैं खेलूंगा। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या आप और विराट कोहली टी20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं तो उन्होंने कहा, 'सभी को क्रिकेट खेलने की इच्छा रहती है। ऐसे में खिलाड़ी को जो भी अवसर मिले, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है। रोहित ने इस दौरान ये भी कहा कि विश्व कप फाइनल की हार को स्वीकार कर पाना टीम में सभी के लिए कठिन था पर आगे बढ़ने के लिए उन्हें इससे उबरना पड़ता ही है। उन्होंने कहा, 'विश्व कप फाइनल तक हम काफी अच्छा खेले पर खिताबी मुकाबले में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। इसी कारण वह मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, हमने विश्वकप के लिए कड़ी मेहनत की थी और हम पहले 10 मैच और फाइनल में कैसा खेले सभी ने देखा। ये सही है कि हम फाइनल में उम्मीद के अनुसार नहीं कर पाये जिसका हमें नुकसान उठाना पड़ा।

आईपीएल से हुआ भारतीय क्रिकेट का विकास : गंभीर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके शुरु होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट को काफी लाभ हुआ है और नई प्रतिभाएं सामने आयी हैं। साथ ही कहा कि अगर बीसीसीआई आईपीएल शुरु नहीं करता तो वह बड़ी भूल होती। गंभीर के अनुसार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली आईपीएल अब अपने 17वें संस्करण के लिए तैयार है। साथ ही कहा कि यह मार्की टी20 इवेंट घरेलू खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अहम मंच साबित हुआ है। इससे भारतीय क्रिकेट का काफी विकास हुआ है। इस बार की नीलामी में पंजाब किंग्स में शामिल होकर हर्षल पटेल (11.75 करोड़ रुपये) हासिल करने के साथ ही सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बनकर उभरे। वहीं अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में, समीर रिजवी ने सबसे अधिक बोली हासिल की। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि कुमार कुशाग्र को दिल्ली कैपिटल्स ने 7.2 करोड़ रुपए में खरीदा। नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा, जो लीग के नीलामी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फेंचाइजियों ने इस नीलामी में कुल 230.45 करोड़ रुपए में 72 खिलाड़ियों को चुना, जिनमें 30 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल थे।

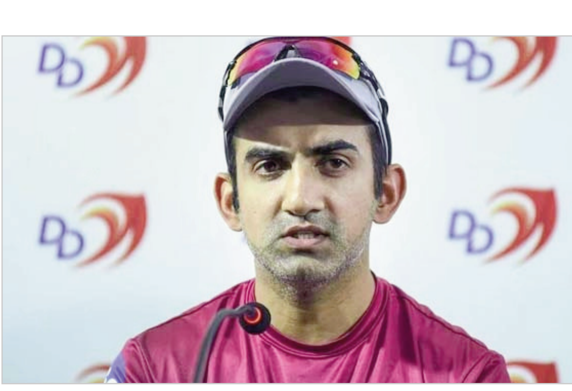

न्यूजीलैंड दौरे में पाक टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच होंगे यासिर

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व ऑलराउंडर यासिर अराफात को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए 'हाई परफॉर्मेंस कोच' नियुक्त किया है। यासिर साइमन हेल्मुट की जगह लेंगे, जो ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच हैं। अगले महीने न्यूजीलैंड में होने वाली 5 मैचों की इस सीरीज के लिए पीसीबी अपनी ओर से कोई कमी नहीं करना चाहता है। इसी लिए यासिर को अहम जिम्मेदारी दी गयी है। यासिर पाकिस्तान टीम के साथ ही न्यूजीलैंड दौर के लिए रवाना होंगे, ये सीरीज 12 जनवरी से खेली जाएगी। पाक चयनकर्ताओं ने पहले ही न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए अपनी 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी थी। इस सीरीज से टीम को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैयारी का अवसर मिलेगा। यासिर ने पाकिस्तान की ओर से अपने करियर में कुल 3 टेस्ट, 11 एकदिवसीय और 13 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 9, वनडे में 4 और टी20 में 16 विकेट हैं। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम एक अर्धशतक भी शामिल है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाक टीम इस प्रकार है।

शाहीन अफरीदी (कप्तान), आमिर जमाल, अब्बास अफरीदी, आजम खान, अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह खान, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम, साहिबजादा फरहान, साइम अयूब, उसामा मीर और जमन खान।

फ्रांस से लौटे 276 भारतीय

मुंबई । मानव तस्करी के शक में फ्रांस में 4 दिन रोका गया प्लेन बाद मंगलवार सुबह मुंबई ले आया गया। इसने 25 दिसंबर की शाम पेरिस के वाट्री एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। यह मंगलवार सुबह 4 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। सुबह करीब 4-30 बजे रिपोर्ट दी कि इस फ्लाइट से 276 लोग लौटे हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही इनसे पूछताछ की। वहीं, कई लोग मीडिया के सवालों का जवाब देने से बचने के लिए भागते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें ज्यादातर लोग पंजाब, गुजरात और दक्षिण भारत के हैं। पहले इस फ्लाइट के सोमवार दोपहर 2-20 बजे भारत आने की जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग देश वापसी नहीं करना चाहते थे। इस वजह से फ्लाइट के उड़ान भरने में देरी हो गई। इन लोगों ने फ्रांस में ही शरण देने की मांग की थी।

माता-पिता की सुरक्षा पाना बेटी का अधिकार-होई कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि जैसे मां बच्चे की देखभाल करने में सक्षम है, फिर चाहे वह बेटा हो या बेटी। वैसे ही पिता भी संतान की परवरिस करने में सक्षम है। इसलिए केवल जेंडर के आधार पर पिता को बेटी की देखभाल के लिए अक्षम मानना पूरी तरह से अनुचित है। कोर्ट ने आगे कहा कि हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं कि बेटी माता-पिता दोनों का साथ पाने की हकदार है। अभिभावक की सुरक्षा और देखभाल पाना बेटी का बुनियादी मानवाधिकार है। इससे उसे वंचित नहीं किया जा सकता है। इस तरह कोर्ट ने पत्नी को 15 दिन के भीतर बेटी की कस्टडी पिता को सौंपने का निर्देश दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद पत्नी के वकील ने अदालत से अपने फैसले पर 6 सप्ताह के लिए रोक लगाने का आग्रह किया। ताकि वह सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। इसके मद्देनजर कोर्ट ने चार सप्ताह तक के लिए अपने फैसले पर रोक लगा दी। इस दौरान बेटी की कस्टडी मां के पास रहेगी। कोर्ट ने कहा कि यदि पत्नी बेटी के साथ अमेरिका जाने की इच्छुक हो, तो वह अपने वकील के माध्यम से पति को इसकी जानकारी दे सकती है। कोर्ट ने पति को निर्देश दिया कि वह प्रति माह पत्नी को 500 यूएस डालर दे, जो उसके निजी खर्ज के लिए होंगे। जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और जस्टिस गौरी गोडसे की बेंच ने ग्रीनकार्ड धारक एक बच्ची के पिता की याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा कि इस मामले में बच्ची के पिता का इरादा नेक नज़र आ रहा है। मां का बेटी को पिता के स्नेह से अनुचित तरीके से वंचित करना ठीक नहीं है। पत्नी अमेरिका नहीं जाना चाहती है। उसने यह तय कर लिया है। केवल इस आधार पर पिता को उसकी बेटी से दूर नहीं किया जा सकता है। भारत में पति के खिलाफ जारी तलाक की कार्यवाही बेटी को अमेरिका न ले जाने की अनुमति न देने का वैध आधार नहीं हो सकती है। याचिका में पति ने मांग की थी कि उसकी पांच साल की बेटी को अमेरिका ले जाने की अनुमति देने की मांग की थी।

आरबीआई ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

-निर्मला सीतारमण और शक्तिकांत दास के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद आरबीआई के ऑफिस में हडकंप मच गया है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को खिलाफत इंडिया के होने का दावा किया है। ईमेल में मुंबई में 11 जगहों पर बम रखने की धमकी दी है। आरबीआई ऑफिस को एक धमकी भरा ईमेल आया, जिसमें कई जगहों पर बम रखने का दावा किया गया था। सूत्रों ने बताया कि ईमेल में लिखा था कि आरबीआई ऑफिस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में बम रखा गया है। ईमेल के माध्यम से आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की गई। मुंबई में कुल 11 जगह बम रखे होने की धमकी दी गई है। इस ईमेल के मुताबिक, धमाका आज दोपहर डेढ़ बजे के करीब होना था। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। पुलिस ने सभी जगह जाकर जांच की लेकिन कहीं भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इस संदर्भ में एमआरए मार्ग पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला द्वारा जबरन पति की नपुंसकता जांच करवाना मानसिक क्रूरता : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में पति-पत्नी के विवाद में एक अनोखा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला का अपने पति पर यह आरोप लगाना कि दफ्तर की महिला संग उसके चक्कर है, एक तरह की मानसिक क्रूरता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई महिला अपने पति की मर्दानगी के बारे में आरोप लगाती है, पति को नपुंसक कहती है और नपुंसकता जांच के लिए मजबूर करती है, तब वह भी मानसिक क्रूरता है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा अपने पति की मर्दानगी के बारे में आरोप लगाना बहुत निराशाजनक और मानसिक रूप से दर्दनाक हो सकता है जो अंततः पति की मानसिक क्रूरता और उत्पीड़न में योगदान देता है। पीठ ने कहा कि दहेज की मांग का आरोप लगाना, विवाहेतर संबंधों के आरोपों के साथ-साथ पति को नपुंसकता परीक्षण से गुजरने के लिए मजबूर करना और उस महिलावादी कहना मानसिक पीड़ा और आघात पैदा करने के लिए पर्याप्त हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अपीलकर्ता (पत्नी) की स्वीकारोक्ति से यह स्थापित होता है कि प्रतिवादी को नपुंसकता परीक्षण से गुजरना पड़ा, जिसमें वह फिट पाया गया। यह स्पष्ट रूप से, किसी व्यक्ति की मर्दानगी के बारे में इस तरह के दावे और आरोप न केवल निराशाजनक हैं बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए इस स्वीकार करना मानसिक रूप से दर्दनाक भी है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में निष्कर्ष निकाला कि पति के खिलाफ पत्नी का आरोप लापरवाही भरा, अपमानजनक, और निराधार था, और वह सार्वजनिक तौर पर जीवनसाथी की छवि को खराब करने वाला और अत्यधिक क्रूरता वाला कृत्य है। अदालत ने क्रूरता के आधार पर तलाक देने के पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला की अपील याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं हैं। इस जोड़े की शादी साल 2000 में हुई थी और उनका एक बेटा भी है। उनकी शादी के शुरुआती सालों में ही विवाद पैदा हो गए थे। पति का आरोप है कि पत्नी हमेशा बुरा-भला कहती थी। वह लोगों को बताती थी कि उसकी सास उस पीटती है और उसके पति के विवाहेतर संबंध हैं और उसके परिवार ने दहेज लिया है। पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उसका जबरन नपुंसकता जांच भी करवाया, जिसमें वह पास हो चुका था।

अंजू का कबूलनामा : नसरुल्ला से कर चुकी है निकाह

-भविष्य में पाकिस्तान जाना चाहती हूं

जयपुर । पाकिस्तान में अपने प्रेमी नसरुल्ला के साथ करीब 4 महीने रहने के बाद लौटी अंजू ने पहली बार अपने सीमा पार रिश्ते का पूरा सच कबूल किया है। अंजू ने पहली बार स्वीकार किया है कि वह नसरुल्ला से निकाह कर चुकी है। अब तक अंजू अपना निजी मामला बताकर निकाह की बात को ना स्वीकार कर रही थी और ना ही खारिज करती थी। अंजू ने कहा है कि वह अभी नसरुल्ला और अरविंद दोनों की पत्नी है। भिवाड़ी में पहले पति अरविंद और दो बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान गई अंजू ने कहा कि फेसबुक के द्वारा उसकी दोस्ती नसरुल्ला से हुई थी। कुछ दिनों फेसबुक पर बात करने के बाद दोनों वॉट्सएप पर बात करने लगे और दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। अंजू ने कहा कि उसका पति अरविंद के साथ रिश्ता ठीक नहीं चल रहा था। नसरुल्ला के साथ उसके रिश्ते के बारे में उसकी बेटी जानती थी। अंजू ने कहा कि पाकिस्तान जाते वक्त उसने किसी को नहीं बताया था, क्योंकि ऐसा करने पर उसे जाने नहीं दिया जाता। अंजू कहती रही थी कि वह पाकिस्तान सिर्फ घूमने के लिए गई थी। लेकिन पहली बार अंजू ने कहा है कि वह नसरुल्ला से शादी करने के लिए पाकिस्तान गई थी। पाकिस्तान जाने के चार दिन बाद ही नसरुल्ला से इस्लामिक रीति-रिवाज के मुताबिक निकाह कर लिया था। अंजू ने कहा कि वह शादी के कुछ दिन बाद ही वापस भारत लौटना चाहती थी लेकिन माहौल सही नहीं होने और घरवालों के नाराज होने की वजह से उसे 4 महीने 8 दिन तक पाकिस्तान में रहना पड़ा। अंजू ने स्वीकार किया है कि उसने अपना धर्म बदल लिया है। अंजू ने साफ कहा, हां, मैंने शादी करने के लिए धर्म बदल लिया है। जाहिर सी बात है जिसके साथ शादी कर रहे हैं, उसका धम...। अंजू ने कहा कि अभी वह दिल्ली के पास कहीं रह रही है और दोनों बच्चे भी उसके साथ ही हैं। अंजू ने कहा कि उसकी पहले पति अरविंद से अभी मुलाकात नहीं हुई है। लेकिन फोन पर बातचीत हुई है। भविष्य को लेकर अंजू ने कहा कि उसने अभी तलाक की प्रक्रिया शुरू नहीं की है। लेकिन संकेत दिए कि वह भविष्य में ऐसा कर सकती है। अंजू ने कहा कि वह आगे नसरुल्ला के साथ ही रहना चाहती है।

ममता बनर्जी को उनके ही गढ़ में घेरने की तैयारी में बीजेपी, अमित शाह-नड्डा ने बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को भाजपा के पश्चिम बंगाल डिवीजन ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए 15 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति की स्थापना की। प्रमुख सदस्यों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित राज्य के कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। समिति ने आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए मंगलवार को कोलकाता में एक बैठक की। अमित शाह और जेपी नड्डा मंगलवार को कोलकाता पहुंचे जहां हवाई अड्डे पर पार्टी सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

समिति के मुख्य सदस्य हैं- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, राज्य पार्टी प्रमुख सुकांत मजूमदार, सांसद दिलीप घोष, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, अमिताभ चक्रवर्ती, सतीश ढांड, मंगल पांडे और आशा लोकरा। समिति में पांच महासचिव भी हैं, जिनमें सांसद लॉकेट चटर्जी, आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा पॉल, जगन्नाथ चटर्जी, जतिर्मय सिंह महत और दीपक बर्मन शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा क्षेत्र हैं। 2019 में, तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें जीतीं, लेकिन भाजपा से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जिसने 18 सीटें जीतीं। बाकी दो सीटें कांग्रेस के खाते में गईं। आगामी चुनावों के लिए, अमित शाह ने 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है और नए साल से पहले पार्टी सदस्यों के साथ रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। भाजपा पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में भी पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगाई थी।

विधानसभा चुनाव में पार्टी 200 प्लस का लक्ष्य लेकर चली थी। हालांकि वह 77 सीटें ही जीत सकी। हालांकि, पार्टी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा और उसने लगभग 38 फ़ीसदी वोट को प्राप्त किया था। 2024 चुनाव में भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल जरूरी है। 18 तो वह जीतना चाहती ही हैं, साथ ही 35 प्लस के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर देखें तप पश्चिम बंगाल को लेकर भाजपा लगातार नए प्लान बना रही है और उसे जमीन पर रणनीति के तहत उतारने की कोशिश में है। ऐसे में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की भी मुश्किल पढ़ने वाली है।

फारूक अब्दुल्ला ने चेताया, भारत-पाक के बीच नहीं हुई बात तो गाजा-फलस्तीन जैसा होगा हश्र

जम्मू । नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत नहीं होती है तो कश्मीर का हश्र गाजा और फलस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल द्वारा बमबारी की जा रही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्वी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। अगर हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रवत रहेंगे तो दोनों प्रगति करेंगे। नेकां अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी ने भी यह कहा है कि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है और मामले में बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। तो उन्होंने पूछा कि बातचीत कहां है। उन्होंने आगे कहा, नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या कारण है कि हम बात करने के लिए तैयार नहीं हैं ? यदि हम बातचीत के माध्यम से कोई समाधान नहीं ढूंढते हैं, तो हमारा हश्र गाजा और फिलिस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल बमबारी कर रहा है...।

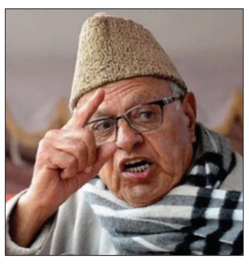

टैक्सपेयर्स के पैसे की बेशर्मी से बर्बादी, खरगे ने सेल्फी बूथ को लेकर मोदी सरकार को बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर पीएम मोदी की तस्वीरों के साथ सेल्फी बूथ स्थापित करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह करदाताओं के पैसे की खुलेआम बर्बादी है। मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत प्रदान नहीं की है। विपक्ष शासित राज्यों की मनरेगा निधि भी लंबित है। लेकिन इसमें इन सस्ते चुनावी स्टंटों पर उदारतापूर्वक सार्वजनिक धन खर्च करने का दुस्साहस है ! खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेल्फी बूथ पर मध्य रेलवे द्वारा सूचना के अधिकार की प्रतिक्रिया साझा की गई है।

मुंबई स्थित एक कार्यकर्ता के अनुरोध के जवाब में, मध्य रेलवे ने उन स्टेशनों को सूचीबद्ध किया जहां क्रमशः ?1.25 लाख और ?6.25 लाख की अनुमोदित लागत पर अस्थायी और स्थायी सेल्फी बूथ स्थापित किए गए थे। खरगे ने पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार द्वारा आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है ! रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करके करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी। इससे पहले, सशस्त्र बलों को मोदी जी के प्रमुख कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी पॉइंट स्थापित करने का आदेश देकर हमारे बहादुर सैनिकों के खून और बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया था।

अक्टूबर में दिल्ली में रेलवे बोर्ड ने सितंबर में 19 जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को स्टेशनों पर सेल्फी बूथ लगाने के लिए कहा था। टिकाऊ 3डी फाइबर मूर्तियों, ऐक्रेलिक बोर्ड, ग्लास और एकीकृत प्रकाश व्यवस्था के साथ डिजाइन किए जाने वाले ये बूथ फाइबर, मिट्टी या प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) जैसी सामग्रियों से तैयार की गई 3डी मूर्तियां प्रदर्शित करते हैं।

ओपिनियन पोल में इस राज्य में पीएम मोदी पर भारी पड़े राहुल गांधी

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी, कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। अगले साल होने वाले आम चुनाव के लिए मुद्दों, उम्मीदवारों से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक की रणनीति बननी शुरू हो गई है। इस बीच देशभर में ओपिनियन पोल किया है। ओपिनियन पोल में लोगों के मतदान, लोकसभा चुनाव में मुद्दे से लेकर कई सवाल पूछे गए हैं। ओपिनियन पोल में सीधे पीएम चुनने को लेकर भी सवाल किया गया। इस चुनाव में देश के सभी राज्यों में नरेंद्र मोदी राहुल गांधी पर भारी दिखे। हालांकि, सर्वे में एक राज्य ऐसा भी था जहां पीएम के रूप में राहुल गांधी नरेंद्र मोदी पर भारी पड़े। दरअसल ओपिनियन पोल सर्वे में लोगों से सवाल किया गया कि अगर सीधे प्रधानमंत्री चुनना हो तब वे नरेंद्र मोदी या राहुल गांधी में से किसे चुनने वाले हैं। सर्वे में पीएम मोदी यूपी, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, गुजरात से लेकर गोवा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारी पड़े। हिमाचल प्रदेश में मोदी को 72 प्रतिशत तब राहुल को महज 26 फीसदी लोग ही पीएम के रूप में देखना चाहते थे। सर्वे में पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य था जहां राहुल गांधी नरेंद्र मोदी पर भारी पड़े। सर्वे ने दिखाया कि पंजाब के लोगों के दिल में राहुल गांधी कितने बसे हुए हैं। सर्वे में 36 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को सीधा प्रधानमंत्री के रूप में चुनने की बात कही। वहीं, नरेंद्र को प्रधानमंत्री के रूप में देखने वाले लोगों 35 प्रतिशत थे।

भारत ने अरब सागर में तैनात किए 3 वॉरशिप

-ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस आईएनएस इंफाल नौसेना में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती घुसपैठ के बीच नया स्टील्थ गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस इंफाल वॉरशिप भारतीय नौसेना में शामिल हो गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस इंफाल को मुंबई डॉकयार्ड में कमीशंड किया। यह वॉरशिप नौसेना की पश्चिमी कमान में शामिल होगा। यह डिस्ट्रॉयर वॉरशिप सतह से सतह पर मार करने वाली 8 बराक और 16 ब्रह्मोस एंटीशिप मिसाइल, सर्विलांस रडार, 76एमएम रैपिड माउंट गन, एंटी सबमरीन टॉरपीडो से लैस है। रक्षा मंत्रालय के मुंबई स्थित शिपयार्ड मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स लिमिटेड ने इंफाल को बनाया है। वहीं भारतीय नौसेना ने अरब सागर में 3 युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। इनमें आईएनएस मोरमुगाओ, आईएनएस कोलकाता और आईएनएस कोच्चि शामिल हैं। इसके अलावा लगातार निगरानी और इलाके के बारे में जानकारी बनाए रखने के लिए पी-8आई विमान को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा पश्चिमी नेवल कमांड मैरीटाइम ऑपरेशन सेंटर भी दूसरी एजेंसियों और कोस्ट गार्ड के साथ इलाके में निगरानी करेगा।

इस वॉरशिप को बंदरगाह और समुद्र में टेस्टिंग के बाद 20 अक्टूबर 2023 को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया था। इंफाल पहला वॉरशिप है, जिसका नाम नॉर्थ ईस्ट के एक शहर पर रखा गया है। इसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल 2019 को मंजूरी दी थी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि 23-24 दिसंबर को पहले एम/वी केम प्लूटो और फिर साईबाबा जहाज पर हुए हमलों की जांच की जा रही है। भारत सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है। इन हमलों के लिए जो भी जिम्मेदार है, उन्हें समुद्र की गहराइयों से भी ढूंढ निकाला जाएगा। आईएनएस इम्फाल से जुड़े एक इवेंट में रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने समुद्री इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। हमले के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई जरूर की जाएगी। दरअसल, 23 दिसंबर को मेंगलुरु आ रहे एक मर्चेंट वेसल केम प्लूटो पर हिंद महासागर में ड्रोन से हमला किया गया था। केम प्लूटो जहाज सोमवार को मुंबई के तट पर पहुंचा। इसके बाद नौसेना ने इसकी जांच की। उन्होंने बताया कि जहाज पर हमला तब हुआ था जब यह भारत के तट से 400 किमी दूर था। नेवी ने कहा- जहाज पर जो मलबा मिला है, उससे इस बात की पुष्टि होती है कि उस पर ड्रोन से हमला किया गया था।

दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले... स्कूल जाने वाले छात्रों के अभिभावक चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश और दुनिया में कोरोना संक्रमण के मामलों में फिर से इजाफा हो रहा है। फिर से देश में भी कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। देश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के कुल 412 मामले सामने आए है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखकर अब अभिभावक भी परेशान हो गए है। स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावक कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सकते में आ गए है। इसी बीच अभिभावकों ने मांग शुरू कर दी है कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी को देखकर स्कूलों को संबंधित दिशा निर्देश जारी करने चाहिए। इस बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि दिल्ली में तीन से चार कोरोना संक्रमण के मामले रोजाना देखने को मिल रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली इस वायरस से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण के सब वेरिएंट जेएन.1 के 63 मामले सामने आए थे। देश भर में वेरिएंट जेएन.1 के सबसे अधिक मामले 34 हैं, जो कि गोवा में देखने को मिले है। इस बीच अभिभावक भी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे मामलों की स्थिति को देखकर गंभीर हो गए है। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के पेरेंट्स एसोसिएशन के सदस्य ने बताया कि शहर में अभिभावकों के लिए स्थिति गंभीर नहीं बल्कि डरावनी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को स्वतः संज्ञान लेकर एहतियाती कदम उठाने चाहिए और सामाजिक दूरी और मास्क सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम व्यक्तिगत रूप से अपने बच्चों पर मास्क थोपने की कोशिश करते हैं, तब इसका कोई फायदा नहीं होगा

आम चुनाव से पहले नीतिश का बड़ा दांव....4 लाख शिक्षकों को तोहफा

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार कैबिनेट की बैठक हुई, इसमें कुल 29 प्रस्तावों पर मुहर लगी। मंत्रिमंडल की बैठक में नीतीश सरकार ने नियोजित शिक्षकों को नए वर्ष का बड़ा तोहफा दिया। बताया जाता है कि इसका फायदा बिहार के लगभग 4 लाख शिक्षकों को मिलेगा। जल्द ही शिक्षा विभाग की ओर से सक्षमता परीक्षा आयोजित की जाएगी, उसके बाद नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाएगा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 29 प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली, 2023 को मंजूरी मिली। इस नियमावली के गठन के बाद वर्तमान में पंचायतीराज और नगर निकाय संस्था अंतर्गत नियुक्त, कार्यरत टीचर और पुस्तकालयाध्यक्ष को फायदा मिलेगा।

बिहार में करीब पौने चार लाख नियोजित शिक्षक लंबे समय से राज्यकर्मी का दर्जा पाने की मांग कर रहे थे। लोकसुभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश ने इसपर मुहर लगा दी है।

हालांकि सभी शिक्षक राज्यकर्मी तब कहलाएंगे जब वह बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित सक्षमता परीक्षा को पास कर लेगा। इसतरह के पौने 4 लाख शिक्षक यह परीक्षा देगा। रिजल्ट आने पर इसमें उत्तीर्ण होने वाले सभी शिक्षकों विशिष्ट शिक्षक का दर्जा दे दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जल्द ही शिक्षा विभाग की ओर से सक्षमता परीक्षा आयोजित की जाएगी। उसके बाद नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दे दिया जाएगा। इस फैसले के साथ-साथ कैबिनेट में 29 और एजेंडा पर मुहर लगाई गई है। शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक को खाली पदों पर दो महीने के भीतर भर्ती करने का निर्देश दिया था और कहा थी कि राज्य के सभी नियोजित शिक्षकों को सरकारी कर देंगे. दूसरी तरफ जिन नियोजित शिक्षकों ने बीपीएससी परीक्षा पास कर ली है, उन्हें परीक्षा देने की जरूरत नहीं होगी।

बिहार पर्यटन नीति-2023 को मंजूरी

नियोजित शिक्षक लंबे समय से राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना समग्र समावेशी विकास और निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए बिहार पर्यटन नीति-2023 को स्वीकृति दी गई।

लोकसभा चुनाव से पहले ईवीएम बनेगी सियासी मुद्दा, जानकार करा रहे होमवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब ईवीएम राजनैतिक दलों के निशाने पर है। हारने वाले इसका विरोध करते हैं तो जीतने वाले समर्थन। खामियां हैं भी या नहीं है इसको लेकर फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं है। लेकिन ये जरुर है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में ईवीएम का मुद्दा जरुर उठेगा। इसकी आशंका इसलिए है कि तकनीकी के जानकार ईवीएम में छेड़छाड की संभावना व्यक्त कर रहे है। मतलब राजनैतिक दलों के लिए ऐसी संभावनाओं से भरा होमवर्क सियासी हथियार के तौर पर उपयोग हो सकता है।राजीव गांधी के मित्र और देश में सूचना क्रांति के जनक कहे जाने सैम पित्रोदा उर्फ सत्यनारायण विश्वकर्मा यूपीए सरकार में भी ज्ञान आयोग के चेयरमैन रहे हैं। उनका कहना है कि ईवीएम को अपने हिसाब से कंट्रोल किया जा सकता है। उसमें दखल संभव है। सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत में इस समय उपयोग की जा रही ईवीएम मशीन स्टैंड अलोन मशीन नहीं है। ईवीएम मशीन के साथ जब वीवीपैट मशीन को जोड़ा गया था, तभी से समस्या शुरू हुई। वीवीपैट एक अलग डिवाइस है, जिसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर होता है। वीवीपैट को ईवीएम से जोड़ने के लिए एक स्पेशल कनेक्टर इस्तेमाल किया जाता है। इसे एसएलयू कहते हैं। यह एसएलयू बहुत से सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि एसएलयू कनेक्टर ही वीवीपैट में यह दिखाता है कि किस बटन से बीजेपी को वोट मिला, किस बटन से कांग्रेस को और किस बटन से अन्य को। वोटिंग से पहले इसे प्रोग्राम किया जाता है। एसएलयू जोड़ने के बाद ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन नहीं रह जाती। इसमें हर तरह के वह काम किए जा सकते हैं, जिनकी बात हो रही है। इसलिए हम चाहते हैं कि वीवीपैट से जो पर्ची निकलती है, वह अभी थर्मल प्रिंटर से निकलती है और उसे कुछ हफ्ते तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है। उसकी जगह ऐसा प्रिंटर इस्तेमाल किया जाए, जिससे निकली पर्ची को अगले 5 साल तक सुरक्षित रखा जा सके।

सैम पित्रोदा ने कहा कि राजनीतिक दलों को ईवीएम के खिलाफ आंदोलन चलाना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान चलाना चाहिए। जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। जरूरत पड़े तो नौजवानों को इसके खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करना चाहिए। राजनीतिक दलों को ईवीएम से चुनाव के बहिष्कार के विकल्प पर भी विचार करना चाहिए। राहुल गांधी ईवीएम के मुद्दे को लेकर गंभीर हैं। इस पर मेरी उनसे बातचीत हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये पर्ची केवल कुछ समय के लिए ही वोटर को ना दिखाई दी जाए, बल्कि एक कागज पर प्रिंट होकर उसे मिले, जिसे वह अलग से रखे एक बॉक्स में वोट के रूप में डाल सके। यह बॉक्स किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से जुड़ा ना हो।

उसके बाद बक्से में डाली गई वोट की पर्चियों की गिनती की जाए। उन्होंने कहा कि भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों के टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ईवीएम में निश्चित तौर पर कुछ समस्या है, लेकिन भारतीय निर्वाचन आयोग और सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। एक प्रोफेशनल होने के नाते मैं कह रहा हूं कि जरूरी नहीं है कि हेराफेरी की ही गई हो, लेकिन मुझे पूरी आशंका है कि ईवीएम में हेराफेरी की जा सकती है। मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकता कि ईवीएम में सबकुछ ठीक है। ईवीएम को लेकर विश्वास का संकट खड़ा हो गया है।

हमास की नई सुरंग में आईडीएफ को मखमली गद्दों वाले बेड, हाईटेक बॉथरूम और असला मिला

गाजा। गाजा में इजरायल चल रही जंग भयावह होती जा रही है। इस लड़ाई में इजरायल के 1200 से कुछ अधिक लोगों की मौत हुई है। इजरायली हमले में करीब 20 हजार फिलिस्तीनी जान गंवा चुके हैं। गाजा की जंग में इजरायल हमास की जड़ें खोखली कर रहा है। अब इजरायली सेना ने हमास की नई सुरंग खोजी है। इस सुरंग के अंदर आईडीएफ को मखमली गद्दों वाले बेड, हाईटेक बॉथरूम और हथियारों का असला मिला है। इज़राइल रक्षा बलों ने रविवार को खुलासा किया कि उसे गाजा शहर के पास जबालिया शरणार्थी शिविर के नीचे एक बड़े हमास सुरंग नेटवर्क मिला। यह वही जगह है जहां इस महीने की शुरुआत में 5 इजरायली बंधकों के शव बरामद किए गए थे। इजरायली सेना गाजा में हमास के अंडरग्राउंड कमांड सेंटरों पर लगातार छापेमारी कर रही है। इजरायल के मुताबिक हमास ने गाजा में जमीन के अंदर कमांड सेंटरों का मकड़जाल बनाकर रखा है जहां से वह इजरायल के खिलाफ हमलों का जवाब दे रहा है। आईडीएफ ने कहा है कि उसने उत्तरी पट्टी में आतंकवादी समूह हमास के भूमिगत कमांड सेंटर को नष्ट करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। हाल ही में आईडीएफ ने सुरंगों के भीतर समुद्री पानी छोड़ा था। अब छापेमारी करके लगातार कार्रवाई कर रहा है। आईडीएफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडलर पर एक वीडियो पोस्ट किया है। हमास की इन सुरंगों के अंदर बेडरूम बने हैं हाईटेक बॉथरूम हैं और हथियारों-गोला बारूद का जखीरा है। ये सुरंगें आपस में कनेक्ट हैं। इजरायल के ताजा हमले में 166 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हमास ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने एक ही रात एयर स्ट्राइक में 70 से अधिक आम लोगों को मार डाला। इसमें अधिकतर बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। उधर आईडीएफ का कहना है कि वह इन दावों की जांच कर रहा है कि पट्टी के केंद्र में दीर अल-बलाह के पूर्व में मघाजी शिविर में इजरायली हवाई हमले में दर्जनों लोग मारे गए थे। एक रिपोर्ट यह भी है कि हमास के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपनी प्रारंभिक मृत्यु संख्या 70 को घटाकर 68 कर दी है। गाजा में मृतकों की संख्या को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

अफगानिस्तान में छठी कक्षा पास करते ही सदमें में आ जाती हैं छात्राएं

काबुल। जहां पढ़ाई में उत्साह होना चाहिए वहीं अफगानिस्तान में छठी कक्षा पास करते ही छात्राएं सदमें में आ जाती हैं। हालांकि साल भर पढ़ाई करने के बाद किसी कक्षा में उत्तीर्ण होना आमतौर पर छात्रों के लिए खुशी का सबब होता है लेकिन अफगानिस्तान में स्थिति इसके विपरीत है। यहां तालिबान के दमनकारी शासन में रह रही छात्राएं छठी कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आगे नहीं पढ़ सकतीं। अफगानिस्तान की बहारा रुस्तम (13) काबुल स्थित बीबी रजिया स्कूल में 11 दिसंबर को आखिरी बार स्कूल गई। उसे पता है कि उसे अब आगे पढ़ने का अवसर नहीं दिया जाएगा। तालिबान के शासन में वह फिर से कक्षा में कदम नहीं रख पाएगी। दो दशक तक चले युद्ध के बाद अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बलों के सितंबर 2021 में अफगानिस्तान से लौटने के एक महीने पश्चात तालिबान ने घोषणा की कि लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ने पर प्रतिबंध होगा। महिलाओं के लिए दमनकारी तालिबानी कदमों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचना हुई और तालिबान को चेतावनी दी गई है कि इस प्रकार के प्रतिबंधों के कारण उसके लिए देश के वैध शासक के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त करना लगभग असंभव हो जाएगा। इसके बावजूद तालिबान महिलाओं पर लगातार प्रतिबंध लगा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत रोजा ओटुनबायेवा ने पिछले हफ्ते चिंता व्यक्त की थी कि अफगान लड़कियों की एक पीढ़ी हर रोज पिछड़ती जा रही है। अफगान शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने पिछले सप्ताह कहा था कि सभी उम्र की अफगान लड़कियों को मदरसों में पढ़ने की इजाजत होगी। इन मदरसों में परंपरागत रूप से केवल लड़के ही पढ़ते हैं। काबुल में रहने वाली 13 वर्षीय सेतायेश साहिबजादा अपने भविष्य को लेकर चिंतित है और अपने सपनों को साकार करने के लिए स्कूल नहीं जा पाने के कारण उदास है।

नॉर्थ कोरिया में क्रिसमस पर बैन

सियोल। दुनियाभर में क्रिसमस की धूम है। इस बीच एक देश ऐसा भी है, जहां क्रिसमस पर बैन लगा है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया में कई तरह के प्रतिबंधों के बीच ईसाई धर्म पर भी बैन है। इस वजह से लोग क्रिसमस सेलिब्रेट नहीं करते। इसके बावजूद अमेरिका से कुछ एक्टिविस्ट समुद्र के रास्ते से लोगों के बीच खुशियां भेजने की कोशिश कर रहे हैं। एक्टिविस्ट्स ने यलो सी में कुछ गिफ्ट फेंके हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये तोहफे जल्द नॉर्थ कोरिया के तटीय शहरों तक पहुंचेंगे।

अमेरिका ने इराक में तीन जगहों पर हवाई हमले किए

वॉशिंगटन। गाजा पट्टी पर इजरायल के हमलों के बीच अमेरिका ने भी क्रिसमस के मौके पर एक नया मोर्चा खोल दिया है। अमेरिका ने इराक में तीन जगहों पर हवाई हमले किए हैं। इन जगहों का इस्तेमाल ईरान समर्थक फोर्स कर रही थीं। इनमें से एक ठिकाने पर हिजबुल्लाह के लड़ाके भी जमे हुए थे। इससे पहले अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाते हुए हमला हुआ था, जिसमें तीन सैनिक घायल हुए थे। उसी का बदला लेते हुए अमेरिका ने यह कार्रवाई की है। हमले को लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि यह जरूरी और सही कार्रवाई थी। ऑस्टिन ने एक्स पर हमले की जानकारी देते हुए लिखा, जो बाइडेन के आदेश पर अमेरिका ने हिजबुल्लाह और उससे जुड़े समूहों के इराक स्थित तीन ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरान समर्थित उग्रवादी संगठनों ने पिछले दिनों इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर अटैक किए थे। ये हमले उसका ही जवाब हैं। इस हमले में तीन अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए जो बाइडेन सरकार एक इंच भी पीछे नहीं हटेगी और किसी भी ऐक्शन से परहेज नहीं होगा। बयान में कहा गया कि अमेरिका, सैनिकों और देश के हितों के लिए राष्ट्रपति बाइडेन और मैं जरूरी कार्रवाई से हिचकेंगे नहीं। इससे ज्यादा हमारी कोई प्राथमिकता नहीं है। हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अपने बचाव में जरूर आएंगे। दरअसल कतैब हिजबुल्लाह एक शिया उग्रवादी संगठन है। इसकी स्थापना 2007 में की गई थी। माना जाता है कि इसके पीछे ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स का हाथ है।

गाजा में पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है : अमेरिकी सांसद कोर्टेज

वॉशिंगटन। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कोर्टेज ने गाजा पट्टी में हुए हमले की एक तस्वीर साझा की जिसमें मलबे में दबा एक बच्चा था। उन्होंने लिखा की वह गाजा और कब्जे वाले क्षेत्रों में निर्दोषों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गाजा में पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है।

हालाकि इस्राइल और हमास के बीच जारी जंग से इस बार गाजा में क्रिसमस नहीं मनाया गया। इसी को लेकर अमेरिका की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो कोर्टेज ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की जिसके बाद उन्हें आलोचना का शिकार होना पड़ा। कोर्टेज ने स्टोरी पर लिखा था कि यीशु मसीह के जन्मस्थान के रूप में माने जाने वाला फलस्तीन आज इस्राइल के हमलों का सामना कर रहा है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कोर्टेज ने गाजा पट्टी में हुए हमले की एक तस्वीर साझा की थी जिसमें मलबे में दबा एक बच्चा दिखा। उन्होंने लिखा की वह गाजा में निर्दोषों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मसीह का जन्म फलस्तीन में हुआ था जहां आज मासूमों का नरसंहार हो रहा है। वह एक ऐसे क्रूर प्रशासन का निशाना बने थे जो आम लोगों को मार रही थी। मैरी और जोसेफ को हिंसा की वजह से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उसके बाद वो एक नवजात शिशु के साथ एक दिन घर वापस लौटने की आस करते रहे। उन्होंने कहा कि आज हजारों साल बाद दक्षिणपंथी ताकतें हिंसक रूप से बेथलेहम पर कब्जा कर रही हैं जो फलस्तीन के इतिहास को सामने ला रहा है। बेथलेहम में ईसाई समुदाय ने अपनी सुरक्षा और सम्मान के डर से इस साल के क्रिसमस की पूर्व संध्या समारोह को रद्द कर दिया। फिर भी हिंसा वाली जगह पर पवित्र बच्चे पैदा हो रहे हैं। किसी भी पहचान और किसी भी स्थान से पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है। विशेष रूप से गाजा के बच्चे। उन्होंने कहा कि यह त्योहार असहाय लोगों के साथ खड़े होने के बारे में है। क्रिसमस और ईसा मसीह की पूरी कहानी गरीबों और शक्तिहीन, शरणार्थियों, आप्रवासियों, बहिष्कृत और गलत समझे जाने वाले लोगों के साथ बिना किसी अपवाद के खड़े होने के बारे में है। अब डेमोक्रेटिक नेता का पोस्ट वायरल हो रहा है। उनकी काफी आलोचना हो रही है। एक यूजर का कहना है कि वह बिल्कुल बेकार हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने क्रिसमस पर खूब मस्ती की और इस बकवास में शामिल होने में अपना समय बर्बाद नहीं किया। यह मूर्खता है।

बेलग्रेड में डेमोक्रेटिक पार्टी के सरडिजन मलोजोविक सिटी पुलिस स्टेशन के सामने संबोधित करते हुए। इस दौरान यहां विरोध प्रदर्शन भी चल रहा था।

पाक में पहली बार हिंदू महिला विधानसभा चुनाव लड़ेगी

-25 साल की डॉक्टर सवीरा प्रकाश, बिलावल की पार्टी पीपीपी ने टिकट दिया

इस्लामाबाद। 25 साल की डॉक्टर सवीरा प्रकाश को बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया है। सवीरा बुनेर जिले से चुनाव लड़ेंगी। उनके पिता ओम प्रकाश ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान में पहली बार कोई हिंदू महिला विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

सवीरा ने खैबर पख्तूनख्वा की पीके-25 सीट से नॉमिनेशन फाइल कर दिया है। इसके अलावा सवीरा ने महिलाओं के लिए रिजर्व एक सीट के लिए भी नॉमिनेशन फाइल किया है। पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और चार राज्यों की प्रोवेंशियल असेंबलीज के लिए 8 फरवरी को वोटिंग होगी।

पार्टी सांसद ने प्रेरणा दी

खैबर की एक सीट से रूबीना खालिद सीनेटर हैं। उन्होंने सवीरा को चुनाव लडने का हौसला और प्रेरणा दी। इसके बाद पीपुल्स पार्टी ने सवीरा को बुनेर जिले से टिकट देने का फैसला किया। खुद रूबीना ने इसका ऐलान किया। सवीरा के पिता ने कहा- मेरी बेटी सवीरा काबिल कैंडिडेट है। वो 8 फरवरी का चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा रिजर्व सीट से भी उसकी दावेदारी तय है। ओम प्रकाश खुद भी रिटायर्ड डॉक्टर हैं। वो 35 साल से पीपीपी के सदस्य हैं।

रुस का बड़ा दावा कहा- हथियार बनाने में हम सबसे आगे

मॉस्को (एजेंसी)। इस वक्त पूरी दुनिया में हथियार बनाने की होड़ लगी हुई है। सभी को लगता है कि ज्यादा से ज्यादा हथियार रखेंगे तो सुरक्षित हो जाएंगे। इसी सोच के चलते चीन और उत्तर कोरिया के अलावा कई देशों ने घातक हथियारों का जखीरा बनाना शुरु कर दिया है। यूक्रेन-रुस और हमास-इजराइल के बीच चल रही जंग ने इस सोच को और अधिक बढ़ावा दिया है। रुस के मंत्री ने खुले आम दावा किया है कि वो हथियारों के मामले में दुनिया से कम नहीं है। कुछ इसी तरह का इशारा करते हुए रूस के शीर्ष मंत्री डेनिस मंटुरोव ने कहा है कि हथियारों के उत्पादन में पश्चिम की तुलना में रूस का दबदबा है और वह इस बढ़त को बनाए रखने का इरादा रखता है।

हथियार उत्पादन को लेकर हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा है कि तोपखाने, ड्रोन, टैंक और बख्तरबंद वाहनों को बढ़ाने पर उनका ध्यान है। पश्चिम के कुछ नेताओं की ओर से भी कहा गया है कि एक तरफ रूस और चीन तो दूसरी तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों के होने की वजह से एक नए शीत युद्ध के हालात पैदा हो गए हैं। रूस में हथियार उत्पादन का काम देख रहे मंत्री मंटुरोव ने आगे कहा कि मैं घमंड नहीं करना चाहता लेकिन कह सकता हूं कि हमने पश्चिमी देशों की तुलना में पहले काम करना शुरू कर दिया और हथियार उत्पादन की गति पकड़ ली। अब हम उनसे काफी आगे निकल गए हैं। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला कर दिया था, जिसने यूरोप में रूस और पश्चिम देशों के बीच एक गहरे टकराव को जन्म दे दिया है।

पश्चिम के देश यूक्रेन को समर्थन दे रहे हैं तो रूस लगातार पीछे ना हटने की बात कह रहा है। यूक्रेन के युद्ध क्षेत्रों में रूसी सेना को हराने के प्रयास में यूक्रेन और उसके पश्चिमी समर्थकों ने हथियारों का उत्पादन बढ़ा दिया है। दूसरी ओर रूस ने भी अपने हथियारों का उत्पादन बढ़ाया है। मंटुरोव ने कहा, हमें हथियार भंडार को फिर से भरना होगा और उत्पादन की दर को बनाए रखना होगा। 2023 में स्टेट रक्षा ऑर्डर की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी हो गई है और कुछ हथियारों का उत्पादन दस गुना तक बढ़ गया है। हथियारों के उत्पादन को देखने वाले डेनिस मंटुरोव ने एक तरफ पश्चिमी देशों की तुलना में रूस से बढ़त लेने की बात कही है, वहीं उन्होंने हथियारों की होड़ के लिए पश्चिम देशों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जहा तक पश्चिमी देशों की बात आती है तो मैं उनके लिए बोलना नहीं चाहूंगा। सवाल यह है कि यह दौड़ कितने समय तक चलेगी।

संसद में भाषण के दौरान नेतन्याहू को बंधकों के परिजनों ने रोका

-बातचीत के दौरान जमकर हुई नारेबाजी, नेतन्याहू ने मांगा और समय

तेल अवीव (एजेंसी)। विशेष संसदीय सत्र के दौरान नेतन्याहू ने बंधकों के परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान नेतन्याहू ने उन परिवारों से ऐसा कुछ कह? दिया कि वे भड़क गए और पीएम को बीच में टोकते हुए नारेबाजी करने लगे। मिली जानकारी के अनुसार लोगों ने नेतन्याहू को ऐसी बात कह दी जिससे वह और उनके संसदीय साथी भी हैरान रह गए लेकिन, किसी तरह नेतन्याहू ने लोगों को शांत करने की कोशिश की। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गाजा में बंधकों के परिवार के सदस्यों से नाराजगी झेलनी पड़ी। सोमवार को एक विशेष संसदीय सत्र के दौरान नेतन्याहू लोगों से मिल रहे थे। अपने भाषण में नेतन्याहू ने लोगों से कहा कि वे जीत मिलने तक गाजा में रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने लोगों से उनके प्रियजनों को जल्द लाने का आश्वासन दिया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें इसके लिए और समय चाहिए। एक तरफ नेतन्याहू अपना भाषण दे रहे थे तो दूसरी ओर अपने प्रियजनों की तस्वीरों और नामों के साथ पोस्टर लिए लोग उन्हें सुन रहे थे। नेतन्याहू के समय मांगने पर परिवारों ने असहमति व्यक्त की।

इस दौरान भीड़ में से एक ने कहा कि हमारे पास समय नहीं है। एक आवाज के साथ ही भीड़ ने भी चिल्लाना शुरू कर दिया। वे एक साथ चिल्लाने लगे- हमे हमारे अपने अभी चाहिए। इस तरह संसद के भीतर जोरदार नारेबाजी चलने लगी। इस घटना से नेतन्याहू कुछ देर के लिए चुप हो गए। वहीं सुरक्षाकर्मियों ने शोर मचा रहे लोगों को शांत कराने की कोशिश की। फिर नेतन्याहू ने बोलना शुरू किया। नेतन्याहू ने अपना दृढ़ संकल्प दोहराते हुए कहा कि हमारे बच्चे व्यर्थ नहीं मरे हैं। हमें तब तक युद्ध नहीं रोकना है जब तक हम उन लोगों पर पूरी जीत हासिल नहीं कर लेते जो हमें मारना चाहते हैं। जब नेतन्याहू लोगों को संबोधित कर रहे थे तो कुछ परिवार उखड़े हुए नजर आए। भीड़ में से एक ने पीएम से कहा- मेरी बेटी 80 दिनों से उनके कब्जे में है। मेरे लिए हर एक मिनट नरक जैसा लग रहा है। अगर आपका बेटा उनके पास होता तो! जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

भारत और रुस के संबंध हमेशा मजबूत रहेंगे : जयशंकर

मास्को (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत से पहले कहा है कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। जयशंकर रूस के नेतृत्व के साथ बैठक करने के लिए रूस की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ विभिन्न द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होनी हैं। उन्होंने कहा कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को हमेशा सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। जयशंकर ने कहा कि कनेक्टिविटी, बहुपक्षवाद, बड़ी शक्ति प्रतिस्पर्धा और क्षेत्रीय संघर्षों पर भी चर्चा की गई। जयशंकर ने कहा कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को हमेशा सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बावजूद भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत बने रहे।

आर्थिक जुड़ाव से संबंधित मामलों पर चर्चा के लिए उनका रूस के उप प्रधान मंत्री और उद्योग और व्यापार मंत्री डेनिस मंटुरोव से मिलने का कार्यक्रम है। वह द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए अपने रूसी समकक्ष लावरोव के साथ भी बातचीत करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने जयशंकर की यात्रा से पहले नई दिल्ली में कहा, समय-परीक्षणित भारत-रूस साझेदारी स्थिर और लचीली बनी हुई है और विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की भावना की विशेषता बनी हुई है।

युद्ध के कारण गाजा में भुखमरी के हालात

-22 लाख आबादी को खाने की कमी; खाने के लिए लाइन में 10 घंटे तक इंतजार

गाजा पट्टी (एजेंसी)। इजराइल और हमास के युध्द के कारण गाजा में भुखमरी जैसे हालात हो गए है। गाजा की 90 प्रतिशत आबादी खाने की कमी से जूझ रही है। लोगों को खाने के लिए लाइनों में 10 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। उधर, इजराइल और हमास की जंग थमने की एक और उम्मीद को बड़ा झटका लगा है। हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकी संगठनों ने इजिप्ट के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें कहा गया था कि अगर ये दोनों संगठन गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत को सौंप देते हैं तो इजराइल परमानेंट सीजफायर कर देगा। दूसरी तरफ, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा का दौरा किया। बाद में कहा- हम फिर साफ कर देना चाहते हैं कि इजराइली सेना इस जंग को तब तक बंद नहीं करेगी, जब तक वो यहां से हर आतंकी संगठन का कब्जा खत्म नहीं कर देती।

इजिप्ट में कई दिनों से हमास, इस्लामिक जिहाद और कुछ इजराइली अफसरों के बीच बातचीत चल रही थी। इसका मकसद गाजा में परमानेंट सीजफायर कराना था। इजिप्ट ने हमास और इस्लामिक जिहाद के सामने प्रस्ताव रखा था कि अगर वो परमानेंट सीजफायर चाहते हैं तो दो शर्तें माननी होंगी। पहली- तमाम बंधकों को फौरन रिहा करना होगा। दूसरी- गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत या संगठन को सौंपनी होगी। दोनों ही संगठनों ने यह मांग खारिज कर दी। हमास के एक नेता ने कहा- इजिप्ट वाले हमारे भाई हैं, लेकिन उनकी दोनों बातें नहीं मानी जा सकतीं। सबसे पहले तो इजराइली हमले बंद होने चाहिए। इसके बाद कोई बातचीत हो सकेगी। इसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल होगी। इस बातचीत में कतर भी शामिल था।

गाजा के स्कूल से हथियार बरामद

इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने गाजा सिटी के दाराज और तुफा इलाकों में रेड की। इस दौरान एक स्कूल से घातक हथियार और फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली जैकेट्स बरामद की गईं। एक इजराइली अफसर ने कहा- हमास के एक आतंकी ने पूछताछ में हमें इस स्कूल के बारे में बताया था। हालांकि, जब हमारी टीम ने वहां छापा मारा तो न सिर्फ हथियार और सुसाइड जैकेट्स मिले, बल्कि कई आतंकी भी गिरफ्तार किए गए। ये सभी लोग स्कूल और बाजू के एक कॉम्पलेक्स में छिपे थे। इजराइली सेना का मानना है कि नॉर्थ गाजा के दाराज-तुफा में हमास की जो बटालियन मौजूद है, वो इस इलाके में मौजूद आतंकी संगठन का आखिरी दस्ता है। रेड में सैकड़ों बंदूक, हैंड ग्रेनेड और 15 फिदायीन जैकेट्स बरामद हुईं। इजराइली सेन ने इसका वीडियो और फोटो भी जारी किए हैं। कुछ दिन पहले इजराइली सेना पर इसी स्कूल से मिसाइल दागी गई थी। इसमें दो इजराइली सैनिक मारे गए थे।

चीन में पड़ रही कड़ाके के सर्दी....बर्फीले तूफान से जीवन अस्त-व्यस्त

-साल 1951 में पड़ी थी इसतरह की सर्दी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। खासकर बीजिंग में तापमान शून्य से बहुत नीचे पहुंच गया है। बीजिंग में बर्फीले तूफान ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

इसके पहले साल 1951 में बीजिंग में इस तरह की सर्दी पड़ी थी जहां बर्फीले तूफान और माइनस तापमान ने लोगों की जीना मुश्किल किया था। चीन में पिछले सप्ताह से रिकॉर्ड तोड़ ठंड महसूस की जा रही है।

आर्कटिक से आ रही ठंडी हवाओं के चलते पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में तापमान शून्य से 40 सेल्सियस (शून्य से 40 फारेनहाइट) नीचे पहुंच गया है। बता दें, बीजिंग में सर्दी का 72 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

बीजिंग में मौसम वेधशाला के मुताबिक, 11 से 24 दिसंबर के बीच 300 घंटे से अधिक समय तक तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में राजधानी ने लगातार नौ दिनों तक शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया।

शेडोंग प्रांत के किंगझोउ में झरने जम गए हैं। चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। वहीं, शेनयांग में हुनहे नदी में पेड़ों की टहनियों पर बर्फ की मोटी-मोटी पर्तें नजर आ रही हैं।

मध्य चीन के हेनान प्रांत और बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम वाले इलाकों में गर्मी प्रदान करने वाली सिस्टम फेल हो गए हैं। जियाओजुओ शहर में थर्मल पावर सप्लायर ज्यादा डिमांड की वजह से बंद हो चुके हैं। जियाओजुओ वांगफांग एल्यूमिनियम मैन्यूफैक्चरिंग में हीटिंग बॉयलर्स हैं, जो इस समय खराब हो चुके हैं। अब वहां गर्म पानी की सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लगातार ठंड के कारण हेनान प्रांत में ऊर्जा आपूर्ति पर तनाव पड़ रहा है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें भयंकर ठंड के चलते कुछ हीटिंग बॉयलर खराब हो गए हैं।

सालार ने पठान और जवान को बॉक्स ऑफिस पर रौंदा

प्रभास की लेटेस्ट फिल्म साहो इस साल की बम्पर कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। इस फिल्म ने इस साल धूम मचाने वाली फिल्मों पठान और जवान जैसी फिल्मों को पछाड़ दिया है। ऐसा लग रहा है कि आदिपुरुष की असफलता के बाद एक्टर की ये फिल्म इतिहास रचने जा रही है।

सालार का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म साहो से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले प्रभास लंबे समय से एक हिट फिल्म के लिए तरस रहे थे। उनकी पिछले फिल्में साहो के अलावा राधे श्याम और आदिपुरुष भी अपना जादू चला पाने में असफल रही। अब प्राभास अपनी लेटेस्ट फिल्म सालार के साथ हाजिर हैं और ऐसा लग रहा है कि उन्हें जिस सफलता का लंबे समय से इंतजार था वो ये फिल्म पूरा करने जा रही है। सालार ने रिलीज होते ही तलहका मचा डाला है और ये फिल्म इस साल के सारे रेकॉर्ड को तोड़ते हुए 90.7 करोड़ रुपये की ओपनिंग केवल भारत में कर डाली है। प्रभास की इस फिल्म की कमाई ने बॉक्स ऑफिस पर पठान और जवान जैसी फिल्मों को रौंद डाला है। आइए जानते हैं रविवार को फिल्म ने कितनी कमाई की है। प्रभास और श्रुति हासन की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया है। साल 2023 ने जाते-जाते भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के नाम एक ऐसी फिल्म कर दी है, जो कमाई के मामले में रोज नया इतिहास रचने जा रही है। हालांकि, ओपनिंग की बात करें तो प्रभास की सालार अभी उनकी पिछली फिल्म बाहुबली का रेकॉर्ड नहीं तोड़ पाई। सालार ने तीन दिनों के भीतर ही 200 करोड़ का आकड़ा पार कर लिया है।

पठान और जवान को सालार ने दी धोबी पछाड़

बता दें कि करीब 250 करोड़ के बजट में बनी प्रभास की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। ये कलेक्शन इस साल बॉलीवुड की सबसे हिट फिल्म जवान को पछाड़ डाला है, जिसने तीन दिनों में 206.06 करोड़ का कलेक्शन किया था।

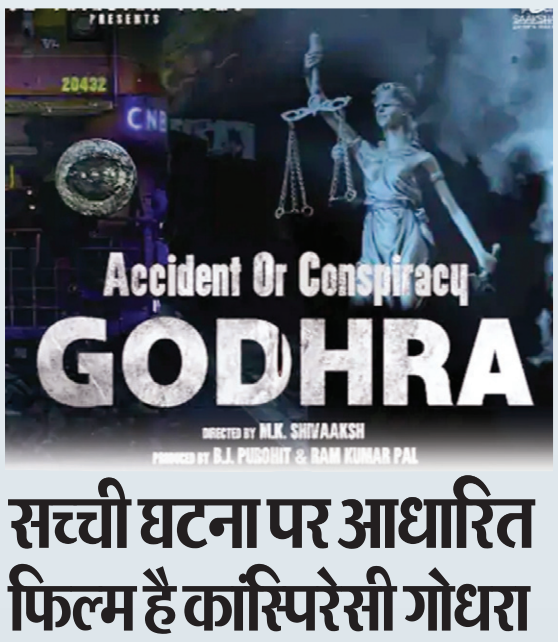

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है कांस्पिरेसी गोधरा

सत्य घटना से प्रेरित फिल्म एक्सीडेंट या कांस्पिरेसी गोधरा के निर्माता बी.जे. पुरोहित और निर्देशक एम.के. शिवाक्ष हैं। मुख्य किरदार रणवीर शौरी, मनोज जोशी, हितु कनोडिया, डेनिशा घुमरा, अक्षिता नामदेव, गुलशन पाण्डेय, गणेश यादव, राजीव सुरति आदि ने निभाया है। फिल्म का विषय गोधरा कांड की जांच के लिए गठित की गई नानावटी जांच आयोग की जारी रिपोर्ट पर आधारित है। इसके जरिए निर्माता घटना की सच्चाई बताना चाहते हैं। फिल्म संदेश देती है कि दंगा हमेशा गलत होता है। ऐसी नौबत ही न आए कि कोई दंगा हो। हमारी पूरी टीम एक्सीडेंट या कांस्पिरेसी गोधरा' फिल्म के सब्जेक्ट पर पिछले पांच-छह साल से काम कर रही है। पहले गोधरा में ट्रेन बर्निंग और उसके बाद गुजरात दंगा हुआ। इन दोनों के लिए नानावटी मेहता इंक्वायरी कमीशन बैठा था, उसकी जो रिपोर्ट आई थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने जजमेंट दिया था। बेसिकली, यह पूरी फिल्म नानावटी मेहता कमीशन बेस्ड कोर्ट रूम ड्रामा है। फिल्म का फ्लैशबैक दंगे के रीजन पर आती है और उसके बारे में इंक्वायरी करती है कि कैसे हुआ? कहाँ से यह उठा? इसके मास्टरमाइंड कौन थे? कौन प्लान किया था? इसके रिकॉर्डिंग विजुअल चलता है। फिल्म में बहुत सारी ऐसी चीजें भी हैं, जो पब्लिक डोमेन में नहीं हैं, पर उनका प्रूफ हमारे पास है। हम किसी के सपोर्ट या खिलाफ में फिल्म नहीं, बल्कि सच पर बनायी हैं, इसलिए बोला कि यह इंक्वायरी कमीशन पर बेस्ड फिल्म है।

मल्टीस्टारर फिल्मों में नहीं काम करना चाहते नए हीरो

'गोलमाल' सीरीज की फिल्मों, 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'सिंघम', 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' जैसी धमाकेदार फिल्मों के निर्देशक रोहित शेट्टी मानते हैं कि हिंदी सिनेमा अब भी देश के बड़े तबके तक पहुंच नहीं पा रहा है। रोहित का ये भी कहना है कि हिंदी फिल्म जगत के शीर्षस्थ लोगों में एकता नही है और नई पीढ़ी के कलाकार मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करने से झिझकते है। एक इंटरव्यू में रोहित शेट्टी याद दिलाते हैं कि पहले दो तीन हीरो के साथ कितनी फिल्में बनती थी। लेकिन, अब के मैनेजर भी ये बात नही समझते और अभिनेताओं को असुरक्षित महसूस करवाते हैं। सलमान खान, शाहरुख खान और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों ने भी मल्टी स्टारर फिल्मों में काम किया है। 'दृश्यम' इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। रोहित शेट्टी कहते हैं, 'हम सांस्कृतिक तौर पर जुड़े हुए नहीं हैं। अगर हम जुड़ पाएं तो हिंदी सिनेमा एक सशक्त इंडस्ट्री होगी। हम बहुत मजबूत इंडस्ट्री हैं लेकिन हम अपनी कुशलता और शक्ति को पहचानने में असफल हैं। अगर हम साथ आएं तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं। दर्शक हमसे प्रेम करते हैं और हम समाज में कई बदलाव ला सकते हैं। हम इस बारे में सोच ही नहीं रहे कि थियेटरों की संख्या को कैसे बढ़ाया जाए। सरकार के साथ मिलकर कैसे बदलाव लाया जाए? 140 करोड़ के देश में हम हम दस करोड़ लोगों तक भी पहुंचने में असमर्थ हैं।' रोहित शेट्टी इन दिनों अपने पुलिस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी खास किरदारों में नजर आएंगे। करीना कपूर फिल्म की हीरोइन हैं। इसके अलावा रोहित शेट्टी की पहली वेब सीरीज 'द इंडियन पुलिस फोर्स' भी अगले साल ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है प्रभास की सालार, 162 करोड़ लेकर प्रशांत नील ने की डिजिटल डील

सालार की ओटीटी रिलीज डेट को लेकर अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स का दावा है कि कुछ हफ्तों बाद प्रभास और प्रशांत नील की फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। जानिए कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शक इसे देख पाएंगे। साथ ही सालार की ओटीटी राइट्स की जानकारी भी समझिए। आखिरकार प्रभास और प्रशांत नील की चर्चित फिल्म सालार पार्ट वन सीजफायर रिलीज हो ही गई है। जिसमें हाई ऑक्टेन एक्शन और मारकाट की खूब चर्चा हो रही है। वहीं दूसरी ओर सालार की ओटीटी रिलीज के लिए भी फैंस एक्साइटिड हो गए हैं। प्रभास का हर फैन जानना चाहता है कि आखिर सालार कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। तो अब इससे जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें सालार की डिजिटल रिलीज की डील की बात कही गई है। 22 दिसंबर 2023 को सालार सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। ये वो मौका है जब हिंदी बेल्ट में शाहरुख खान की डंकी भी एक दिन पहले ही सिनेमाघरों में दस्तक देती है। अब दो बड़ी फिल्मों में से फैंस किसे चुनते हैं ये इनके कलेक्शन से साफ साफ पता चलता है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सालार की डिजिटल रिलीज के लिए नेटफ्लिक्स के साथ डील हुई है। इसके लिए ओटीटी ने मेकर्स को भारी-भरकम रकम भी अदा की है। यानी ये कि सालार थिएट्रीकल रिलीज के बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। हालांकि अभी तक इस बारे में ऑफिशियल डिटेल सामने नहीं आई है।

कितने करोड़ में हुई सालार की ओटीटी डील

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सालार के ओटीटी राइट्स 162 करोड़ रुपये में बिके हैं। कहा जा रहा है कि सालार ने इस मामले में रिकॉर्ड बना लिया है। अभी तक किसी भी साउथ इंडियन प्रोजेक्ट को ओटीटी राइट्स में ऐसी भारी भरकम रकम नहीं मिली है।

रणबीर की मां का रोल निभाने वाली चारु शंकर ने अपने किरदार को लेकर की बात

रणबीर कपूर स्टारर एनिमल इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और अनिल कपूर की प्रमुख भूमिकाओं वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट साबित हुई है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की सोशल मीडिया पर जबर्दस्त चर्चा हो रही है। कई लोग फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। तो कई इसकी आलोचना कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर की मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री चारु शंकर ने हाल ही में बताया कि उन्होंने रणबीर से एक साल बड़ी होने के बावजूद यह भूमिका क्यों निभाई। चारु शंकर ने हाल ही में एक बातचीत में बताया, हम दोनों में केवल एक साल अंतर है। उन्होंने कहा, एक अभिनेत्री के तौर पर मैं ये किरदार करने से क्यों मना करूंगीं। यह एक मौका था, जो बेहद ही रोमांचक मौका था। मैं कलाकारों को जानती थी, जब संदीप ने कहानी सुनाई तो मुझे पता चला कि फिल्म क्या है। मुझे लगा कि यह बहुत दिलचस्प है, बहुत अलग है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं चाहता हूं कि आप मेरी फिल्म में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मैं चाहता हूं कि आप फिल्म में बहुत जल्दी यह स्थापित कर दें कि फिल्म का केंद्रीय संघर्ष क्या है। फिल्म में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और अनिल कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी भी अहम भूमिका में हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म से तृप्ति के कई बोल्ड सीन वायरल हुए। एनिमल शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। एनिमल पहले ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

कमांडो-3 के सेट पर विद्युत को सुनाया था क्रैक का आइडिया

हाल में विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल, नोरा फतेही, एमी जैक्सन स्टारर फिल्म क्रैक- जीतेगा तो जिएगा का टीजर लॉन्च हुआ। एक्सट्रीम स्पोर्ट्स जोनर की इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य दत्त हैं। फिल्म की 90 पर्सेंट शूटिंग पोलैंड और 10 पर्सेंट मुंबई में हुई है। स्टार्स और कुत्ते-भेड़िए के साथ शूट हुई इस एक्शन फिल्म की मेकिंग आदि के बारे में डायरेक्टर आदित्य दत्त ने बातचीत की।

साल 2019 में विद्युत जामवाल के साथ कमांडो-3 शूट कर रहा था, उस समय क्रैक- जीतेगा तो जिएगा का आइडिया विद्युत के साथ शेयर किया था। विद्युत को कहानी का आइडिया बेहद पसंद आया था। उन्होंने कहा कि इसे साथ मिलकर बनाते हैं। वहां से बात शुरू हुई और हमने स्क्रिप्ट लिखी। इस आइडिया को डेवलप करते-करते लॉकडाउन लग गया। उस दौरान इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया था। तकरीबन दो-तीन साल इसकी स्क्रिप्ट लिखने में लग गए। एक्शन को नए जोन के अंदर लेकर जाना था, क्योंकि यह फिल्म लीगल एक्सट्रीम स्पोर्ट्स पर आधारित है। इसमें अपनी जान दांव पर लगाने वाला खेल है, इसलिए फिल्म का नाम क्रैक- जीतेगाज तो जिएगा रखा है। यह गेम के अंदर का बहुत बड़ा रूल है। इसमें साइकिलिंग, स्केटिंग, माउंटेन क्लाइंबिंग, स्काई डाईविंग आदि ऑटोमेटिक एक्सट्रीम स्पोर्ट्स की चीजें दिखेंगी। इसमें मार-धाड़ कम और एक्सट्रीम स्पोर्ट्स की दुनिया ज्यादा है।

इस फिल्म का ज्यादातर हिस्सा पोलैंड में और कुछ हिस्सा मुंबई में शूट किया गया है। यह मुंबई और पोलैंड की कहानी है। यह 90 पर्सेंट पोलैंड की फिल्म है। दरअसल कहानी मुंबई से शुरू होती है और फिर पोलैंड जाती है। मेरे हिसाब से फिल्म 67 से 70 दिनों में शूट की गई है। क्रैक के पोस्ट प्रोडक्शन पर अभी काम चल रहा है। जल्द ही समय पर रिलीज के लिए फिल्म तैयार हो जाएगी।

फिल्म में कुत्ते और भेड़िए दिखाई देंगे

फिल्म में कुत्ते और भेड़िए, दोनों मिक्स हैं। कुत्ते और भेड़िए को पोलेंड में ट्रेन किया है। वहां पर इनकी ट्रेनिंग में दो महीने का वक्त लगा। उसके बाद फिल्म शूट की गई। भेड़िए और कुत्तों को मिलाकर फिल्म में तकरीबन 200 जानवर इस्तेमाल किए गए हैं। जानवरों को हैंडल करना काफी मुश्किल काम होता है। अब्रॉड में एक आदमी दस-दस, बीस-बीस जानवरों को हैंडल करता है। इसमें जानवरों की शूटिंग बड़े प्लानिंग के साथ की गई है। उनके साथ दो-तीन घंटे से ऊपर शूट नहीं कर सकते। यह सब रिस्ट्रिक्शन रहते हैं। उस प्रोटोकॉल के हिसाब से हमने भी शूट किया।

एक्शन सीन के लिए स्टार्स को दो महीने की ट्रेनिंग दिलाई गई थी

फिल्म में काम करने वाले स्टार्स को काफी ट्रेनिंग दिलाई गई है। कम से कम दो से तीन महीने इनकी ट्रेनिंग में लगे होंगे। टीजर में जानवरों के साथ एक्शन सीन है, पारकर, साइकिलिंग, स्पीड कंट्रोल, जंपिंग आदि काफी सारी चीजों की ट्रेनिंग दी गई है। ऐसी फिल्म शूट करने के लिए एक्टर, डायरेक्टर सहित पूरे क्रू मेंबर को फिजिकल स्ट्रेंथ की जरूरत होती है। इसमें ऐसा ड्रामा सीन नहीं होता कि एक्टर आए और परफॉर्म करके चले गए।

विद्युत जामवाल अपने एक्शन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने सारे एक्शन सींस खुद किए हैं। अगर उनको बताया जाता था कि कोई सीन अनसेफ है, तो इस पर वे कहते थे कि मैं इसके लिए ही जाना जाता हूं। ये मेरा टैलेंट है। उनका मानना है कि अगर कोई सीन एक स्टंटमैन कर सकता है, तब मैं भी कर सकता हूं। अगर वह करने वाला है, तब उससे अच्छा मैं ही अपना शॉट कर लूं। बड़े पर्दे पर अपने दर्शकों और फैंस को जो रियल दिखाने में मजा है, वह डुप्लीकेट में कहां हैं। कहानी लिखने के दौरान स्टार के चेहरे सामने आते रहते हैं। अर्जुन रामपाल टैलेंटेड और सीनियर एक्टर हैं। नोरा फतेही अपनी डांस के लिए जानी जाती हैं, पर बहुत टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। नोरा फतेही और एमी जैक्सन इस कहानी की दुनिया की दो महत्वपूर्ण पार्ट हैं। दोनों ने अपने रोल को बड़े बखूबी तरीके से निभाया है।

टूटे एंकल के साथ विद्युत ने फिल्माया एक्शन सीन यह किस्सा शूटिंग के बीच का है। शूटिंग के तीन दिन पहले रिहर्सल के दौरान विद्युत के एंकल में गहरी चोट लग गई थी। हम लोगों को शूट करना ही था, क्योंकि फॉरेनर की क्रू मेंबर आदि सारे लोग आ चुके थे। उनको वापस भेज नहीं सकते थे। ऊपर से साइकिलिंग का शॉट था। यह कुल चार दिनों की शूटिंग थी। लेकिन विद्युत ने चार दिनों तक एंकल टूटे होने का अहसास तक नहीं कराया। उन्होंने कभी नहीं कहा कि यह शॉट ऐसे मत लो या फिर ऐसा कुछ कर लो। वे सेट पर ऐसे आते थे, जैसे उन्हें कुछ हुआ ही नहीं हो। उन्होंने बतौर डायरेक्टर मुझे कभी झिझक नहीं फील कराया। उनका कहना था कि जो भी करो, ठीक से करो, क्योंकि यह एक्शन सीक्वेंस एक ही दफा होने वाला है। यह सीक्वेंस एकदम सही होना चाहिए।